खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 26 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-322

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ श्री जीण भगवते नमः ॥ श्री श्याम देवाय नमः ॥ श्री हनुमंते नमः ॥

भाग्यनगर (हैदराबाद) के बेगम बाजार में पाँच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर



शुभस्थल : खेमदास मठ (चूड़ी धाम)

चूड़ी बाजार, बेगम बाजार, हैदराबाद



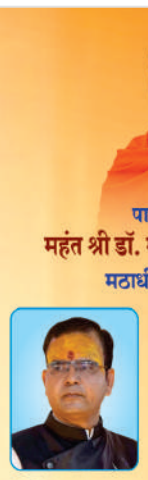
22 नवम्बर से 26 नवम्बर 2026 तक



पावन सान्निध्य

महंत श्री डॉ. मनुदास निरंजनी स्वामी

मठाधीश खेमदास मठ



श्री जीण माता प्राण प्रतिष्ठा यज्ञाआचार्य

पं. श्री भंवरलाल शर्मा

हैदराबाद



श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा यज्ञाआचार्य

ज्योतिष गुरु वेदप्रकाश महमिया मुंबई

Food Partner KAVITA CATERERS

Media Partner CLICK MAGIK

Sound Partner CAD CHAHAK AUDIO DIGITALS

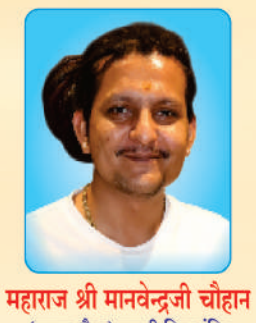
Travel Partner PADMAVATI TRAVELS

पावन सान्निध्य



पूज्य श्री रसिया बाबा

वृंदावन



महाराज श्री मानवेन्द्रजी चौहान

(कान्हा भैया) पुजारी निज मंदिर सेवक परिवार, खाटू श्यामजी



श्री अक्षयजी पाराशर

पुजारी, श्री जीण माता मंदिर



श्री प्रकाशजी पाराशर

पुजारी श्री जीण माता मंदिर



श्री डी.पी. चावलाजी

खाटू श्यामजी

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

26 नवंबर 2026



भजन प्रवाहक

श्री मुरारी दाहिमा हैदराबाद | सुश्री गुडिया विभा मिश्रा लखनऊ | श्री तुषार चौधरी कोलकाता

श्री अभिषेक शर्मा कोलकाता | श्री प्रदीप आशीर्वाद दिल्ली | श्री हरीश दाहिमा हैदराबाद

श्री निकुंज दाहिमा हैदराबाद | श्री प्रतीक दाहिमा हैदराबाद | म्यूज़िशियन तिलक राज टीम

आज गुरुवार दि.26-11-2026,

मण्डल वेदियों की पूजा
प्रातः 8:15 बजे से

मूर्ति अंगन्यास
प्रातः 10:15 बजे से

प्राण प्रतिष्ठा व शिखर ध्वज स्थापना
पूर्णाहुति व उत्तर पूजा
प्रातः 11:40 बजे से

भण्डारा प्रसादी
दोपहर 1:00 बजे से

श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा का संकीर्तन

भारतवर्ष के सुप्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा सायं 7:00 बजे से

मुख्य अतिथि



माननीय श्री अनुराग सिंह ठाकुर

सांसद, हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश

अध्यक्ष, संसदीय स्थायी समिति - कोयला, खान एवं इस्पात

विशेष अतिथि



डॉ. के. लक्ष्मण

राज्यसभा सांसद



श्री टी. राजा सिंह

विधायक गोशामहल



श्री बद्दम महीपाल रेड्डी

भाजपा तेलंगाना प्रदेश महासचिव



श्री अविनाश देवड़ा

सहसंयोजक, भाजपा तेलंगाना व्यापार प्रकोष्ठ



श्री जे. राघवेन्द्र रेड्डी

Deputy Commissioner of Police



श्री के. चन्द्रशेखर रेड्डी

ACP, Goshamahal Division



श्री बी. श्रवण कुमार

SHO, Goshamahal

विशेष आगमन



श्री जे.पी. खेमका

मुंबई



श्रीमती विमला जे. खेमका

मुंबई



श्री पीयूष गोयनका

कोलकाता



श्रीमती अनीता गोयनका

कोलकाता



श्री नितेश सांगानेरिया

कोलकाता



श्री राजकुमार ढेलिया

कोलकाता



श्रीमती प्रतिवा ढेलिया

कोलकाता



श्री अंकित भार्गव

लखनऊ

निवेदक : श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट



गिरीश कुमार गुप्ता



रुचिता गुप्ता



विनय जैन



नविता जैन



संदीप कुमार जैन



स्वाति जैन



विकासचन्द जैन



रमाकान्त गोयल



दीपक कुमार गुप्ता



प्रतीक कुमार नारसरिया

परामर्शदाता



दिलीप कुमार जैन



रितेश संगी

संरक्षक ट्रस्टी



प्रवीण गोयल

ट्रस्टी

प्रवीण गोयल

ट्रस्टी

मोहित अग्रवाल

संरक्षक सदस्य

सुनील कुमार अग्रवाल

संरक्षक सदस्य

अमित अग्रवाल

संरक्षक सदस्य

प्रदीप कुमार अग्रवाल

सदस्य

आनंद कुमार अग्रवाल

सदस्य

प्रकाश चन्द

सदस्य

यशवंत कुमार अग्रवाल

सदस्य

अन्कित कुमार अग्रवाल

सदस्य

मनोज कुमार केडिया

सदस्य

खेमचंद

सदस्य

रुद्राक्ष अग्रवाल

सदस्य

रोहन सिंघल

सदस्य

प्रदीपचंद्र संघी

सदस्य

चन्द्र प्रकाश केडिया

सदस्य

अनुराग अग्रवाल

सदस्य

संजय गुप्ता (दिल्ली वाले)

सदस्य

सत्यनारायण राजेंद्र कुमार तुंदावाले (सत्तू दादा) A 201 Gvk Sky City Somajiguda Hyd. 500082

नागरमल ओमप्रकाश पंच बसईवाले

RK AGARWAL STORES (Wholesale Kirana Merchant)

Address : 2nd Gate Malakpet Gunj, Hyderabad 500036

Ramakanth Goel : 9391034050, Shashikanth Goel : 9440203004, Shyam Agarwal : 9866584420

अमरनाथ दिलीप कुमार जैन पुरणमल सुमेरचंद जैन, हैदराबाद

AMRITSAR HAVELI WORLD RECORD HOLDER RESTAURANT CHAIN

Kitty Party | Birthday Party | Corporate Meetings

THE KING OF AMRITSARI KULCHA

FOR RESERVATION - BANQUET & RESTAURANT CALL 9281411691

2ND FLOOR, LEGEND BLUE HOPE, TILAK ROAD, ABOVE MAX SHOWROOM ABIDS, HYDERABAD



माइली साइरस ने बायफ्रेंड मैक्स मारांडो के साथ की दूसरी शादी

लास एंजेलस

मशहूर सिंगर और सान्गराइटर माइली साइरस एक बार फिर चर्चा में हैं। माइली साइरस ने दूसरी शादी अपने लंबे समय से बायफ्रेंड रहे म्यूजिशियन मैक्स मारांडो के साथ कर ली है। यह खास समारोह हाल ही में कैलिफोर्निया के खूबसूरत पाम स्प्रिंग्स में एक बेहद निजी और अंतरंग सेरेमनी में संपन्न हुआ, जहां दोनों ने एक-दूसरे के साथ सात फेरे लिए। हालांकि, इस खुशी के पल को लेकर माइली ने अभी तक आधिकारिक तौर पर सोशल मीडिया पर कोई घोषणा या पोस्ट साझा नहीं की है, जिससे उनके प्रशंसक तस्वीरों और खबरों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, माइली और मैक्स का रिश्ता लगभग पांच साल पुराना है। दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे थे और अब उन्होंने अपने प्रेम संबंध को विवाह के पवित्र बंधन में बदलने का फैसला किया। इस अंतरंग समारोह में परिवार और कुछ करीबी दोस्तों की मौजूदगी रही, जिनमें माइली की मां टिश साइरस और उनकी बहन नूह साइरस खास तौर पर शामिल थीं। इस जोड़े ने हमेशा अपने रिश्ते को लाइमलाइट से दूर रखने की कोशिश की है, और उनकी शादी भी इसी गोपनीयता का प्रमाण है।

शादी से जुड़ी कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसने प्रशंसकों के बीच उत्साह भर दिया है। इन तस्वीरों में नवविवाहित जोड़ा बेहद खुश और आकर्षक लग रहा है। माइली साइरस एक शानदार सफेद रंग के गाउन में किसी परी से कम नहीं दिख रही थीं, जबकि मैक्स मारांडो भी काले रंग के स्टाइलिश परिधान में बेहद जंच रहे थे। विवाह के दौरान भावनात्मक पल भी देखने को मिले, बताया जा रहा है कि इस खास अवसर पर माइली की आंखों में खुशी के आंसू आ गए थे। वहीं, मैक्स ने भी अपनी नवविवाहित पत्नी के लिए एक हृदयस्पर्शी भाषण दिया, जिसमें उन्होंने अपने प्यार और भविष्य की उम्मीदों को व्यक्त किया। यह सब उनके रिश्ते की गहराई और एक-दूसरे के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। माइली और मैक्स के रिश्ते की शुरुआत दिसंबर 2021 में मीडिया की सुर्खियां बनी थी। उस समय दोनों को मियामी में माइली के हालिडे स्पेशल शो माइली न्यू ईयर ईव पार्टी के बैकस्टेज साथ देखा गया था, जिसने उनके बीच पनप रहे प्रेम की अटकलों को हवा दी। इसके बाद अप्रैल 2022 में, वेस्ट हालीवुड में उन्हें सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे को किस करते हुए देखा गया, जिससे उनके रिश्ते की पुष्टि हो गई और यह बात साफ हो गई कि दोनों एक-दूसरे के काफी करीब हैं। हालांकि, उन्होंने कभी अपने रिश्ते को सार्वजनिक मंच पर स्वीकार नहीं किया और हमेशा इसे निजी बनाए रखा। वर्ष 2025 में दोनों की सगाई की खबरें भी मीडिया में छाई थीं, जब माइली और मैक्स लास एंजिल्स में फिल्म अवतार: फायर एंड ऐश के वर्ल्ड प्रीमियर में एक साथ पहुंचे थे। उस दौरान उन्होंने रेड कार्पेट पर साथ में तस्वीरें खिंचवाई थीं, जिसने उनके रिश्ते की गंभीरता को और मजबूत किया। यह माइली साइरस की दूसरी शादी है।

न्यूज ब्रीफ

हसीना की बांग्लादेश वापसी की तैयारी : सरकारी विमान की मांग और गिरफ्तारी का खतरा



ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 16 दिसंबर को अपने देश लौटने की इच्छा जाहिर की है, लेकिन उनकी वापसी की राह में कई बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं। हसीना ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से राष्ट्रीय विमानन कंपनी बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस के सरकारी विमान की व्यवस्था करने की मांग की है ताकि वे दिल्ली से ढाका तक की यात्रा कर सकें। हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने 24 नवंबर को इसकी जानकारी दी। अगस्त 2024 में बांग्लादेश छोड़ने के बाद यह पहली बार है जब हसीना ने अपने देश लौटने के लिए कोई निश्चित तारीख बता दी है। प्रवक्ता के मुताबिक, हसीना का तर्क है कि उन्हें 5 अगस्त 2024 को बांग्लादेश के ही विमान से भारत लाया गया था, इसलिए तारिक रहमान सरकार की जिम्मेदारी है कि उन्हें उसी तरह वापस ढाका पहुंचाए। उन्होंने बांग्लादेश सरकार से विजय दिवस के मौके पर उनकी वापसी सुनिश्चित करने की अपील की है, क्योंकि उनका दावा है कि उन्हें संविधान का उल्लंघन करके देश छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। हालांकि, शेख हसीना की वापसी आसान नहीं होगी। नवंबर 2025 में, बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने 2024 के छात्र आंदोलन के दौरान हुई कार्रवाई के मामले में उन्हें उनकी गैरमौजूदगी में मौत की सजा सुनाई थी। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, उस हिंसा में करीब 1,400 लोगों की मौत हुई थी। हालांकि, हसीना ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इंकार किया है। बांग्लादेश के एक मंत्री ने बताया था कि अगर हसीना देश लौटती हैं, तब उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि हसीना को वापस लाने के लिए भारत से विमान को लेकर कोई आधिकारिक बातचीत नहीं हुई है। शेख हसीना 16 दिसंबर को ही क्यों लौटना चाहती हैं, इसकी भी एक खास वजह है। बांग्लादेश में यह दिन विजय दिवस यानी बिजाय दिबोश के रूप में मनाया जाता है।

रुस कार्बन उत्सर्जन के मामले में सबसे आगे, सऊदी अरब दूसरे नंबर पर



जिनेवा। साल 1850 से अब तक जीवाश्म ईंधन के निर्यात से पैदा हुए कार्बन डाइआक्साइड (सीओ2) के उत्सर्जन के आंकड़ों की जांच में सामने आया है कि रूस, सऊदी अरब और आस्ट्रेलिया दुनिया के इतिहास में कार्बन डाइआक्साइड के सबसे बड़े निर्यातक रहे हैं। रूस और सऊदी अरब के मुकाबले आस्ट्रेलिया का योगदान कार्बन उत्सर्जन में काफी कम है, लेकिन फिर भी जीवाश्म ईंधन के निर्यात से जुड़े 25 गीगाटन से ज्यादा सीओ2 उत्सर्जन के लिए वह जिम्मेदार रहा है। रूस, कोयले, तेल और नेचुरल गैस के विशाल भंडारों के साथ, करीब 70 गीगाटन कार्बन डाइआक्साइड के लिए जिम्मेदार रहा है। इसके बाद सऊदी अरब का नाम आता है, जो करीब 60 गीगाटन सीओ2 उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है। इस सूची में तीसरा नाम आस्ट्रेलिया का है, और हैरानी की बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन सीओपी31 की अध्यक्षता इस बार आस्ट्रेलिया ही कर रहा है। आस्ट्रेलिया ने अभी तक जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल या उसके निर्यात को पूरी तरह बंद करने की कोई समयसीमा तय नहीं की है, और उसके कुल निर्यात कारोबार में जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। जानकारों और वैश्विक संगठनों का मानना है कि यह विश्लेषण बताता है कि जलवायु परिवर्तन पर होने वाली बातचीत में आखिर गड़बड़ी कहां है।

चीन की गुफाओं से मानव इतिहास को बदलने वाले सबूत मिले

बीजिंग। चीन की बाक्सियान और नाक्सियान गुफाओं में 18 हजार से ज्यादा स्तनधारी जीवों के जीवाश्मों के बीच 9 प्राचीन इंसानी दांत मिले हैं। वैज्ञानिकों को दक्षिण चीन के गुआंग्शी प्रांत की दो गुफाओं से मानव इतिहास को बदलने वाले महत्वपूर्ण सबूत हाथ लगे हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इन दांतों की उम्र 3.24 लाख से 1.84 लाख साल आंकी गई है। इनमें से 8 दांत होमो इरेक्टस प्रजाति के हैं और एक दांत किसी रहस्यमय मानव प्रजाति का है, जिसके डेनिसोवन्स होने का संदेह है। इस खोज ने साबित किया कि होमो इरेक्टस एशिया की मुख्य भूमि पर पहले के अनुमान से कहीं ज्यादा समय तक जिंदा रहे। ये प्राचीन मानव घने बारिश वाले जंगलों में रहते थे और 320 किलोमीटर तक लंबा सफर करते थे। बाक्सियान और नाक्सियान गुफाएं एक-दूसरे से महज 15 किलोमीटर की दूरी पर हैं। हजारों साल पहले साही जैसे जानवर खाने की तलाश में हड्डियां खींचकर इन गुफाओं में जमा करते थे, जिससे यहां वानर, हाथी, गैंडे और खुर वाले प्राचीन जानवरों के 18 हजार से ज्यादा जीवाश्म इकट्ठा हो गए। इन्हीं के बीच शोध टीम को 9 प्राचीन इंसानी दांत मिले।

बांग्लादेश में पुलिसकर्मियों की हत्या और थानों में आगजनी से हालात और बिगड़े

ढाका (बांग्लादेश)

देश में अपराधियों को गिरफ्तार करने की कोशिश के दौरान पुलिसकर्मियों की हत्या की जा रही है। हथकड़ी लगे संदिग्धों को पुलिस हिरासत से छुड़ाया जा रहा है। पुलिस के गश्ती दलों पर हमले हो रहे हैं। सरकारी हथियार लूटे जा रहे हैं और पुलिस थानों को आग के हवाले किया जा रहा है। बिगड़ रहे हालात में लोगों की जान-माल की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के सामने खुद की सुरक्षा बड़ी चिंता का विषय बन गई है। छिटपुट आपराधिक घटनाओं से लेकर राजनीतिक हिंसा तक, पुलिस पर लगातार हो रहे हमले न केवल पुलिसकर्मियों को बड़े खतरे में डाल रहे हैं, बल्कि राज्य की कानून-व्यवस्था लागू करने की क्षमता और अधिकार की भी परीक्षा ले रहे हैं।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, 17 फरवरी को प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से नौ महीने से अधिक का समय बीत चुका है। इस दौरान मार्च से अक्टूबर के बीच पूरे देश में पुलिस पर 400 हमले दर्ज किए गए। जनवरी से अक्टूबर के बीच यह संख्या बढ़कर 484 हो गई। नवंबर में भी देश के विभिन्न हिस्सों में हमले जारी हैं। हमलों में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। गोपालगंज में दो पुलिस थानों पर हमले किए गए। उन्हें आग लगा दी गई। लूटपाट की गई। अन्य जगहों पर पुलिस की गाड़ियों और परिसरों को निशाना बनाया गया।

पुलिस मुख्यालय के मासिक अपराध आंकड़ों और बांग्लादेश पुलिस एसोसिएशन के डेटा के अनुसार, इस साल जनवरी से अक्टूबर के बीच पूरे देश में पुलिस पर 484 हमले हुए। इन घटनाओं में चार पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और 370 गंभीर रूप से घायल हो गए। 22 नवंबर को नारायणगंज में एक पुलिसकर्मी की हत्या के साथ, इस साल पुलिस पर हुए हमलों में मरने वालों की संख्या कम से कम पांच हो गई है। नवंबर के पहले 23 दिनों में हमलों के दौरान कम से कम 21 पुलिसकर्मी घायल हुए।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि अप्रैल में सबसे ज्यादा हमले (66 घटनाएं) हुए। मार्च में 63 और मई में 55 घटनाएं दर्ज की गईं। हालांकि जून के बाद हमलों में कुछ कमी आई, लेकिन मासिक आंकड़ा कभी भी 40 से नीचे नहीं गया। अक्टूबर और नवंबर में यह संख्या फिर से बढ़ गई। हाल की घटनाएं एक



चिंताजनक स्थिति की ओर इशारा करती हैं। संगठित समूह पुलिसकर्मियों की हत्या कर रहे हैं। थानों को आग लगाई जा रही है। हथियार लूटे जा रहे हैं और गिरफ्तार संदिग्धों को जबरन छुड़ाया जा रहा है।

अधिकारियों पर होने वाले हमलों के अलावा अब पुलिस थाने भी हिंसा का मुख्य निशाना बन गए हैं। कुछ ही दिनों के भीतर गोपालगंज में दो पुलिस थानों पर हमले हुए। 17 नवंबर को तुंगीपाड़ा पुलिस थाने पर हमला कर उसे आग के हवाले कर दिया गया और वहां से हथियार लूट लिए गए। बांग्लादेश पुलिस एसोसिएशन के अनुसार, इस हमले में थाने के बुनियादी ढांचे और कई वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा है। सरकारी हथियारों के साथ-साथ आम लोगों के जना कराए गए हथियार भी लूट लिए गए। दो दिन बाद 19 नवंबर को मुकसूदपुर पुलिस थाने पर हमला हुआ और उसे आग लगा दी गई। इस आगजनी में महत्वपूर्ण दस्तावेज, पुलिस के वाहन और जब्त की गई गाड़ियां जलकर खाक हो गईं। इन हमलों के लिए प्रतिबंधित अवामी लीग और उसके छात्र संगठन बांग्लादेश छात्र लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया गया है। आगजनी की इन घटनाओं के कारण दोनों पुलिस थानों का कामकाज ठप हो गया है।

18 नवंबर को चटगांव के मुरादपुर में भी एक पुलिस चौकी को आग के हवाले कर दिया गया। पुलिस थानों पर हमले से होने वाला नुकसान केवल इमारत, फर्नीचर या वाहनों तक ही सीमित नहीं रहता। केस रिकार्ड, अपराध से जुड़ी जानकारी और सुरक्षित रखे गए सबूतों के नष्ट होने से भविष्य में जांच और न्यायिक कार्यवाही पर गंभीर असर पड़ सकता है। इस तरह के हमले सार्वजनिक सुरक्षा को कमजोर कर सकते हैं और लोगों को जरूरी पुलिस सेवाओं तक पहुंचने से रोक सकते हैं। पुलिस हिरासत से संदिग्धों को जबरन छुड़ाने की बढ़ती घटनाएं पुलिस बल के लिए एक और बड़ी चिंता का विषय बन गई हैं। गिरफ्तारी के बाद कुछ संगठित समूह संदिग्धों को अदालत में पेश किए जाने से पहले ही उन्हें छुड़ाने के लिए पुलिस पर हमले कर रहे हैं। 22 नवंबर को ब्राह्मणबरिया के अखौरा पुलिस थाने पर हमला हुआ और पुलिस के साथ झड़प हो गई। यह घटना नेशनल सिटीजन पार्टी की उपजिला इकाई के संयुक्त संयोजक और विस्फोटक मामले के आरोपित सायेब अली की गिरफ्तारी को लेकर हुई थी। इस घटना में पुलिस के कम से कम सात जवान घायल हो गए। इससे पहले, 6 नवंबर को बोगरा के सोनातला में धोखाधड़ी के एक मामले के संदिग्ध को पुलिस हिरासत से छुड़ा लिया गया था। इसी तरह की घटनाएं सितंबर में सुनामगंज के शांतिगंज में और जुलाई में काक्स बाजार के कुतुबदिया में भी हुई थीं। भीड़ ने पुलिस पर हमला कर गिरफ्तार संदिग्धों को छुड़ा लिया। इन घटनाओं ने कानून लागू करने वाली एजेंसियों के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी है। अब पुलिस को गिरफ्तारी वारंट तामील करने और नियमित अभियान चलाने जैसे सामान्य कामों के लिए भी अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम करने पड़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि पुलिस पर होने वाले इन हमलों के पीछे अलग-अलग वजह हैं। कुछ मामलों में संगठित अपराधी गिरोह पुलिस की कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। वहीं कुछ अन्य मामलों में राजनीतिक प्रभाव डालने की कोशिशें और भीड़ के हिंसा के जरिए कानून को अपने हाथ में लेने की बढ़ती प्रवृत्ति भी इस हिंसा को बढ़ावा दे रही है। एक और बड़ी चिंता यह है कि पुलिस पर हुए हमलों से जुड़े मामलों में जांच और मुकदमों की प्रगति को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है। हालांकि ऐसी घटनाओं के बाद मामले दर्ज होने और संदिग्धों की गिरफ्तारी की खबरें तो आती हैं, लेकिन यह जानकारी नहीं मिलती कि कितनी जांच पूरी हो चुकी है या कितनी चार्जशीट दाखिल की गई हैं। 2024 के बड़े जन विद्रोह के दौरान पुलिस के घातक बल प्रयोगऔर उसके बाद पुलिस बल के खिलाफ हुई हिंसा का असर अभी भी बना हुआ है। उस दौर से उपजे पेशेवर संकट, गिरते मनोबल और जनता के भरोसे की कमी से निपटने के लिए पुलिस अभी संघर्ष कर ही रही है। उसे एक बार फिर लगातार हमलों का सामना करना पड़ रहा है।

तानाशाह ने अमेरिका को दिखाया ठेंगा : ट्रंप का संदेश ठुकराया, परमाणु खतरा बढ़ा

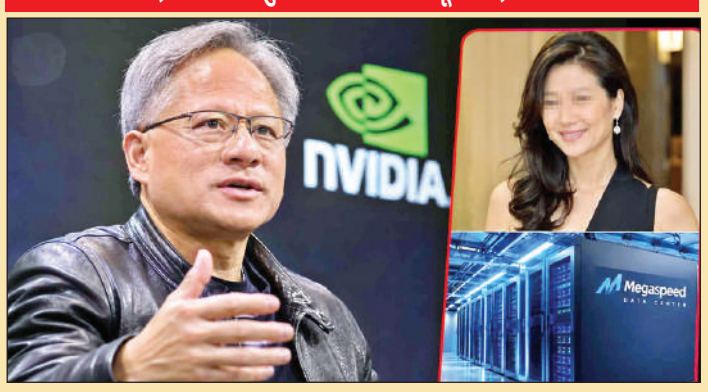


प्योंगयांग

उत्तर कोरिया ने फिर अमेरिका को कूटनीतिक झटका देकर राष्ट्रपति ट्रंप के बातचीत के तमाम प्रयासों को सिरे से खारिज किया है। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब ईरान के बाद अब प्योंगयांग भी अमेरिकी प्रभाव को चुनौती दे रहा है, जिससे वैश्विक मंच पर अमेरिका की प्रतिष्ठा पर सवाल खड़े हुए हैं। किम जोंग उन के इस रुख ने न केवल कूटनीतिक गतिरोध पैदा किया है, बल्कि उत्तर कोरिया की तेजी से बढ़ती परमाणु और मिसाइल ताकत को लेकर अमेरिका की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं।

अमेरिकी अखबार की सनसनीखेज रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने किम जोंग उन से संपर्क साधने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत फिर से शुरू करने के कई प्रयास किए। इसमें आधिकारिक फोन लाइनें और अन्य संचार माध्यम शामिल थे, लेकिन उत्तर कोरिया की ओर से सन्नाटा मिला। आखिरकार, ट्रंप ने व्यक्तिगत पत्र भेजने का फैसला किया। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने न्यूयार्क के मैनहटन में संयुक्त राष्ट्र स्थित उत्तर कोरियाई कार्यालय के माध्यम से यह पत्र पहुंचाने की योजना बनाई। अमेरिकी अधिकारियों का एक दल कार्यालय के बाहर इंतजार करता रहा और जैसे ही एक उत्तर कोरियाई राजनयिक वहां से गुजरा, तभी उस कर्मचारी को ट्रंप का पत्र सौंप दिया गया। लेकिन अमेरिका के लिए यह किसी बड़े झटके से कम नहीं था, जब उस उत्तर कोरियाई राजनयिक ने संयुक्त राष्ट्र की बैठक के दौरान, बिना खोले हुए ही, उस पत्र को अमेरिकी प्रतिनिधि के सामने वापस रख दिया। इस घटना ने साफ कर दिया कि उत्तर कोरिया अब ट्रंप के किसी भी संदेश को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। यह तब हो रहा है जब ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान दोनों नेताओं की तीन मुलाकातें हुई थीं, जिनका मुख्य उद्देश्य उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को रोकना था। हाल ही में ट्रंप ने अपनी एशिया यात्रा के दौरान भी किम से एक और मुलाकात करने की कोशिश की, लेकिन किम जोंग उन ने ऐसी कड़ी शर्तें रखीं जिन्हें अमेरिकी पक्ष स्वीकार नहीं कर पाया और यह बैठक नहीं हो पाई। बातचीत ठुकराने तक ही सीमित नहीं है, असली खतरा उत्तर कोरिया की तेजी से बढ़ती परमाणु और मिसाइल ताकत है। साल 2025 में जारी एक अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि किम जोंग उन बातचीत के जरिए अपने रणनीतिक हथियार कार्यक्रम को खत्म करने का कोई इरादा नहीं रखते। आंकड़े बताते हैं कि साल 2019 में दोनों नेताओं की आखिरी मुलाकात के बाद से उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों की संख्या लगभग 20-30 से बढ़कर अब करीब 60 तक पहुंच चुकी है।

एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग ने बैठक में कबूली कई अफेयर होने की बात



वाशिंगटन। एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग ने पद पर दोबारा लौटने से पहले कंपनी के बोर्ड के सामने अपने कई अफेयर होने की बात कबूल की थी। इनमें वे रिश्ते भी शामिल थे, जिनके बारे में पहले सार्वजनिक रूप से कोई जानकारी नहीं थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बोर्ड के साथ कई घंटे चली बैठक में जेन्सन हुआंग ने अपने व्यवहार को लेकर पछतावा जताया। इसके बाद बोर्ड ने उन्हें वापस सीईओ बनाने का फैसला किया। दूसरी ओर ट्रम्प सरकार ने सिंगापुर की डेटा सेंटर कंपनी मेगास्पीड को ट्रेड ब्लैकलिस्ट में डाल दिया है। कंपनी पर एनवीडिया के एडवांस एआई चिप्स की तस्करी कर उन्हें चीन भेजने का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेगास्पीड सिंगापुर की एक डेटा सेंटर और क्लाउड कंप्यूटिंग कंपनी है। अमेरिकी अधिकारियों को शक है कि मेगास्पीड ने एनवीडिया के एडवांस एआई चिप्स को अवैध तरीके से चीन पहुंचाया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका का आरोप है कि कंपनी ने बिचौलियों के जरिए एआई चिप्स चीन पहुंचाए और निर्यात नियमों को तोड़ा। इसी मामले में अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने मेगास्पीड को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। इस सूची में शामिल कंपनियां अमेरिकी सरकार की खास मंजूरी के बिना वहां की कंपनियों से टेक्नोलाजी और सामान नहीं खरीद सकतीं।

अंतरिक्ष में विशाल तारे ने निगल लिया अपने साथी तारे को

वाशिंगटन

अंतरिक्ष में खगोल वैज्ञानिकों की अनोखी घटना देखी। यह घटना हमारी पड़ोसी एंड्रोमेडा गैलेक्सी के बाहरी हिस्से में धरती से 25 लाख प्रकाश वर्ष दूर घटी है, जिसमें खगोलविदों ने एक तारे को अपने साथी तारे को सीधे निगलते हुए देखा। एक अध्ययन के अनुसार, इस लाल सुपरजायंट तारे को बाओ नाम दिया गया है, जिसका आधिकारिक नाम एटी 2025 अबाओ है। सूरज से 7 गुना भारी, 350 गुना चौड़े और 18000 गुना चमकीले इस तारे ने महज 7 साल में अपने साथी को निगल लिया। सूरज के 70 फीसदी द्रव्यमान वाला एक छोटा तारा इसके केंद्र से जा टकराया। इस विस्फोट के चरम पर पहुंचने के ठीक 47 दिन बाद नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप ने इसका डेटा जुटाया, जो किसी तारकीय विलय का अब तक का सबसे तेज फालोअप था। जानकारों ने बताया है कि दशकों से इस घटना का अनुमान लगाया जा रहा था, लेकिन इसे लाइव होते कभी नहीं देखा गया था। एक तारे को अपने साथी को निगलते हुए देखना समुद्र में एक बाल्टी पानी फेंकने जैसा मुश्किल काम है, क्योंकि इसके असर को देखने के लिए लंबे समय तक आसमान पर नजर रखने वाले संवेदनशील टेलीस्कोप चाहिए। इस तारे पर जानकारों की नजर सबसे पहले फरवरी 2023 में पड़ी थी, जब विभिन्न टेलीस्कोप के डेटा में यह तारा अजीब तरह से चमकता दिखा।

पुराने रिकार्ड खंगालने पर पता चला कि



2018 से पहले इसकी रोशनी स्थिर थी और 2018 के बाद यह धीरे-धीरे तेज होने लगी। सितंबर 2024 में यह तारा चमक बढ़ाने के साथ भारी मात्रा में धूल भी उगल रहा था। आखिरकार 17 अक्टूबर 2025 को एक खगोलीय सुविधा ने इस तारे में भयानक विस्फोट और तापमान में अचानक उछाल दर्ज किया। जेम्स वेब के मिड-इन्फ्रारेड डेटा और कंप्यूटर सिमुलेशन की मदद से टीम ने इस घटना की हर कड़ी जोड़ी। विस्फोट से पहले ये दोनों तारे हजारों साल तक शांति से एक-दूसरे का चक्कर काट रहे थे। विशालकाय मुख्य तारे को बिग बाओ नाम दिया गया जो सूरज से 7 गुना भारी, 350 गुना चौड़ा और 18000 गुना ज्यादा चमकीला था। माडलिंग से छोटे साथी तारे यानी लिटिल बाओ का भी पहला सटीक अनुमान मिला, जिसका द्रव्यमान सूरज का करीब 70 फीसदी था और इसकी चमक भी सूरज से कम थी। जानकारों ने बताया कि जैसे ही बिग बाओ का आकार बढ़ा तो लिटिल बाओ इसकी बाहरी सतह के संपर्क में आ गया। जब साथी तारा मुख्य तारे की बाहरी परत को छूता है तो वह चक्कर लगाते हुए उसकी बाहरी गैस को छीलने लगता है। यही गैस अंतरिक्ष में फैलती है और तारे की चमक धीरे-धीरे बढ़ने लगती है, जिसे विज्ञान की भाषा में कामन एनवेलप इवोल्यूशन कहते हैं। गैस के खिंचाव के कारण छोटे तारे की आर्बिटल ऊर्जा खत्म होने लगी और वह अंदर की ओर गिरता चला गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने दो टर्की पक्षियों को दिया जीवनदान, व्हाइट हाउस की सालाना परंपरा निभाई

वाशिंगटन (अमेरिका)

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने थैंक्सगिविंग त्योहार से पहले व्हाइट हाउस में आयोजित एक विशेष समारोह में दो टर्की पक्षियों को जीवनदान दिया। इन पक्षियों के नाम फ्रीडम और फेदर्स हैं। अमेरिका में हर साल थैंक्सगिविंग से पहले राष्ट्रपति की ओर से टर्की पक्षियों को माफी देने की परंपरा है। आयोजित समारोह में ट्रंप ने दोनों पक्षियों का परिचय कराया और अमेरिकी नागरिकों को थैंक्सगिविंग की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह शुभकामना अपने परिवार और अमेरिका की प्रथम महिला की ओर से भी दी। यह व्हाइट हाउस की छुट्टियों से जुड़ी सबसे चर्चित परंपराओं में से एक है।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष व्हाइट हाउस में 79वां समारोह आयोजित किया गया। इसकी शुरुआत वर्ष 1947 में हुई थी। 1947 में नेशनल टर्की फेडरेशन ने तत्कालीन राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन को टर्की पक्षी भेंट किए थे। हालांकि, इस पक्षी को औपचारिक रूप से माफी देने की परंपरा वर्ष 1989 में तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज एच.डब्ल्यू. बुश के कार्यकाल में शुरू हुई।

इस साल समारोह के लिए चुने गए दोनों टर्की पक्षियों को वेस्ट वर्जीनिया के फोर्ट साइबर्ट में स्काट और बेकी राइटसेल ने अपने फार्म पर पाला। राइटसेल परिवार पीढ़ियों से खेती कर रहा है। परिवार के लिए व्हाइट हाउस में अपने फार्म के पक्षियों को प्रस्तुत करना बड़ी उपलब्धि है। व्हाइट हाउस में दोनों टर्की पक्षियों को माफी देने का कार्यक्रम व्हाइट हाउस के नए हेलीपैड पर आयोजित किया गया। राष्ट्रपति ने कहा कि अगले साल टर्की को माफी देने का कार्यक्रम उनके नए बालरूम में होगा। बालरूम को उन्होंने अमेरिका में अब तक बनी सबसे मजबूत इमारत बताया।

स्काट राइटसेल ने इस आयोजन को टर्की पालने वाले किसानों के लिए बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन किसानों के लिए किसी बड़े खेल मुकाबले यानी सुपर बाउल जैसा



है। नेशनल टर्की फेडरेशन की अध्यक्ष क्रिस्टी पफेनबार्गर के अनुसार, इन दोनों पक्षियों को समारोह के लिए तैयार करने का काम फरवरी में ही शुरू हो गया था। जुलाई में जब वे छोटे चूजों के रूप में फार्म पर पहुंचे, तब से उनकी खास देखभाल की गई। व्हाइट हाउस में समारोह के दौरान लोगों की भीड़, कैमरों की चमक और तेज आवाजों से पक्षी घबराएं नहीं, इसके लिए राइटसेल परिवार रोजाना उन्हें इन परिस्थितियों का अभ्यस्त बनाता था।

दोनों पक्षियों का चयन उनके स्वभाव और शारीरिक बनावट को देखकर किया गया। राइटसेल के अनुसार, इसके लिए पक्षियों का सुंदर दिखना और शांत स्वभाव का होना जरूरी था। उन्होंने इसकी तुलना सौंदर्य प्रतियोगिता से की। स्काट राइटसेल ने कहा कि जब उन्हें इस आयोजन के लिए चुना गया तो उनका पूरा परिवार बेहद खुश हुआ। उनके फार्म पर पाले गए पक्षियों को अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने पेश किया जाना उनके लिए गर्व की बात है।

थैंक्सगिविंग अमेरिका का प्रमुख त्योहार है। इस दिन परिवार और मित्र एक साथ भोजन करते हैं और जीवन में मिली खुशियों व अच्छी चीजों के लिए आभार जताते हैं। इस मौके पर टर्की का मांस परोसने की परंपरा भी काफी लोकप्रिय है। राष्ट्रपति की ओर से दो टर्की पक्षियों को माफी देने का मतलब है कि उन्हें खाने के लिए नहीं मारा जाएगा और वे सुरक्षित रहेंगे।

ट्रंप ने एक टर्की से कहा, फ्रीडम, इस पल से तुम्हें पूरी तरह से माफा दी जाती है। राष्ट्रपति ने बताया कि दूसरा टर्की फेदर्स झाड़ियों में भाग गया, लेकिन उसे भी माफी दी जाएगी। फ्रीडम और फेदर्स को वाशिंगटन के विलार्ड इंटरकान्टिनेंटल होटल में प्रस्तुत किया गया। व्हाइट हाउस जाने से पहले ये दोनों वहीं एक सुइट में रुके हुए थे। व्हाइट हाउस से यह दोनों पक्षी टेक्सास के कालेज स्टेशन जाएंगे। वहां वे अपना बाकी जीवन बिताएंगे।

फ्रीडम और फेदर्स को तो बख्श दिया गया है, लेकिन नेशनल टर्की फेडरेशन का अनुमान है कि इस थैंक्सगिविंग पर देश भर में लगभग 30 मिलियन टर्की लोगों की खाने की मेज तक पहुंचेंगी। राइटसेल परिवार के लिए मंगलवार का यह कार्यक्रम उन किसानों और मजदूरों को सम्मान देने का भी एक मौका है, जिनकी बदौलत इस थैंक्सगिविंग पर अमेरिकियों की थाली में भोजन पहुंच पाता है। राइटसेल ने कहा, शहरों में बहुत से लोग सोचते हैं कि खाना बस जादू से वालमार्ट में आ जाता है। लेकिन इसके पीछे बहुत मेहनत होती है।

MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 26 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-322

प्याज़ महँगा - सोना सस्ता!

15% बढ़े किराने के दाम

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

देश में महंगाई का असर अब आम आदमी की रसोई पर साफ दिखाई देने लगा है। पिछले एक साल में कई जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। प्याज के दाम करीब दोगुने हो गए हैं, जबकि चीनी 31 प्रतिशत महंगी हुई है। वहीं, सरसों, सोया और सूरजमुखी तेल की कीमतों में भी करीब 15 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।



केंद्र सरकार के 24 नवंबर 2025 और 24 नवंबर 2026 के आंकड़ों के मुताबिक, प्याज की औसत खुदरा कीमत 26.95 रुपये से बढ़कर 53.38 रुपये प्रति किलो हो गई है। यानी एक साल में इसके दाम 98.07 प्रतिशत बढ़े हैं। दूसरी ओर आलू और टमाटर की कीमतों में गिरावट आई है।

प्याज के दाम करीब दोगुने, चीनी 31 प्रतिशत महंगी

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, एक साल में प्याज की कीमतों में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई है। 24 नवंबर 2025 को प्याज का औसत खुदरा भाव 26.95 रुपये प्रति किलो था, जो 24 नवंबर 2026 को बढ़कर 53.38 रुपये हो गया।

चीनी की कीमत भी 46.60 रुपये से बढ़कर 61.06 रुपये प्रति किलो पहुंच गई। इस तरह इसके दाम में 31.03 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

चावल की कीमत 43.34 रुपये से बढ़कर 48.25 रुपये प्रति किलो हो गई। इसमें 11.33 प्रतिशत का इजाफा हुआ। गेहूं और आटे के दाम में भी हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

खाद्य तेलों की कीमतों में भी इजाफा

खाद्य तेलों की कीमतों में भी पिछले एक साल में बढ़ोतरी हुई है। केंद्र सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, सरसों तेल की औसत खुदरा कीमत 186.54 रुपये से बढ़कर 215.30 रुपये प्रति किलो हो गई। यानी एक किलो सरसों तेल 28.76 रुपये महंगा हुआ।

सोया तेल की कीमत 146.63 रुपये से बढ़कर 169.45 रुपये प्रति किलो पहुंच गई। इसमें 15.56 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सूरजमुखी तेल के दाम भी 165.05 रुपये से बढ़कर 190.55 रुपये प्रति किलो हो गए हैं। मूंगफली तेल की कीमत 187.78 रुपये से बढ़कर 210.86 रुपये प्रति किलो पहुंच गई। वहीं, पाम तेल 132.97 रुपये से बढ़कर 151.44 रुपये प्रति किलो हो गया।

थोक बाजार में भी बढ़े खाद्य तेल के दाम

खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी सिर्फ खुदरा बाजार तक सीमित नहीं है। थोक बाजार में भी पिछले एक साल में इनके दाम बढ़े हैं। ▶10पर

1.20 लाख से नीचे रेट

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

कमोडिटी बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को बड़ी गिरावट देखने को मिली। रात 7.50 बजे तक 10 ग्राम वायदा सोने की कीमत करीब 3,000 रुपये गिरकर 1,19,433 रुपये पर आ गई। वहीं, चांदी की कीमतों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई।



मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर चांदी की कीमत 6,137 रुपये गिरकर 1,39,301 रुपये प्रति किलो पर आ गई। इस हिसाब से 100 ग्राम चांदी की कीमत करीब 13,930 रुपये रही। वैश्विक बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों पर लगातार दबाव दिखाई दे रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 86.95 डॉलर प्रति औंस अथवा 2.39 प्रतिशत गिरकर 3,476.55 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी 4.07 प्रतिशत गिरकर 39.105 डॉलर प्रति औंस पर आ गई।

क्यों आ रही सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट?

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव को लेकर नई चिंता और अमेरिका की नई टैरिफ धमकियों ने वित्तीय बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है। टैरिफ से जुड़े नए घटनाक्रम का असर वैश्विक शेयर बाजारों पर भी पड़ा है, जिससे निवेशक जोखिम वाले निवेशों में अपनी हिस्सेदारी का फिर से आकलन करने लगे हैं।

दिसंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी की उम्मीद से भी सोने और चांदी पर असर पड़ रहा है। इसी कारण दोनों की कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

तेल की कीमतें हाल के ऊंचे स्तर से नीचे आई हैं, क्योंकि वैश्विक आपूर्ति में अधिशेष की चिंताओं ने भू-राजनीतिक जोखिम के कारण बढ़ी कीमतों के दबाव को कुछ हद तक कम किया है। हालांकि, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जोखिम अभी बना हुआ है।

स्वतंत्र शोध विश्लेषक अनुज गुप्ता को उम्मीद है कि कीमती धातुओं पर जल्द ही दबाव बना रहेगा और कारोबार में 'गिरावट पर खरीदारी के बजाय तेजी पर बिकवाली' की रणनीति हावी रहने की संभावना है।उनके तकनीकी आकलन के अनुसार, सोने को अंतरराष्ट्रीय बाजार में तत्काल समर्थन 3,530 डॉलर और उसके बाद 3,500 डॉलर पर है। ऊपर की तरफ प्रतिरोध 3,590 डॉलर और 3,620 डॉलर पर है। घरेलू बाजार में एमसीएक्स गोल्ड को 1,21,000 रुपये और 1,20,000 रुपये पर समर्थन है, जबकि 1,24,500 रुपये एक महत्वपूर्ण प्रतिरोध स्तर बना हुआ है। ▶10पर

हसीना पर भारत ने पत्ते खोले

प्रत्यर्पण नहीं स्वेच्छा

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।



बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी के ऐलान पर भारत की प्रतिक्रिया सामने आई है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि बांग्लादेश की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर भेजे गए अनुरोध पर विचार किया जा रहा है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यात्रा दस्तावेज के जरिए अपने देश लौटने की इच्छा रखने वाले नागरिक की वापसी प्रत्यर्पण के अनुरोध से अलग मामला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बांग्लादेश सरकार के प्रत्यर्पण अनुरोध और शेख हसीना की संभावित वापसी को लेकर कई बातें कहीं। इससे एक दिन पहले बांग्लादेश के विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने कहा था कि यदि शेख हसीना 16 दिसंबर को देश लौटना चाहती हैं, तो उन्हें कैदी के रूप में हथकड़ी लगाकर वापस आना होगा।

सरकारी विमान से लौटना चाहती हैं हसीना

शेख हसीना फिलहाल भारत में निर्वासन में रह रही हैं। वह 16 दिसंबर को विजय दिवस के अवसर पर सरकारी विमान से ढाका लौटने की इच्छा रखती हैं। बांग्लादेश में 16 दिसंबर को पाकिस्तान से मुक्ति और स्वतंत्रता की जीत के प्रतीक के रूप में विजय दिवस मनाया जाता है। बांग्लादेश के प्रमुख बंगाली अखबार 'प्रथम आलो' से हुमायूं कबीर ने कहा कि वास्तविकता और इच्छा के बीच अंतर समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों और अपराधियों को न्याय का सामना कराने के लिए ही देश वापस लाया जाएगा।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के सूचना एवं प्रसारण सलाहकार जाहेद उर रहमान ने भी हसीना की वापसी को लेकर उनके साथ सीधे बातचीत की संभावना से इनकार किया है। ▶10पर

जहाँ राम-वहाँ ब्रह्मोस

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।



भारत की ब्रह्मोस मिसाइलें उन देशों तक पहुंच रही हैं, जहां भगवान राम और रामायण से जुड़ी साझा सांस्कृतिक विरासत मौजूद है। एशिया में भारत का बढ़ता प्रभाव केवल आर्थिक ताकत के दम पर नहीं, बल्कि रक्षा साझेदारियों और सांस्कृतिक संबंधों के माध्यम से भी विस्तार पा रहा है। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के रक्षा शस्त्रागार में ब्रह्मोस मिसाइलों को शामिल किया जा रहा है, वहीं रामायण, भारतीय कलात्मक परंपराओं और बौद्धिक विरासत के माध्यम से पूरे क्षेत्र में गहरे एवं स्थायी संबंध स्थापित हो रहे हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया के फिलीपींस, वियतनाम और इंडोनेशिया ने ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद के लिए भारत के साथ समझौते किए हैं। साथ ही इस क्षेत्र में भारत का सांस्कृतिक प्रभाव भी बढ़ रहा है। यह परिदृश्य एशिया के शक्ति समीकरण में भारत की बदलती स्थिति को दर्शाता है।

रक्षा एवं सांस्कृतिक साझेदारियों से चीन के करीब पहुंचा भारत

एशिया में भारत का बढ़ता प्रभाव ब्रह्मोस आधारित रक्षा साझेदारियों और सांस्कृतिक पहुंच के विस्तार से आकार ले रहा है। सैन्य क्षमताओं एवं सभ्यतागत संबंधों का मेल नई दिल्ली को क्षेत्रीय स्थिति मजबूत करने और चीन के साथ शक्ति के अंतर को कम करने में मदद कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया के थिंक टैंक 'लोवी इंस्टीट्यूट' के '2026 एशिया पावर इंडेक्स' में भारत की पहुंच के इन दोनों पहलुओं को स्थान दिया गया है।

दक्षिण-पूर्व एशिया से बढ़ते रक्षा संबंधों की झलक ब्रह्मोस

दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ भारत के बढ़ते रक्षा संबंधों की झलक ब्रह्मोस मिसाइल में देखने को मिलती है। भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह सुपरसोनिक मिसाइल अब क्षेत्र के कई देशों द्वारा खरीदी जा रही है। फिलीपींस, वियतनाम और इंडोनेशिया ने भारत से ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद के समझौते किए हैं।

भारत द्वारा ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्यात दक्षिण-पूर्व एशिया में उसकी रक्षा कूटनीति को नया आयाम दे रहा है। भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस की एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया द्वारा संयुक्त रूप से विकसित यह मिसाइल भारत के प्रमुख रक्षा निर्यात उत्पादों में शामिल हो गई है।

दक्षिण-पूर्व एशिया में रामायण का सांस्कृतिक प्रभाव

'इंडिया टुडे' की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के प्रमुख महाकाव्यों में से एक रामायण पूरे क्षेत्र में फैली और वहां की स्थानीय परंपराओं, प्रदर्शन कलाओं एवं साहित्य का हिस्सा बन गई। इसका प्रभाव कंबोडिया की मंदिर विरासत, इंडोनेशिया में रामायण के मंचन और थाईलैंड के 'रामाकियन' नामक राष्ट्रीय महाकाव्य में देखा जा सकता है, जो रामायण परंपरा पर आधारित है।

सदियों तक चले समुद्री एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से हिंदू और बौद्ध दर्शन, मंदिर वास्तुकला, प्रतिमा विज्ञान तथा कलात्मक परंपराएं भी दक्षिण-पूर्व एशिया तक पहुंचीं। भारत के संस्कृति मंत्रालय ने कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर और वियतनाम जैसे देशों के साथ इन ऐतिहासिक संबंधों का दस्तावेजीकरण किया है। ये संबंध दर्शाते हैं कि भारतीय विचार एवं परंपराएं उपमहाद्वीप से बाहर के समाजों के सांस्कृतिक इतिहास का हिस्सा बन गईं। भारत का सांस्कृतिक प्रभाव केवल प्राचीन विरासत तक सीमित नहीं है।

सिनेमा, संगीत, नृत्य, योग, शैक्षणिक संस्थान, मीडिया और विदेशों में बसे भारतीय समुदाय भी विदेशों में भारत की समकालीन उपस्थिति में योगदान दे रहे हैं। ▶10पर

पैंटसिर -S1M पर नजर



नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत अपनी हवाई सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए रूस के पैंटसिर-एस1एम एयर डिफेंस मिसाइल एवं गन सिस्टम खरीदने पर विचार कर रहा है। प्रारंभिक योजना के अनुसार रूस से 52 पैंटसिर प्रणालियां खरीदी जा सकती हैं। इनमें से कुछ प्रणालियां तैयार अवस्था में रूस से आयात की जाएंगी, जबकि बाकी का उत्पादन भारत में लाइसेंस के तहत किया जाएगा।

भारत जल्द ही रूस से पैंटसिर-एस1एम एयर डिफेंस मिसाइल एवं गन सिस्टम खरीद सकता है। इसे लेकर भारतीय रक्षा मंत्रालय रूस के साथ बातचीत करने की तैयारी में है। पैंटसिर एक कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है, जिसका इस्तेमाल कम ऊंचाई पर उड़ने वाले हवाई खतरों से सुरक्षा के लिए किया जाता है।

▶10पर

कांग्रेस का 'राज'स्थान

37 में से 24 ज़िला प्रमुख

जयपुर, 25 नवंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में जिला प्रमुख चुनाव के नतीजों में कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पीछे छोड़ दिया है। राज्य के 37 जिलों में हुए चुनाव में कांग्रेस ने 24 जिलों में अपने जिला प्रमुख बनाए हैं, जबकि भाजपा को केवल 10 जिलों में जीत मिली। भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) ने दो और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) ने एक जिले में जीत दर्ज की है। चुनावी नतीजों की सबसे खास बात यह रही कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर में भी भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। यहां कांग्रेस उम्मीदवार रेनू वाला ने भाजपा की पूजा जाटव को पराजित किया।

मुख्यमंत्री के गृह जिले भरतपुर में कांग्रेस ने बाजी मारी

भरतपुर में जिला प्रमुख का चुनाव काफी चर्चा में रहा। यहां कांग्रेस उम्मीदवार रेनू वाला को 17 वोट मिले,



जबकि भाजपा की पूजा जाटव को 14 वोट ही मिले। इस तरह कांग्रेस ने तीन वोटों से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भरतपुर जिला परिषद पर कांग्रेस का कब्जा बरकरार रहा। चुनाव से पहले राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि भाजपा पैसे और सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल कर जिला प्रमुख चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। चुनाव के दौरान जिला परिषद कार्यालय के बाहर कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच नारेबाजी भी हुई। मतदान में देरी को लेकर कांग्रेस ने नाराजगी जताई थी। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

37 जिलों में किस पार्टी को कितनी सीटें मिलीं?

राजस्थान के जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस ने 24 जिलों में जीत दर्ज की। भाजपा को 10 जिलों में सफलता मिली। वहीं, बीएपी ने डूंगरपुर और बांसवाड़ा में जीत हासिल की, जबकि आरएलपी ने नागौर में अपना जिला प्रमुख बनाया।

दो जिलों में चुनाव का फैसला लॉटरी से हुआ। डूंगरपुर में भाजपा और बीएपी को 14-14 वोट मिले। इसके बाद लॉटरी से फैसला हुआ और बीएपी को जीत मिली। वहीं, डीडवाना-कुचामन में कांग्रेस और भाजपा के बीच 14-14 वोट से मुकाबला बराबर रहा। यहां लॉटरी से भाजपा की जीत हुई।

राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जयपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस जीत पर जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि लोगों ने कांग्रेस को बड़ी जिम्मेदारी दी है। ▶10पर

ट्रंप की टैरिफ : भारत समेत 7 देशों पर 25%

नई दिल्ली, 25 नवंबर (एजेंसियां)।



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार ने भारत समेत सात देशों पर 25 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। इन देशों में कंबोडिया, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, ताइवान और थाईलैंड भी शामिल हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका इन देशों की औद्योगिक उत्पादन क्षमता और व्यापार नीतियों की जांच के बाद यह कदम उठा रहा है।अमेरिका का आरोप है कि ये देश बाजार की मांग से अधिक उत्पादन क्षमता बढ़ा रहे हैं। अमेरिकी प्रशासन का मानना है कि इससे वैश्विक बाजार में जरूरत से ज्यादा सामान पहुंच रहा है और अमेरिकी उद्योगों को नुकसान हो सकता है। हालांकि, अभी ये टैरिफ लागू नहीं हुए हैं। प्रस्ताव पर पहले आम लोगों और संबंधित पक्षों से राय ली जाएगी।

14 अर्थव्यवस्थाओं की जांच कर रहा अमेरिका

अमेरिका ने अतिरिक्त उत्पादन क्षमता और औद्योगिक गतिविधियों को लेकर कुल 14 अर्थव्यवस्थाओं की जांच की है। इनमें भारत के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, थाईलैंड, ताइवान, कंबोडिया, बांग्लादेश, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, वियतनाम और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, कुछ देशों पर 20 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है, जबकि कुछ मामलों में यह दर 25 प्रतिशत तक हो सकती है। चीन पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रस्ताव है, जो घोषित दरों में सबसे ऊंची दरों में से एक है। प्रशासन ने इन प्रस्तावों को तैयार करते समय पहले से मौजूद व्यापार समझौतों को भी ध्यान में रखा है।

टैरिफ से पहले होगी लोगों की राय

अमेरिका के प्रस्तावित टैरिफ तुरंत लागू नहीं होंगे। पहले इन पर सार्वजनिक परामर्श की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। ▶10पर

भय हरो भैरव

श्री भैरवनाथ काल के भी काल हैं। इसी लिए शास्त्रों में इन्हें महाकाल कहा गया है। यह शीघ्र प्रसन्न होने वाले हैं। वर्तमान में भैरवनाथ की अर्चना कैसे की जाए, पढ़ें...



काल भैरव भगवान शिव के पांचवें स्वरूप हैं, तो विष्णु के अंश भी हैं। इनकी उपासना से सभी प्रकार के दैहिक, दैविक, मानसिक परेशानियों से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यता है कि भगवान शिव की पूजा से पहले कालभैरव की पूजा होती है। ऐसा वरदान स्वय शिव शंकर ने ही कालभैरव को दे रखा है। काल-भैरव शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवता हैं। हालांकि इन्हें उग्र देवता माना जाता है। इन्हें देवताओं का कोतवाल भी माना जाता है। वैसे भी प्रत्येक देवता सात्विक, राजस तथा तामस स्वरूप वाले होते हैं। किंतु यह स्वरूप उनके द्वारा भक्त के कार्यों की सिद्धि के लिए ही घारण किए जाते हैं। श्रीकालभैरव अत्यंत कृपालु व भक्त वत्सल देवता हैं, जो अपने भक्तों की मनोकामना पूर्ण करने के लिए तुरंत पहुंचते हैं।

काल के भी काल हैं महाकाल

काल की तरह रौद्र होने के कारण यह कालराज है। अर्थात काल के भी काल हैं। यह कालभैरव ही हैं, जो दुखों तथा शत्रुओं का नाश करने में समर्थ हैं। इनके दरबार में लगाई गई गुहार व्यर्थ नहीं जाती। शिव का अवतार होने से शिव की भांति ही कम अराधना व मात्र श्रद्धा भक्ति से ही प्रसन्न होकर मन चाहा वरदान देते हैं। कालभैरव की शक्ति असीमित है। वह शिव के सेनाध्यक्ष हैं। भगवान शिव की सेना बहुत बड़ी है। शिव के साथ 11 रूद्र, 11 रूद्रिणियां, चौंसठ योगिनियां, अनगिनत मातृकाएं तथा 108 भैरव हैं। शिव की सेना के 36 करोड़ प्रथमगण भी कालभैरव के आधिपत्य में है। कालभैरव इतनी बड़ी शिव सेना के नायक हैं। अत: काल के भी काल हैं। कालिका पुराण में कालभैरव का विस्तृत वर्णन मिलता है। बालक गणेश ने सिर कटने से पहले इन्हीं के साथ भयंकर युद्ध किया था। शिव इन्हें वीरभद्र के नाम से पुकारते हैं।

कालभैरव और दुर्गा

धर्मशास्त्रों के अनुसार जब शिव तथा शक्ति की व्याख्या होती है, तो कालभैरव का वर्णन अवश्य होता है। जहां शिव के साथ इनका नाम वीरभद्र है, वहीं दुर्गा के साथ कालभैरव के नाम से जाने जाते हैं। मां दुर्गा के सिपहसलार भी यही हैं। जहां वह शिव के ही लीलावतार हैं, वहीं मां दुर्गा के भी अत्यंत प्रिय हैं। आदिशक्ति महादेवी दुर्गा, चंडिका, काली गढ़देवी, त्रिपुर सुंदरी व अंबा का मंदिर जहां भी होगा, वहीं कालभैरव भी उनके साथ ही होते हैं।

मां के दर्शन व आराधना के पश्चात इनकी पूजा अवश्य होती है। अन्यथा वह देवी से भी नाराज हो जाते हैं कि मां, तुमने मेरे बारे में अपने भक्त को क्यों नहीं बताया। जब शिव ने आदिशक्ति को अपनी शिवा शक्ति से समाहित किया, उस समय भगवान शिव ने कालभैरव को मां के साथ रहने का आदेश दिया। जिस कारण वह सदा मां के संग ही रहते हैं।

भैरव का स्वरूप व प्रसाद

मार्गशीर्ष माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को देवताओं के कोतवाल भैरव जी प्रकट हुए थे। इन्हें काशी के कोतवाल भी कहा जाता है। इनका वाहन कुत्ता है और इनके हाथ में त्रिशूल, खड्ग तथा दंड रहता है। वह रक्त प्रिय हैं तथा दुष्टों का विनाश करने के लिए युद्धभूमि में सदा उपस्थित रहते हैं। कालभैरव का एक नाम दंडपाणि भी है। किसी शुभ कार्य में विघनों के विनाश तथा रोग-दोष की शाति के लिए भैरव का व्रत करके आज्ञा ली जाती है। इनकी प्रकृति उग्र व क्रोधी है, परंतु भक्तों पर शीघ्र कृपा करते हैं।

भगवान भैरव को दूध का प्रसाद अथवा हलुआ चढ़ाया जाता है। परंतु किलकारी भैरव के विषय में मान्यता है कि वह शराब चढ़ाने पर शीघ्र प्रसन्न होते हैं। उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में श्रद्धालु भैरव जी को मदिरा ही अर्पित करते हैं। कालभैरवाष्टमी के अतिरिक्त मंगलवार तथा रविवार को भैरव की विशेष पूजा होती है।

अवतरण कथा

स्कंद पुराण के अनुसार एक बार महर्षि अगस्त्य को भगवान भैरवदेव के अवतरण तथा उनके प्रयोजन के बारे में जानने की जिज्ञासा हुई। महर्षि ने भगवान शिव के बड़े पुत्र कार्तिकेय जी के पास गए तथा नमन करके कथा सुनने का अनुरोध किया। कार्तिकेय बोले- 'हे ऋषि श्रेष्ठ, एक समय देवताओं में सबसे श्रेष्ठ कौन है, प्रश्न उठा। सुमेरू पर्वत पर देवताओं के बीच परमपिता ब्रह्मा भी बैठे थे। जब देवताओं ने प्रश्न उनके आगे रखा, तो ब्रह्मा जी स्वयं को ही सर्वश्रेष्ठ बताने लगे। ब्रह्मा जी की बात सुनकर भगवान विष्णु के अंश ऋतुदेव के इस तर्क पर आपत्ति जता दी। कहा- 'ब्रह्म देव, आपका प्रकट्य तो स्वय श्रीहरि विष्णु के नाभिकमल से हुआ है।

संसार का पालन-पोषण तो मैं करता हूं। श्रेष्ठ तो मैं हूं।' जब विवाद बढ़ने पर यही प्रश्न वेदों के सामने रखा गया। वेदों ने एकमत होकर भगवान को श्रेष्ठ घोषित किया। परंतु ब्रह्मा जी को यह निर्णय पसंद नहीं आया। बोले- 'शिव तो दिगम्बर हैं, बाघम्बर लपेटते हैं। शमशान में रहने वाले, सूर्य का शृंगार करने वाला, भांग पीकर मदहोश रहने वाला कैसे सर्वश्रेष्ठ देवता हो सकता है ?' तभी समस्त देवताओं के मध्य एक ज्योर्तिपुंज प्रकट हुआ, जो एक सुंदर बालक के रूप में परिवर्तित हो गया। ब्रह्मा जी ने उससे परिचय पूछा- 'हे बालक, तुम मेरे मुख से प्रकट हुए हो, परंतु पैदा होते ही रुदन कर रहे हो। अत: मैं तुम्हारा नाम रूद्र रखता हूं। अब तुम रोओ मत, मैं तुम्हारी रक्षा तथा पालन पोषण करूंगा।' ऐसा कह ब्रह्मदेव ने बालक पर वरदानों की बरसात कर दी। उसे संपूर्ण संसार का भरण-पोषण करने में समर्थ होने, काल के भी काल होने तथा दुष्टों के मर्दक होने का वरदान दिया। कालराज के रूप में काशी के अधिपति होने का भी वरदान दिया। अब काशी नगर तो भगवान शिव के सीधे आधिपत्य में हैं। इस वरदान को भैरव ने शिव का अपमान समझा तथा नाखुनों से ब्रह्मा के पांचवें सिर, जो शिव का लगातार निरादर कर रहा था, काट दिया। भैरव के रूप में उत्पन्न होने वाला वह बालक कोई अन्य नहीं बल्कि शिव का ही रौद्र रूप में पांचवे अवतार हैं।

भैरव का शृंगार

भैरव का शृंगार अन्य देवताओं के विपरीत भिन्न ढंग से होता है। उनकी कोई मूर्ति या विग्रह नहीं, एक तिकोने पत्थर की ही प्रतीत स्वरूप मानकर पूजा जाता है। भैरव जी को चमेली के तेल में सिंदूर घोलकर चोला चढ़ाया जाता है। इसके बाद चमेली के तेल में ही काजल मिलाकर काले रंग का चोला भी बनाया जाता है। भैरव जी श्रद्धा के भूखें हैं।

घर में पॉजिटिव एनर्जी लाए बांसुरी

वास्तु



घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए लोग कई प्रकार के उपाय करते हैं। इन उपायों को अपनाने से घर से नेगेटिव ऊर्जा दूर होती है और पॉजिटिव एनर्जी आती है। ऐसा ही एक सटीक परंपरागत उपाय है घर में बांसुरी रखना। ऐसा माना जाता है कि जिस घर में बांसुरी रखी होती है वहां के लोगों में परस्पर प्रेम तो बना ही रहता है, साथ ही श्रीकृष्ण की कृपा से सभी दुख और पैसों की तंगी भी दूर हो जाती है।

शास्त्रों के अनुसार, बांसुरी भगवान श्रीकृष्ण को अतिप्रिय है। वह इसे हमेशा अपने पास रखते हैं। इसी वजह से इसे बहुत ही पवित्र और पूजनीय माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि बांसुरी से निकलने वाला स्वर प्रेम बरसाने वाला है। इसी वजह से जिस घर में बांसुरी रखी होती है वहां प्रेम और धन की कोई कमी नहीं रहती है।

सामान्यत: घर में बांस की हुई बांसुरी ही रखनी चाहिए। वास्तु के अनुसार, इस बांसुरी से घर के वातावरण में मौजूद समस्त नेगेटिव एनर्जी समाप्त हो जाती है और सकारात्मक ऊर्जा सक्रिय हो जाती है। परिवार के सदस्यों के विचार सकारात्मक होते हैं, जिससे उन्हें सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है।

आत्मा का विकास ही सच्चा धर्म...



हम सबके मन में कभी न कभी यह प्रश्न आता होगा कि वास्तव में धर्म क्या है? हमारे जीवन में धर्म धारण करने का क्या उपाय है? क्या किसी मन में दीक्षित हो जाना धार्मिक बनने की पहचान है? आमतौर पर धर्म को मत-मतांतरों से जोड़ दिया गया है। असल में धर्म बाहर की वस्तु नहीं यह भीतर का विकास है, उसे समाज में नहीं, व्यक्ति के अंतराल में ढूंढ़ा जाना चाहिए। धर्म व्यक्ति और व्यष्टि के बीच में तादाम्य की फलश्रुति है, जब कि व्यक्ति और समाज के मध्य का संबंध संप्रदाय कहलाता है। धर्म और संप्रदायवाद में उतना ही अंतर है जितना जीवन और मृत्यु। जहां धर्म होगा, वहां सर्वत्र सुगंधि बिखरती रहेगी, जहां संप्रदायवाद होगा, वहां सड़न और दुर्गंध होगी। करुणा उदारता, सेवा सहकारिता, यह तो जीवन की सहचरी और चैतन्यता के लक्षण हैं।

धर्म और संप्रदाय में यदि कोई अंतर है तो उसे उतना ही विशाल होना चाहिए जितना कि आकाश और पाताल क्योंकि धर्म हमें ऊंचाइयों के प्रति श्रद्धावान बनाता है और इस बात की प्रेरणा देता है कि हमारा अंतराल अहंकारपूर्ण नहीं अहंशून्य होना चाहिए। जहां अहमन्यता होगी, विवाद और विग्रह वहीं पैदा होंगे। जहां सरलता होगी वहां सात्विकता पनपेगी। सरल और सात्विक होना दैवी विभूतियां हैं। जो इन्हें जितने अंशों में धारण करता है, उनके बारे में यह कहा जा सकता है कि वे उस अनुपात में धार्मिक हैं। इसलिए यह कहना अत्युक्तिपूर्ण न होगा कि धर्म हमें देवत्व की ओर ले चलता है, जबकि संप्रदाय अधोगामी भी बनाता है। कट्टरवाद, उग्रवाद यह सभी संप्रदायवाद की देन है। सांप्रादायिक होने का मतलब है कूपमंडूक होना, केवल अपने वर्ग एवं समूह की ही चिंता करना। इसके अतिरिक्त धर्म अधिक उदार बनाता तथा आत्मविस्तार का उपदेश देता है। 'आत्मवत सर्वभुतेषु एवं वसुधैव कुटुम्कबम' यह इसी की शिक्षा है।

संप्रदाय असहिष्णु होता है। वह उन्माद और आतंक फैलाता है। जाति, भाषा, लिंग, क्षेत्र आदि के आधार पर विभेद करना यह संप्रदाय का काम है। धर्म तो ईश्वर की तरह समदृष्टा है वह कहता है कि हम सब को परमात्मा की रक्षा करनी चाहिए। हम इसी ऊहापोह में फंसे रहते हैं कि कहीं कोई शूद्र मंदिर के ईश विग्रह को अपवित्र न कर दे, किसी तनखैये को गुरुद्वारे में क्या काम, कोई काफिर मस्जिद में न घुसे। हमारे मनीषियों का कहना है, ' धर्म एवं हतो हन्ति रक्षति रक्षत:' अर्थात मरा हुआ धर्म मार डालता है, रक्षा किया हुआ धर्म रक्षा करता है। आज की सामाजिक परिस्थिति के इस सत्य के प्रमाण रूप में देखा जा सकता है। धर्म को खतरा अधर्म से नहीं, नकली धर्म से होता है। अधर्म तो प्रत्यक्ष है, इसमें दुराव- छुपाव जैसी कोई बात तो होती नहीं, खतरनाक वे है जो धर्म की आड़ लेकर काम करते हैं, क्योंकि वहां असली आवरण में नकली व्यक्ति होता है। हिंदू धर्म में अनेक देवी-देवताओं की मान्यता है देवताओं की संख्या तैंतीस कोटि बताई जाती है। देवताओं की इतनी बड़ी संख्या एक सत्य शोधक को बड़ी उलझन में डाल देती है। इन देवताओं में अनेक की तो ईश्वर से समता मानी जाने लगी है इस प्रकार 'बहुईश्वरवाद' उपज खड़ा होता है। संसार के प्राय: सभी प्रमुख धर्म एक ईश्वरवाद को मानते हैं। हिंदू धर्म शास्त्रों में भी अनेक अभिवचन एक ईश्वर होने के समर्थन में भरे पड़े हैं। फिर यह अनेक ईश्वर कैसे? ईश्वर की ईश्वरता में साझेदारी का होना कुछ बुद्धिसंगत प्रतीत नहीं होता। अनेक देवताओं का अपनी-अपनी मर्जी से मनुष्यों पर शासन करना, शाप-वरदान देना आदि ईश्वर जगत की अराजकता है।

एक शास्त्र वचन है-

उत्तमो ब्रह्म, सद्भावो ध्यानभावस्तु मध्यम:
सतुर्तिजपोऽधमो भावो बहि: पूजाऽधमाधमा।

अर्थात बाह्यपूजा या मूर्ति पूजा सब से नीचे की अवस्था है। आगे बढ़ने, ऊंचा उठने का प्रयास करते समय मानसिक प्रार्थना साधना की दूसरी अवस्था है। सबसे उच्च अवस्था वह है जब परमेश्वर का साक्षात्कार हो जाए। वेद भी कहते हैं न 'तस्य प्रतिमा अस्ति' अर्थात ईश्वर तेरी कोई प्रतिमा नहीं है। अध्यात्म विज्ञान में महान वैज्ञानिक महर्षि पतंजलि ईश्वर को बड़ा स्पष्ट रीति से परिभाषित करते हैं। यह परिभाषा साधनों के लिए आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य भी है, क्योंकि यह ऐसा शब्द है, ऐसा सत्य है जिसके बारे में ज्यादातर लोग भ्रमित हैं। शास्त्र पुराण धर्म, महजब सबने मिलकर ईश्वर की अनेक धारणाएं गढ़ी हैं कोई तो उसे सातवें आसमान में खोजता है तो कोई मंदिरों पूजाग्रहों में योगेश्वर पतंजलि ने सभी तरह का सत्यनिराकरण किया है। वे कहते हैं कि पहले तो ईश्वर को किसी व्यक्तित्व में न बांधो। वह सभी बंधनों से मुक्त हैं।

जब महर्षि अगस्त्य ने पिया समुद्र



एक बार देव-दानव युद्ध में हार होने पर असुर समुद्र में छिप गए। लेकिन देवगण असुरों का समूल नाश करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने अगस्त्य ऋषि से समुद्र का सारा जल पीने का आग्रह किया। क्या था पूरा प्रसंग? पढ़ें...

सतयुग में असुर कुल में वृतासुर नाम का एक असुर हुआ। वह बहुत अंहकारी तथा अत्याचारी था। वृतासुर ने तपस्या करके अनेक प्रकार की शक्तियां अर्जित कर लीं। अत्यंत शक्तिशाली होकर उसने स्वर्ग पर विजय प्राप्त करने के लिए इंद्र आदि देवताओं से युद्ध छेड़ दिया। भोग-विलास में डूबे देवतागण अधिक समय तक असुरों के आगे टिक नहीं सके। तब देवता स्वर्ग छोड़कर अज्ञात स्थानों पर जाकर छिप गए।

एक दिन सभी देवगण एकत्रत होकर ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और बोले- 'हे ब्रह्मदेव, वृतासुर ने हमें स्वर्ग से निकाल दिया है। अत: आप कृपा कर हमें उससे मुक्ति का कोई उपाय बताएं।' ब्रह्मा जी बोले- 'हे देवगणों, महर्षि दधीचि की हड्डियों से बने वज्र से वृतासुर का वध संभव हो सकता है। सभी देवता महर्षि दधीचि के आश्रम पहुंच गए तथा सबकुछ बताकर समस्या के समाधान के लिए प्रार्थना की। दधीचि ने देवताओं का अनुरोध स्वीकार कर लिया तथा योग समाधि द्वारा अपना शरीर त्याग दिया। तप के तेज से तपी हुई अस्थियों से विश्वकर्मा ने एक अत्यंत कठोर वज्र का निर्माण किया। उस वज्र को पाकर देवराज इंद्र का उत्साह बढ़ गया। देवताओं ने घोर युद्ध करके असुर सेना को खदेड़ दिया। वृतासुर मारा गया, पर बाकी असुर समुद्र में जा छिपे। इधर देवताओं ने असुरों का समूल नाश करने का प्रण ले रखा था। समुद्र में छिपे असुरों का वध कैसे किया जाए। यह समस्या लेकर देवतागण भगवान विष्णु के पास पहुंचे। देवगणों को देखकर विष्णु जी ने पूछा- 'कहिए देवराज, अचानक कैसे आगमन हुआ?'

इंद्र बोले- 'प्रभु! हम युद्ध जीतकर स्वर्ग के स्वामी तो बन गए हैं, परन्तु बचे हुए असुर समुद्र में जाकर छिप गए है। हम उनका समूल नाश चाहते हैं।' इंद्र की बात सुनकर भगवान मुस्कुराए व बोले- 'आप महर्षि अगस्त्य के पास जाएं तथा उनसे समुद्र पीने का आग्रह करें। वही सारे सागर का पानी एक ही बार में पी सकते हैं।' अब देवतागण महर्षि अगस्त्य के पास पहुंचे और अपनी इच्छा बताई। अगस्त्य ऋषि मान गए। वह देवगणों के साथ सागर तट पर पहुंचे तथा सागर का सारा पानी पी गए। सागर के सूखते ही देवता असुरों पर टूट पड़े तथा ढूंढ़कर उनका वध कर दिया।

फेंगशुई

समृद्धि का वाहक



फेंगशुई भारतीय वास्तुशास्त्र का चीनी रूपांतरण है। फेंगशुई की पवन घंटी (विंड चाइम) इन दिनों सर्वाधिक चलन में है। दरअसल फेंगशुई के अनुसार, विंड चाइम या पवन घंटी से जो मधुर ध्वनि निकलती है, वह पूरे घर में ची की सकारात्मक उर्जा का प्रवाह करती है। आइए जानते हैं कि घर या आफिस के कौन से कमरे या स्थान के लिए किस प्रकार की विंड चाइम उपयुक्त रहेगी। पांच छड़ वाली विंड चाइम का प्रयोग अध्ययन कक्ष में लगाने से वहां के सभी वास्तु दोष समाप्त हो जाते हैं।

- छह छड़ों वाली विंड चाइम को ड्राइंग रूम में लगाएं। इससे सकारात्मक ऊर्जा निकलती है तथा पूरे घर में फैलती है। -सात छड़ों वाली विंड चाइम बच्चों के कमरे में लटकानी चाहिए। यह शुभ होती है।
- आठ छड़ों वाली विंड चाइम का प्रयोग कार्यालय में करना बेहतर होता है।
- अगर परिवार के सदस्यों को बार-बार निराशा का सामना करना पड़ रहा है तो ड्राइंगरूम में नौ छड़ों वाली विंड चाइम लगानी चाहिए। इससे हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

प्राकृतिक तरीकों से करें जुकाम का उपचार

सर्दियों में नजला-जुकाम होना आम है, पर इससे निजात पाना कई बार आसान नहीं होता।

कुछ घरेलू उपचार के तरीके

सुहागे को तवे पर फुला कर बारीक पीस कर शीशी में भर लें।

नजला-जुकाम होने पर आधा ग्राम (बच्चों के लिए आधी मात्रा) गरम पानी के साथ दिन में तीन बार लें। पहले दिन से आराम आना शुरु हो जाएगा।

विशेष: सुहागे को फुलाने या खील बनाने के लिए सुहागे को बारीक कूट कर लोहे को स्वच्छ कड़ाही में या तवे पर डालें और तेज आंच में इतना पकाएं कि पिघलने के पश्चात् सूख जाए। यह धीरे-धीरे फूलने लगेगा। फूलने के बीच लोहे की छुरी से इसे उलट-पुलट करते रहें। सारा सुहागा फूलने के बाद पीस लें।



काली मिर्च और बताशा

सात काली मिर्च और सात बताशे पाव भर जल में पकाएं। चौथाई रहने पर इसे गरमागरम पी लें और सारा शरीर ढ़क कर दस मिनट तक लेट जाएं। सुबह खाली पेट और रात सोते समय दो दिन प्रयोग करें। जुकाम के अलावा खांसी, हल्की हरारत और शरीर के दर्द में भी आराम मिलता है। ज्वर सहित जुकाम होने पर सात तुलसी की पत्तियां भी काढ़ा बनाते समय डाल दें और यह काढ़ा दिन में दो बार लें।

तुलसी की चाय

ताजा तुलसी की पत्तियां 7 से 11 तक (अथवा छाया में सुखाई गई तुलसी की पत्तियों का चूर्ण एक ग्राम या चौथाई चम्मच), ताजा अदरक दो ग्राम (या सूखी सौंठ का चूर्ण आधा ग्राम), काली मिर्च (कुटी हुई) सात नग-तीनों वस्तुओं को 200 ग्राम उबलते हुए पानी में दो मिनट उबालें। फिर नीचे उतारकर दो मिनट ढ़क दें। अब छानकर इसमें उबला हुआ दूध 100 ग्राम और मिश्री या चीनी एक-दो चम्मच डालकर गरम-पी लें। पांच-दस मिनट सो जाएं। इससे सर्दी का सिर दर्द, नाक में सर्दी, जुकाम, श्वास नली में सूजन एवं दर्द (ब्रोनकाइटिस), साधारण बुखार, मलेरिया, बदहजमी आदि रोग दूर होते हैं। बच्चों को चाय में आधी मात्रा दें। दिन में दो बार आवश्यकतानुसार दो-तीन दिन लें। गले के रोगों और श्वसन प्रणाली की झिल्ली पर स्वास्थ्यकर प्रभाव डालने की तुलसी में अदभुत क्षमता है। जमा हुआ कफ ढ़ीला होकर निकल जाता है।

सही पॉश्चर दूर कर सकता है आपके दर्द



जो लोग कम्प्यूटर पर लगातार काम करते हैं, उन्हें अमूमन बैक पेन, कलाई या कमर के दर्द की शिकायत हो जाती है। ऐसा न हो, इसके लिए जरूरी है कि कुछ सावधानियां बरती जाएं।

कुर्सी से चिपकी रहे पीठ

कम्प्यूटर के सामने बैठते वक्त हमारी पीठ एकदम सीधी हो। खासतौर से हमारी रीढ़ की हड्डी। वह कुर्सी से पूरी तरह से चिपकी हुई हो। कुर्सी पर इस तरह से बैठें कि रीढ़ की हड्डी और कुर्सी के बीच जगह न बचे। कोशिश करें कि हिप्स तक का हिस्सा कुर्सी से चिपका हुआ हो।

स्ट्रेट गर्दन, स्ट्रेट चेहरा

हमारी गर्दन भी स्ट्रेट होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को आगे की ओर निकाल लेते हैं, यह गलत है। गर्दन कंधों से ऊपर होनी चाहिए। कई लोग गर्दन को कंधे के बीच में धंसा लेते हैं। यह भी गलत है, इससे भी समस्या हो सकती है। इसी तरह से यह भी ध्यान रखें कि चेहरा बाहर की ओर निकला हुआ न हो। चेहरा सामान्य अवस्था में होना चाहिए। अगर चेहरा कंधों से बाहर निकला है तो गर्दन पर दबाव पड़ेगा, जो अच्छा नहीं है।

सीधी रखें अपनी कलाई

अगर आप कलाई के दर्द से बचना चाहते हैं तो कोशिश करें कि हाथ माउस या कीबोर्ड की दिशा में एकदम सीधा हो। अगर आप उसे कोहनी से मोड़कर रखेंगे तो आपकी कलाई में दर्द होने की पूरी संभावना है।

फुटरेस्ट पर रखें पैर

ये भी कोशिश करें कि आपकी कुर्सी के आगे फुट सपोर्ट या सपोर्टिंग स्टूल हो, जिस पर आप पैरों को फैला कर रख सकें। पैरों को 90 डिग्री के कोण पर रखते हुए काम करने से पैरों में दर्द हो सकता है।



कैसे करें पानी की बचत?

पानी हमारे जीवन में बहुत अहम है। यह धरती पर रहने वाले सारे प्राणियों के जीवन का आधार है। हम भोजन के बिना तो दो दिन रह सकते हैं लेकिन पानी के बिना आधा दिन गुजारना कठिन हो जाता है। यह जानते हुए भी कि जल ही जीवन है, हम पानी की अहमियत से अनजान बने हुए हैं और लगातार इसकी बर्बादी कर रहे हैं। हम इसकी इतनी वेस्टेज कर रहे हैं कि हमें यह साधारण सी चीज लगती है लेकिन यह साधारण सी चीज असल में बहुत अनमोल है। अगर पब्लिक क्षेत्र में कहीं नल खुला है तो उसे बंद करना हम अपनी जिम्मेदारी नहीं समझते। नहाने, कपड़े धोने, सफाई के लिए जरूरत से ज्यादा पानी इस्तेमाल करते हैं।



हमारे देश में ऐसी बहुत सारी जगहें हैं, जहां लोग पानी की किल्लत से बुरी तरह परेशान हैं। पशु-पक्षी भी प्यास से अपनी दम तोड़ रहे हैं। वहीं, बहुत सारी जगहों पर एक बाल्टी पानी लेने के लिए लोगों को मीलों चलना पड़ रहा है। पानी की बचत घर से ही शुरू करें। आपकी थोड़ी सी समझदारी आने वाली पीढ़ी को यह अहम सौगात तोहफे में दे सकती है। ब्रश, शेव और बर्तन धोते समय जरूरत न होने पर नल को खुला न छोड़ें। इस तरह की बचत से हम हर मिनट 6 लीटर पानी बचा सकते हैं। नहाने के लिए बाथटब के इस्तेमाल से बचें। बाल्टी का इस्तेमाल करें। बाल्टी से भी पानी को बेकार न बहाएं। अगर किसी टैप से पानी का रिसाव हो रहा है तो उसें तुरंत ठीक करवाएं। वाहनों को धोते समय पानी की काफी बर्बादी होती हैं। इसकी जगह पर आप गीले कपड़े का इस्तेमाल कर सकते या बाल्टी में पानी लेकर वाहनों को धो सकते हैं। टैप चलते रहने से कई लीटर पानी बह जाता है। जरूरत न हो तो वॉटर टेप को बंद कर दें। पौधों को पाइप से नहीं बल्कि कैन की मदद से पानी दें। पब्लिक एरिया या अपने आस पास भी कहीं पानी की बर्बादी हो रही हो तो तुरंत कार्रवाही करें। साथ ही अन्य लोगों को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें। कुछ तकनीकों को अपनाकर भी आप जल संरक्षित कर सकते हैं। जैसे बारिश के पानी को इक्ट्ठा कर। एक साल में 40 इंच बारिश की मदद से लगभग 1 लाख लीटर पानी एकत्रित किया जा सकता है। रोज थोड़े-थोड़े कपड़े धोने की बजाए एक-साथ इक्ट्ठे कर, लो-पॉवर वॉशिंग मशीन में धोएं। इससे पानी और बिजली दोनों की बचत होगी।



शिष्टाचार और सभ्यता व्यक्ति के व्यवहार में प्रदर्शित होती है। देखने में आया है कि भारतीय युवाओं में शिष्टाचार और सभ्यता कम पाई जाती है। जहां अनेक विकसित देशों में प्रत्येक नागरिक को आरंभिक शिक्षा में ही शिष्टाचार और सभ्यता सिखाई जाती है, भारत में इसे शिक्षा का भाग नहीं माना जाता। इसका परिणाम भटके हुए युवाओं तथा बढ़ते अपराध के रूप में आए दिन दिखाई देता है।

सबसे पहले शिष्टाचार सीखें...

हम लोग समाज में रहते हैं। समाज में रहने पर विभिन्न प्रकार के लोगों के साथ संबंध भी बढ़ता है। घर में अपने माता-पिता, पास-पड़ोस या टोला-मुहल्ला के लोगों के साथ या इष्ट-मित्र, स्कूल-कॉलेज या कार्य-क्षेत्र के सहकर्मियों के साथ, हाट-बाजार,या राह चलते समय भी विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों के साथ हमें मिलना-जुलना पड़ता है। हम लोगों का यह मेल-जोल प्रीतिकर या अप्रीतिकर दोनों तरह का हो सकता है। पुराने समय में यात्रा-क्रम में कहीं बाहर निकलने पर किसी अपरिचित व्यक्ति के साथ भी लोगों का व्यवहार शिष्टता पूर्ण ही होता था। आजकल इस शिष्टता का लगभग लोप ही हो गया है। आज वार्तालाप करते समय यदि कोई शिष्टता के साथ उत्तर देता है, तो हमें आश्चर्य होता है क्योंकि, अब तो राह चलते, बस-ट्रेन से सफर करते समय प्रायः लोग एक दुसरे का स्वागत कटु शब्दों, ओछी हरकतों या कभी-कभी तो थप्पड़-मुक्कों से करते हुए भी दिखाई पड़ जाते हैं। परस्पर व्यवहार में ऐसा बदलाव क्यों दिख रहा है ? इसका कारण यही है कि अब हमारे संस्कार पहले जैसे नहीं रह गए हैं। यदि हमारे व्यवहार और वाणी में शिष्टता न हो तो हमें स्वयं को सुसंस्कृत मनुष्य क्यों समझना चाहिए ?

छोटी-छोटी बातें

कहने को तो शिष्टाचार की बातें छोटी-छोटी होती हैं, लेकिन ये बहुत महत्त्वपूर्ण होती हैं। व्यक्ति अपने शिष्ट आचरण से सबका स्नेह और आदर पाता है। मानव होने के नाते प्रत्येक व्यक्ति को शिष्टाचार का आभूषण अवश्य धारण करना चाहिए। शिष्टाचार से ही मनुष्य के जीवन में प्रतिष्ठा एवं पहचान मिलती है और वह भीड़ में भी अलग नजर आता है। जब कोई मनुष्य शिष्टाचार रूपी आभूषण को धारण करता है तब वह एक महान व्यक्ति के रूप में सबके लिए प्रेरणास्रोत बन जाता है। ये छोटी-छोटी बातें जीवन भर साथ देती हैं। मनुष्य का शिष्टाचार ही उसके बाद लोगों को याद रहता है और अमर बनाता है। किस समय, कहां पर, किसके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए- उसके अपने-अपने ढंग होते हैं। हम जिस समाज में रहते हैं, हमें अपने शिष्टाचार को उसी समाज में अपनाना पड़ता है, क्योंकि इस समाज में हम एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। जिस प्रकार एक परिवार के सभी सदस्य आपस में जुड़ होते हैं ठीक इसी प्रकार पूरे समाज में, देश में- हम जहां भी रहते हैं, एक विस्तृत परिवार का रूप होता है और वहां भी हम एक-दूसरे से जुड़े हुए होते हैं।



शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य

शिष्टाचार को अपने जीवन का अंग मानने वाला व्यक्ति अकसर अहंकार, ईर्ष्या, लोभ, क्रोध आदि से मुक्त होता है। ऐसा व्यक्ति हर जगह अपनी छाप छोड़ता है। कार्यस्थल से लेकर परिवार तक हर जगह वह और उससे सभी संतुष्ट रहते हैं। शिष्टाचारी व्यक्ति शारीरिक व मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहता है, क्योंकि ऐसा व्यक्ति सद्विचारों से पूर्ण व सकारात्मक नजरिया रखता है। उसके मन के सद्भाव उसे प्रफुल्लित रखते हैं। चिकित्सा विज्ञान भी अब इस तथ्य को सिद्ध कर चुका है कि अच्छे विचारों का प्रभाव मन पर ही नहीं बल्कि तन पर भी पड़ता है। मस्तिष्क की कोशिकाएं मन में उठने वाले विचारों के अनुसार कार्य करती हैं। इसके विपरीत नकारात्मक विचारों का मन व तन पर नकारात्मक प्रभाव ही पड़ता है। जेम्स एलेन ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि अच्छे विचारों के सकारात्मक व स्वास्थ्यप्रद और बुरे विचारों के बुरे नकारात्मक व घातक फल आपको वहन करने ही पड़ेंगे। व्यक्ति जितना अधिक अपने प्रति ईमानदार और शिष्टाचारी होता है वह उतनी ही ज्यादा सच्ची और वास्तविक खुशी को प्राप्त करता है।

बीमार से व्यवहार

कोई अपना परिचित बीमार हो जाय तो उसके पास कई बार जाना चाहिए। वहां उतनी ही देर ठहरना चाहिए जिसमें उसे या उसके आस पास के लोगों को कष्ट न हो। उसके रोग की गंभीरता की चर्चा वहां नहीं करनी चाहिए और न बिना पूछे औषधि बताने लगना चाहिए। किसी परिचित या पड़ोसी के यहां मृत्यु या दुर्घटना हो जाए तो वहां अवश्य जाना व आश्वासन देना चाहिए।

आवश्यक बातें

किसी से मिलो तो उसका कम से कम समय लो। केवल आवश्यक बातें ही करो। वहां से आना हो तो उसे नम्रतापूर्वक सूचित कर दो। वह अनुरोध करे तो यदि बहुत असुविधा न हो तभी कुछ देर वहां ठहना चाहिए। किसी के घर जाओ वहां प्रतीक्षा करनी पड़े तो धैर्य रखो। कोई आपके पास आकर कुछ अधिक देर भी बैठै तो ऐसा भाव मत प्रकट करो कि आप उब गए हैं।

बड़ों से व्यवहार



मार्ग में जब गुरुजनों के साथ चलना हो तो उनके आगे या बराबर मत चलो उनके पीछे चलो। उनके पास कुछ सामान हो तो आग्रह करके उसे स्वयं ले लो। कहीं दरवाजे में से जाना हो तो पहले बड़ों को जाने दो। द्वार बंद है तो आगे बढ़कर खोल दो और आवश्यकता हो तो भीतर प्रकाश कर दो। यदि द्वार पर पर्दा हो तो उसे तब तक उठाए रहो, जब तक वे अंदर न चले जाएं। जब कोई आदरणीय व्यक्ति अपने यहां आएं तो कुछ दूर आगे बढ़कर उनका स्वागत करें और जब वे जाने लगें तब द्वार तक उन्हें पहुंचाना चाहिए।

छोटों के साथ व्यवहार



बच्चों को, नौकरों को या किसी को भी 'तू' मत कहो 'तुम' या 'आप' कहो। जब कोई आपको प्रणाम करे तब उसके प्रणाम का उत्तर प्रणाम करके या जैसे उचित हो अवश्य दो। नौकर को भी भोजन और विश्राम के लिए उचित समय दो। बीमारी आदि में उसकी सुविधा का ध्यान रखो। किसी को भी कभी नीच मत समझो।आपके द्वारा आपसे जो छोटे हैं, उन्हें असुविधा न हो यह ध्यान रखना चाहिए। छोटों के आग्रह करने पर भी उनसे अपनी सेवा का काम कम से कम लेना चाहिए।

महिलाओं से व्यवहार

स्त्रियों को घूरना, उनसे हंसी करना उनके प्रति इशारे करना या उनको छूना असभ्यता है। घर के जिस भाग में स्त्रियां रहती हैं, वहां बिना सूचना दिए नहीं जाना चाहिए। जिस कमरे में कोई स्त्री अकेली हो, सोई हो, कपड़े पहन रही हो वहां नहीं जाना चाहिए। यात्रा में या अन्यत्र जगह की कमी हो और कोई स्त्री वहां आए तो उसे बैठने के लिए स्थान खाली कर देना चाहिए।

सहायता का भाव

कोई रास्ता पूछे तो उसे समझाकर बताओ और संभव हो तो कुछ दूर तक जाकर मार्ग दिखा आओ। कोई चिट्ठी या तार पढ़वाए तो रुक कर पढ़ दो। किसी का भार उससे न उठता हो तो उसके बिना कहे ही उठवा दो। कोई गिर पड़े तो उसे सहायता देकर उठा दो। जिसकी जैसी भी सहायता कर सकते हो, अवश्य करो। किसी की उपेक्षा मत करो। किसी में कोई अंग दोष हो तो उसे चिढ़ाना नहीं चाहिए। उसे इस प्रकार बुलाना या पुकारना चाहिए कि उसको बुरा न लगे। सोए हुए व्यक्ति को जगाना हो तो बहुत धीरे से जगाना चाहिए।

दूसरों का सम्मान

अपने या किसी अन्य देश या जाति के झण्डे, राष्ट्रीय गान, धर्म ग्रन्थ अथवा सामान्य महापुरुषों का अपमान कभी मत करो। उनके प्रति आदर प्रकट करो। किसी धर्म पर आक्षेप मत करो। दो व्यक्ति झगड़ रहे हों तो उनके झगड़े को बढ़ाने का प्रयास मत करो। दो व्यक्ति परस्पर बातें कर रहे हों तो वहां मत जाओ और न ही छिपकर उनकी बात सुनने का प्रयास करो। आपने हमें पहचाना...? ऐसे प्रश्न करके दूसरों की परीक्ष मत करो। आवश्यकता न हो तो किसी का नाम, गांव, परिचय मत पूछो और कोई कहीं जा रहा हो तो कहां जा रहे हो? भी मत पूछो। किसी का पत्र मत पढ़ो और न किसी की कोई गुप्त बात जानने का प्रयास करो।

कुछ सामान्य शिष्टाचार

- फोन करने पर उत्तर देने वाले का नाम पूछने से पहले अपना परिचय देना चाहिए।
- यदि किसी परिचित की कॉल छूट जाए तो यथाशीघ्र उसे कॉल करें।
- फोन करने से पहले नंबर ठीक से जांच लें, ऐसा न करने पर आप किसी आवश्यक कार्य में व्यस्त व्यक्ति को परेशानी में डाल सकते हैं।
- वाहन चलाते समय या किसी समूह के बीच बैठकर फोन न करें।
- किसी भी स्थान से जाने से पहले आवश्यकतानुसार पंखे और लाइट के स्विच बंद कर लें।
- वाहन चलाते या पार्किंग करते समय दूसरों की सुविधा का ध्यान भी रखें।
- लाइन में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करें।
- सार्वजानिक स्थानों पर जोर से न बोलें।
- घरों में ऐसा ध्वनि या वायु प्रदूषण न करें जिससे पडोसी को परेशानी हो।
- किसी से कोई वस्तु लेने पर, इस्तेमाल के बाद यथाशीघ्र वैसे ही लौटाएं जैसे ली गई थी।
- जिस देश, प्रदेश या स्थान में रहते हैं उसकी भाषा, संस्कृति व निवासियों का सम्मान करें, और उनको अपनाने का प्रयास करें।
- सोशल मीडिया में कुछ भी लिखने से पहले भाषा और भावनाओं का ध्यान रखें। इससे न केवल आपकी छवि प्रभावित होती है, बल्कि एक अप्रिय बात से आप अपने अच्छे मित्रों को खो सकते हैं।
- सोशल मीडिया में जाति, धर्म, लिंगभेद और राजनैतिक टिप्पणी से बचें, ये सभी अनावश्यक बहस और दुर्भावना को ही जन्म देते हैं।

दूसरों से अपनी तुलना का कोई फायदा नहीं...

आज के प्रतिस्पर्धा के युग में हर व्यक्ति पहले नंबर पर आना चाहता है, लेकिन वास्तविक जीवन में हर व्यक्ति प्रथम नहीं आ सकता। हर व्यक्ति के अपने गुण व अपनी क्षमताएं होती हैं, लेकिन अक्सर देखने में आता है कि व्यक्ति अपने गुणों को नजरअंदाज करके दूसरों की सफलता से हमेशा चिढ़ते ही रहते हैं। कुछ लोग कभी भी उन बातों से खुश नहीं होते, जो उनके पास हैं, बल्कि वे हमेशा अपनी तुलना दूसरे व्यक्ति से करते रहते हैं। इसके कारण उन्हें अंततः निराशा, दुःख व कभी-कभी अवसाद की स्थिति का सामना भी करना पड़ता है। इसलिए एक बेहतर जीवन जीने के लिए आवश्यक है कि आप अपनी तुलना दूसरों से करने की बजाय अपने गुणों पर ध्यान दें व उन्हें निखारने के लिए मेहनत करें।

मिलती है निराशा

हमेशा याद रखें कि अगर आप हमेशा ही अपनी तुलना दूसरों से करेंगे तो आपको हमेशा निराशा का ही सामना करना पड़ेगा। इतना ही नहीं, ऐसे व्यक्ति सफलता के लिए मेहनत करने की बजाय दूसरों को असफल बनाने के प्रयासों में ही लगे रहते हैं। इस प्रकार मनुष्य के जीवन में दुःख व अवसाद का एक मुख्य कारण दूसरों से तुलना करना भी होता है। ऐसे लोग अक्सर चिड़चिड़े ही रहते हैं और उन्हें छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आ जाता है।



एक अंतहीन खेल आपको यह समझना होगा कि किसी भी व्यक्ति से तुलना करना एक अंतहीन खेल है। जब आप दूसरे के पास कोई चीज देखेंगे तो आपको भी उसे पाने की चाह उत्पन्न होगी। भले ही आप लाख कोशिशों के बाद उसे प्राप्त कर लें तो फिर दोबारा आपको उसके पास कोई नई चीज देखकर फिर से उसे हासिल करने की तलब लगेगी। इस प्रकार किसी से तुलना करने का कोई अंत नहीं होता। यह एक अंतहीन दौड़ है, जिसमें उलझकर आपका जीवन मात्र एक रेस ही बनकर रह जाएगा।

छिन जाती है खुशी

जब आप अपने जीवन को दूसरे के समान बनाने की कोशिशों में लग जाते हैं तो आपके जीवन की छोटी-छोटी खुशियां कहीं खो जाती हैं। साथ ही आप हमेशा अपनी खूबियों पर काम करके सफल होने की बजाय वह चीज पाने की चाह में लग जाते हैं, जो आपके लिए बनी ही नहीं है। इस प्रकार आपका कीमती समय व मेहनत बेकार चीजों पर ही वेस्ट हो जाती है। याद रखें कि बीता हुआ समय कभी भी लौटकर नहीं आता। इसलिए दूसरों से तुलना करने की बजाय अपना समय व मेहनत उन चीजों में खर्च करें जो आपको सफलता के नए मुकाम पर पहुंचाए और आपकी खुशियों को दोगुना करें।

दूसरों से लें प्रेरणा

अगर आप वास्तव में खुशी प्राप्त करना चाहते हैं तो बेहतर होगा कि अपनी तुलना दूसरों से करने की बजाय दूसरों से प्रेरणा लें। जब आप दूसरों को अपना प्रेरणास्त्रोत बनाकर कोई कार्य करते हैं तो आपकी मेहनत सकारात्मक परिणामों के साथ सामने आती है। साथ ही इससे आपको एक पॉजिटिव एनर्जी भी मिलती है, जो आपके लिए काफी हितकर साबित होती है।

संपादकीय

भारत-नेपाल की 'नई आस्थाएं'

भारत और नेपाल के संबंध 'रोटी-बेटी' के ही नहीं हैं, बल्कि सभ्यता, संस्कृति, आस्था, अध्यात्म के भी हैं। प्रभु श्रीराम और माता जानकी इन संबंधों के 'प्रतीक' हैं। दोनों देश आपस में पूरक हैं। भारत नेपाल की बुनियादी जरूरतों की आपूर्ति का आधार-बिंदु है। भारत नेपाल की आपदाओं का सर्वप्रथम संबल भी है। नेपाल का प्रधानमंत्री कोई भी रहा हो, सीमा-विवादों को फिजूल 'हवा' दी गई हो, नेपाल का रुझान चीन और अमरीका तक भी भटका हो, लेकिन भारत की प्रतिबद्धता 'पड़ोस प्रथम' की नीति पर अडिग रही है। नेपाल के हालिया विध्वंसकारी प्रलय और उससे पहले महाविनाशक भूकंप का ही उदाहरण लें, तो सबसे अधिक और सबसे पहले भारत ने हाथ बढ़ाए हैं। चूंकि नेपाल के 'जेन-जी' प्रधानमंत्री बालेन (बालेन्द्र) शाह ने अपनी प्रथम, राजकीय, विदेश यात्रा के तौर पर भारत को चुना, तो भारत ने भी उसकी आस्थाओं और अपेक्षाओं को सुना और समझा। हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने 24,000 करोड़ नेपाली रुपए (1.63 अरब डॉलर) के आर्थिक पैकेज की घोषणा कर प्रधानमंत्री बालेन शाह की अपेक्षाओं की लगभग पूर्ति की है। नेपाल ने 2 अरब डॉलर की आर्थिक मदद और आसान, रियायती कर्ज की अपेक्षा की थी। भारत ने समझौतों के जरिए नेपाल के साथ इतना कुछ साझा किया है कि वे 'अमूल्य' हैं। मिट्टी-मलबा हुआ नेपाल दोबारा खड़ा हो सकता है। भारत की आर्थिक मदद नेपाल के पुनर्निर्माण और विकास के रास्ते पर दौड़ में ठोस संबल साबित हो सकती है। भारत-नेपाल के संबंधों का यथार्थ यह है कि वहां करीब 150 भारतीय कंपनियां सक्रिय हैं, जो नेपाली अर्थव्यवस्था की बुनियाद पुख्ता कर रही हैं। दोनों देशों ने फोरेंसिक, पुलिस प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार, आयुर्वेद एवं परंपरागत चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं दवाएं, शहरी विकास, पशुपालन एवं मत्स्य पालन, अंतरिक्ष में सहयोग (सैटेलाइट कम्युनिकेशन नेटवर्क बनाना) सरीखे क्षेत्रों में 8 अति महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। भारत नेपाल को भी विकास की बुलंदियों तक पहुंचाने को संकल्पित है, इन समझौतों से यही परिलक्षित होता है। चूंकि भारत-नेपाल आपस में 'सांस्कृतिक सहोदर' हैं, लिहाजा अयोध्या से जनकपुर धाम तक 'सरयू-कमला एक्सप्रेस ट्रेन' की शुरुआत 'आस्थामयी क्रांति' का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी का कथन उचित है कि नेपाल के बिना हमारे धाम और प्रभु श्रीराम भी अधूरे हैं। नेपाल का जनकपुर धाम माता जानकी का मायका है और अयोध्या की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पूरी दुनिया जानती है। करीब 604 किलोमीटर का सफर एक ही बार में 1150 यात्री कर सकेंगे। भक्त भी तीर्थ कर सकेंगे, पर्यटक भी घूमेंगे और व्यापारियों के लिए भी सुगम आयाम खुलेंगे। नेपाल के साथ भारत ने 669 मेगावाट पनबिजली परियोजना का भी साझा शिलान्यास किया है। एक दीर्घकालिक समझौते के तहत भारत नेपाल से 10,000 मेगावाट बिजली खरीदने को पहले ही तैयार हो चुका है। उसकी नियामक व्यवस्थाएं बनाई जा रही हैं। इससे दोनों ही देश लाभान्वित होंगे। नेपाल को गुजरात के कांडला और ओडिसा के पारादीप बंदरगाहों तक पहुंच देने का फैसला भी बेहद अहम है। इससे नेपाल को समुद्री व्यापार के लिए अतिरिक्त रास्ते मिलेंगे। हालांकि काठमांडू ने मुंद्रा बंदरगाह के इस्तेमाल को प्राथमिकता दी थी, लेकिन भारत की ओर से दिए गए अन्य विकल्प नेपाल के कारोबारी मार्गों में विविधता लाने और माल ढुलाई से जुड़ी परेशानियों को हल करने में मददगार साबित होंगे। कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा से दोनों के सीमा विवाद जुड़े हैं। 1950 की ऐतिहासिक संधि की भी समीक्षा की जानी है। भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने खुलासा किया है कि लिपुलेख और भारतीय सेनाओं में गोरखा सैनिकों की भर्ती सरीखे संवेदनशील मुद्दों पर फिलहाल कोई चर्चा नहीं हुई। सेना में भर्ती भारत का विशेषाधिकार है और यह सुरक्षा का मामला भी है, लिहाजा इस पर गंभीरता से विमर्श किया जाएगा। नेपाल ने मार्च, 2026 में जो जनादेश दिया था, उसमें पुराने और पूर्वाग्रही राजनीतिक दलों के प्रति व्यापक मोहभंग सामने आया और ऐतिहासिक जनादेश बालेन शाह को मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने उनके 'स्पष्ट नजरिए' की सराहना की है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि यह पड़ोस का रिश्ता ही नहीं, बल्कि अपनेपन और अटूट विश्वास का है। दोनों की खुशियां और चुनौतियां साझी हैं। वे मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा भी हैं।

प्रभु श्रीराम और माता जानकी इन संबंधों के 'प्रतीक' हैं। दोनों देश आपस में पूरक हैं। भारत नेपाल की बुनियादी जरूरतों की आपूर्ति का आधार-बिंदु है। भारत नेपाल की आपदाओं का सर्वप्रथम संबल भी है। नेपाल का प्रधानमंत्री कोई भी रहा हो, सीमा-विवादों को फिजूल 'हवा' दी गई हो, नेपाल का रुझान चीन और अमरीका तक भी भटका हो, लेकिन भारत की प्रतिबद्धता 'पड़ोस प्रथम' की नीति पर अडिग रही है। नेपाल के हालिया विध्वंसकारी प्रलय और उससे पहले महाविनाशक भूकंप का ही उदाहरण लें, तो सबसे अधिक और सबसे पहले भारत ने हाथ बढ़ाए हैं। चूंकि नेपाल के 'जेन-जी' प्रधानमंत्री बालेन (बालेन्द्र) शाह ने अपनी प्रथम, राजकीय, विदेश यात्रा के तौर पर भारत को चुना, तो भारत ने भी उसकी आस्थाओं और अपेक्षाओं को सुना और समझा। हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने 24,000 करोड़ नेपाली रुपए (1.63 अरब डॉलर) के आर्थिक पैकेज की घोषणा कर प्रधानमंत्री बालेन शाह की अपेक्षाओं की लगभग पूर्ति की है। नेपाल ने 2 अरब डॉलर की आर्थिक मदद और आसान, रियायती कर्ज की अपेक्षा की थी। भारत ने समझौतों के जरिए नेपाल के साथ इतना कुछ साझा किया है कि वे 'अमूल्य' हैं। मिट्टी-मलबा हुआ नेपाल दोबारा खड़ा हो सकता है। भारत की आर्थिक मदद नेपाल के पुनर्निर्माण और विकास के रास्ते पर दौड़ में ठोस संबल साबित हो सकती है। भारत-नेपाल के संबंधों का यथार्थ यह है कि वहां करीब 150 भारतीय कंपनियां सक्रिय हैं, जो नेपाली अर्थव्यवस्था की बुनियाद पुख्ता कर रही हैं। दोनों देशों ने फोरेंसिक, पुलिस प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार, आयुर्वेद एवं परंपरागत चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं दवाएं, शहरी विकास, पशुपालन एवं मत्स्य पालन, अंतरिक्ष में सहयोग (सैटेलाइट कम्युनिकेशन नेटवर्क बनाना) सरीखे क्षेत्रों में 8 अति महत्वपूर्ण समझौते किए हैं।

आज मीडिया के सामने सबसे बड़ा संकट केवल पत्रकारों की सुरक्षा का नहीं, बल्कि उनकी स्वतंत्रता और विश्वसनीयता का भी है

लोकतंत्र का प्रहरी या सत्ता के सामने मौन होता मीडिया?

लोकतंत्र की असली परीक्षा इस बात से नहीं होती कि सत्ता कितनी मजबूत है, बल्कि इस बात से होती है कि सत्ता से सवाल पूछने वाले कितने सुरक्षित हैं। जिस देश में पत्रकार सरकार की नीतियों, प्रशासनिक विफलताओं, भ्रष्टाचार और जनविरोधी फैसलों पर खुलकर सवाल पूछ सके, वहां लोकतंत्र जीवंत रहता है। लेकिन जिस व्यवस्था में सवाल पूछने वालों को ही संदेह की दृष्टि से देखा जाने लगे, आलोचना को दुश्मनी समझा जाए और असहमति को अपराध की तरह प्रस्तुत किया जाए, वहां लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती पर चिंता स्वाभाविक है। प्रेस की स्वतंत्रता केवल पत्रकारों का अधिकार नहीं, बल्कि जनता का जानने का अधिकार है। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रावधान इसी लोकतांत्रिक चेतना का आधार है। सर्वोच्च न्यायालय ने रोमेश थापर बनाम मद्रास राज्य (1950) और इंडियन एक्सप्रेस न्यूजपेपर्स बनाम भारत संघ (1985) जैसे मामलों में प्रेस की स्वतंत्रता को अभिव्यक्ति के अधिकार का महत्वपूर्ण हिस्सा माना। यह अधिकार सत्ता की कृपा से मिलने वाला उपहार नहीं, बल्कि लोकतंत्र में नागरिकों की संवैधानिक गरिमा का हिस्सा है। पत्रकारिता का दायित्व केवल घटनाओं का विवरण देना नहीं, बल्कि उन घटनाओं के पीछे छिपे सच को सामने लाना भी है। सरकारी योजनाओं की सफलता का प्रचार करना आसान है, लेकिन उन योजनाओं में व्याप्त भ्रष्टाचार, लाभार्थियों की वास्तविक स्थिति, प्रशासनिक उदासीनता और जनता की पीड़ा उजागर करना साहस मांगता है। जब पत्रकार किसी घोटाले की पड़ताल करता है, किसी अधिकारी की जवाबदेही तय करता है, किसी पीड़ित की आवाज सत्ता तक पहुंचाता है या किसी नीतिगत निर्णय के परिणामों पर प्रश्न उठाता है, तब वह लोकतंत्र की रक्षा करता है। लेकिन यदि मीडिया सत्ता की उपलब्धियों का मंच बनकर रह जाए और उसकी विफलताओं पर मौन धारण कर ले, तो पत्रकारिता अपने मूल उद्देश्य से भटक जाती है। लोकतंत्र में सत्ता को प्रश्नों से असुविधा हो सकती है, लेकिन प्रश्नों से असुविधा होना और प्रश्नों को दबाना दो अलग-अलग बातें हैं। आज मीडिया के सामने सबसे बड़ा संकट केवल पत्रकारों की सुरक्षा का नहीं, बल्कि उनकी स्वतंत्रता और विश्वसनीयता का भी है। पत्रकारों पर दबाव अनेक रूपों में आता है। कभी विज्ञापन बंद करने की धमकी, कभी मुकदमों का भय, कभी सरकारी पहुंच से वंचित करना, कभी संस्थागत दबाव और कभी सीधे हिंसा के माध्यम से उनकी आवाज दबाने की कोशिश होती है। स्वतंत्र पत्रकारों के लिए यह संकट और गहरा है, क्योंकि उनके पीछे बड़े मीडिया संस्थानों की कानूनी टीम, आर्थिक संसाधन और संस्थागत सुरक्षा नहीं होती। एक फ्रीलांसर या स्थानीय पत्रकार किसी खबर की पड़ताल करते समय जितना जोखिम उठाता है, उसके बदले उसे अक्सर उतना आर्थिक और सामाजिक संरक्षण भी नहीं मिलता। पत्रकारिता का साहस पुरस्कारों और प्रशस्तियों से नहीं, बल्कि उस जोखिम से मापा जाता है जो सच सामने लाने के लिए उठाया जाता है। पत्रकारों के विरुद्ध हिंसा इस संकट का सबसे भयावह रूप है। गौरी लंकेश की 2017 में हत्या ने देश को झकझोर दिया था और यह प्रश्न छोड़ दिया था कि असहमति व्यक्त करने वाले पत्रकार आखिर कितने सुरक्षित हैं। किसी पत्रकार की हत्या केवल एक व्यक्ति की आवाज समाप्त नहीं करती, बल्कि समाज में भय का वातावरण पैदा करती है। जब एक पत्रकार पर हमला होता है, तो उसके साथ कई दूसरे पत्रकार भी अपनी खबरों, अपने शब्दों और अपने सवालों पर विचार करने लगते हैं। हिंसा का वास्तविक उद्देश्य केवल पीड़ित को चुप कराना नहीं, बल्कि उन सभी लोगों को भयभीत करना होता है जो सच लिखने का साहस रखते हैं। इस भय से पैदा होने वाली आत्म-सेंसरशिप किसी भी प्रत्यक्ष प्रतिबंध से अधिक खतरनाक हो सकती है, क्योंकि इसमें पत्रकार स्वयं अपनी कलम रोकने लगता है। डिजिटल युग ने पत्रकारिता को नई शक्ति दी है, लेकिन इसी डिजिटल दुनिया ने पत्रकारों के लिए उत्पीड़न का नया मैदान भी तैयार किया है। सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग, धमकियां, चरित्रहनन, निजी जानकारी सार्वजनिक करना और संगठित ऑनलाइन हमले विशेषकर महिला पत्रकारों को निशाना बनाते हैं। किसी खबर से असहमति होना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन पत्रकार के परिवार, निजी जीवन और चरित्र पर हमला करना आलोचना नहीं, बल्कि उसे डराने की रणनीति है। जब किसी महिला पत्रकार को उसके विचारों के बजाय उसकी पहचान, व्यक्तिगत जीवन या लिंग के आधार पर अपमानित किया जाता है, तो यह केवल व्यक्तिगत उत्पीड़न नहीं, बल्कि सार्वजनिक संवाद को दूषित करने का प्रयास होता है। ऐसी परिस्थितियों में पत्रकारों का पीछे हटना केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं, समाज के सूचना अधिकार का नुकसान है। डिजिटल निगरानी भी स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। पत्रकारों के फोन, डिजिटल उपकरणों और संचार माध्यमों की निगरानी की आशंकाएं स्रोतों की गोपनीयता को खतरे में डालती हैं। खोजी पत्रकारिता में सूचना देने वाले व्यक्ति कई बार भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अनियमितताओं या संवेदनशील मामलों से जुड़े तथ्य सामने लाते हैं। यदि उन्हें यह भय हो कि उनकी पहचान उजागर हो सकती है, तो वे सामने आने से बचेंगे। परिणामस्वरूप कई महत्वपूर्ण खबरें सार्वजनिक होने से पहले ही दम तोड़ सकती हैं। पेगासस से जुड़ा विवाद और 2021 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस विषय पर गठित जांच व्यवस्था ने निगरानी, निजता और पत्रकारिता की स्वतंत्रता के प्रश्न को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया। स्रोतों की सुरक्षा पत्रकारिता की तकनीकी आवश्यकता ही नहीं, लोकतांत्रिक विश्वास की बुनियादी शर्त है। इंटरनेट बंद करना, डिजिटल सामग्री पर प्रतिबंध लगाना और सूचना के प्रवाह को बाधित करना भी पत्रकारिता की कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। अनुराधा भसीन बनाम भारत संघ (2020) में सर्वोच्च न्यायालय ने इंटरनेट प्रतिबंधों की समीक्षा और आनुपातिकता के सिद्धांत पर बल दिया। डिजिटल माध्यम आज समाचार संकलन, प्रसारण, संवाद और जनसंपर्क का प्रमुख साधन है। इंटरनेट बाधित होने पर केवल नागरिकों की अभिव्यक्ति प्रभावित नहीं होती, बल्कि पत्रकारों की रिपोर्टिंग, समाचारों की पहुंच और सार्वजनिक विमर्श भी बाधित होते हैं। सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था के नाम पर प्रतिबंधों का औचित्य हो सकता है, लेकिन उनका अनिश्चितकालीन, व्यापक और अपारदर्शी उपयोग लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर कर सकता है। इसके अतिरिक्त डिजिटल पत्रकारिता आर्थिक संकट से भी जूझ रही है। विज्ञापन का बड़ा हिस्सा तकनीकी प्लेटफॉर्मों के पास जा रहा है, जबकि समाचार संस्थानों की आय घट रही है। सोशल मीडिया के एल्गोरिदम तय करते हैं कि कौन-सी खबर अधिक लोगों तक पहुंचेगी और कौन-सी खबर दृश्यता से बाहर रह जाएगी। सनसनीखेज सामग्री, भावनात्मक प्रतिक्रियाएं और विवाद अक्सर गंभीर पत्रकारिता से अधिक प्रसारित होते हैं। इस व्यवस्था में पत्रकार के सामने दोहरा संकट है—एक ओर विश्वसनीय खबर तैयार करने का दायित्व, दूसरी ओर डिजिटल प्रतिस्पर्धा में टिके रहने का दबाव।



लोकतंत्र की असली परीक्षा इस बात से नहीं होती कि सत्ता कितनी मजबूत है, बल्कि इस बात से होती है कि सत्ता से सवाल पूछने वाले कितने सुरक्षित हैं। जिस देश में पत्रकार सरकार की नीतियों, प्रशासनिक विफलताओं, भ्रष्टाचार और जनविरोधी फैसलों पर खुलकर सवाल पूछ सके, वहां लोकतंत्र जीवंत रहता है। लेकिन जिस व्यवस्था में सवाल पूछने वालों को ही संदेह की दृष्टि से देखा जाने लगे, आलोचना को दुश्मनी समझा जाए और असहमति को अपराध की तरह प्रस्तुत किया जाए, वहां लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती पर चिंता स्वाभाविक है। प्रेस की स्वतंत्रता केवल पत्रकारों का अधिकार नहीं, बल्कि जनता का जानने का अधिकार है। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रावधान इसी लोकतांत्रिक चेतना का आधार है। सर्वोच्च न्यायालय ने रोमेश थापर बनाम मद्रास राज्य (1950) और इंडियन एक्सप्रेस न्यूजपेपर्स बनाम भारत संघ (1985) जैसे मामलों में प्रेस की स्वतंत्रता को अभिव्यक्ति के अधिकार का महत्वपूर्ण हिस्सा माना। यह अधिकार सत्ता की कृपा से मिलने वाला उपहार नहीं, बल्कि लोकतंत्र में नागरिकों की संवैधानिक गरिमा का हिस्सा है।

देश दुनिया से

नशे का बढ़ता जाल और युवाओं का भविष्य

हिमाचल प्रदेश को प्रकृति ने अनुपम सौंदर्य का उपहार दिया है, लेकिन आज इसी देवभूमि के सामने एक ऐसी गंभीर सामाजिक चुनौती खड़ी हो रही है, जो इसकी सबसे बड़ी पूंजी अर्थात युवा शक्ति को भीतर से कमजोर कर रही है। यह चुनौती है तंबाकू, चिट्टा, शराब और अन्य नशीले पदार्थों के बढ़ते सेवन की। विडंबना यह है कि जिस प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और स्वच्छ वातावरण का आनंद लेने के लिए देश-विदेश से पर्यटक पहुंचते हैं, उसी प्रदेश का एक वर्ग नशे की गिरफ्त में आकर अपने स्वास्थ्य, परिवार, शिक्षा और भविष्य को दांव पर लगा रहा है। यह केवल व्यक्तिगत आदत या किसी एक परिवार की समस्या नहीं है, बल्कि धीरे-धीरे सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर संकट बनता जा रहा है। हाल ही में प्रकाशित राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के आंकड़े हिमाचल प्रदेश में तंबाकू सेवन की बदलती स्थिति को सामने रखते हैं। मई 2026 में जारी सर्वेक्षण के अनुसार प्रदेश में 15 वर्ष और इससे अधिक आयु के पुरुषों में तंबाकू सेवन की दर वर्ष 2019-21 के 32.2 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023-24 में 28.9 प्रतिशत रह गई है। यह निश्चित रूप से सकारात्मक बदलाव है। दूसरी ओर, महिलाओं में तंबाकू सेवन की दर 1.7 प्रतिशत से बढ़कर 1.9 प्रतिशत हो गई है। यानी पुरुषों में 3.3 प्रतिशत की कमी के मुकाबले महिलाओं में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों का एक अन्य चिंताजनक पक्ष यह है कि पुरुषों में कमी आने के बावजूद लगभग हर तीन में से एक पुरुष तंबाकू का सेवन कर रहा है। इससे स्पष्ट होता है कि तंबाकू नियंत्रण के प्रयासों से कुछ सकारात्मक परिणाम अवश्य मिले हैं, लेकिन समस्या अभी समाप्त नहीं हुई है। महिलाओं में दर्ज मामूली वृद्धि भी इस बात का संकेत है कि नशे की समस्या को केवल पुरुषों तक सीमित मानकर नहीं देखा जा सकता। सर्वेक्षण से संबंधित पुराने आंकड़ों में भी तंबाकू सेवन की गंभीरता सामने आई है। वर्ष 2015-16 में 15 से 49 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 40.5 प्रतिशत पुरुष किसी न किसी रूप में तंबाकू का इस्तेमाल करते थे। वर्ष 2019-21 में यह आंकड़ा घटकर लगभग 32.7 प्रतिशत रह गया। इसी अवधि में सिगरेट का सेवन 23.4 प्रतिशत से घटकर 20.1 प्रतिशत, बीड़ी का सेवन 27.8 प्रतिशत से घटकर 17.8 प्रतिशत और खैनी का इस्तेमाल 6.5 प्रतिशत से घटकर 5.5 प्रतिशत दर्ज किया गया। इन आंकड़ों से यह समझना आवश्यक है कि तंबाकू का सेवन केवल सिगरेट या बीड़ी तक सीमित नहीं है। खैनी, गुटखा और अन्य तंबाकू उत्पाद भी स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में तंबाकू के विभिन्न रूपों को सामान्य सामाजिक व्यवहार या दैनिक आदत मान लिया जाता है। कई बार व्यक्ति इसे तनाव कम करने, थकान मिटाने या कुछ समय के लिए मानसिक राहत प्राप्त करने का साधन समझता है, जबकि वास्तविकता यह है कि निकोटीन धीरे-धीरे निर्भरता पैदा करता है और व्यक्ति के लिए इस आदत से बाहर निकलना कठिन हो जाता है। नशे की समस्या का सबसे चिंताजनक पहलू इसका विद्यार्थियों और किशोरों तक पहुंचना है। विद्यालय जीवन किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण चरण होता है। इसी उम्र में उसकी सोच, व्यवहार, निर्णय लेने की क्षमता, अनुशासन, अध्ययन की आदतें और भविष्य के लक्ष्य निर्धारित होते हैं। यदि इसी अवस्था में कोई विद्यार्थी तंबाकू, गुटखा, सिगरेट या अन्य नशीले पदार्थों के संपर्क में आ जाता है, तो उसके शारीरिक और मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। किशोरावस्था में मस्तिष्क अभी विकसित हो रहा होता है। ऐसे समय में निकोटीन का सेवन मस्तिष्क के विकास, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता, सीखने की प्रक्रिया और आत्मनियंत्रण को प्रभावित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, कम उम्र में नशे की शुरुआत आगे चलकर अन्य नशीले पदार्थों के प्रति आकर्षण और निर्भरता का जोखिम भी बढ़ा सकती है। एक विद्यार्थी जो अपने जीवन में चिकित्सक, अभियंता, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी या जिम्मेदार नागरिक बनने का सपना देखता है, यदि नशे की आदत में उलझ जाता है तो उसके सपनों और संभावनाओं पर गंभीर असर पड़ सकता है। हमें यह समझना होगा कि किसी विद्यार्थी का नशे की गिरफ्त में आना केवल उसकी व्यक्तिगत असफलता नहीं है, बल्कि परिवार, विद्यालय और समाज के स्तर पर समय रहते आवश्यक मार्गदर्शन न मिलने का भी संकेत हो सकता है। हिमाचल प्रदेश के निर्माण कार्यों, कृषि गतिविधियों, बागवानी, सड़क निर्माण और अन्य श्रम आधारित क्षेत्रों में काम करने वाला मजदूर वर्ग भी तंबाकू सेवन की समस्या से प्रभावित दिखाई देता है। दिनभर कठिन परिश्रम, शारीरिक थकान, आर्थिक दबाव और अनिश्चित रोजगार जैसी परिस्थितियों के बीच कुछ श्रमिक तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट और खैनी का सहारा लेते हैं। उन्हें लगता है कि इससे कुछ समय के लिए थकान कम होती है और मन को आराम मिलता है। वास्तव में निकोटीन के कारण मिलने वाला यह अस्थायी अनुभव धीरे-धीरे लत का रूप ले सकता है। मजदूर वर्ग में इस समस्या का समाधान केवल प्रतिबंधों से संभव नहीं है। इसके लिए कार्यस्थलों पर स्वास्थ्य जागरूकता, नियमित स्वास्थ्य जांच, तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श, नशामुक्ति सेवाओं की उपलब्धता और श्रमिकों के लिए सहज एवं सम्मानजनक वातावरण तैयार करना आवश्यक है। यह भी जरूरी है कि तंबाकू छोड़ने की कोशिश करने वाले व्यक्ति का उपहास करने के बजाय उसका सहयोग किया जाए।



आप का नज़रिया

वृद्धाश्रम में प्रेम के बीज

कल तक वो दोनों अपने जीवन की हैसियत से लड़ रहे थे। मन की कलह में खंडहर हुए दो प्राणी कमोबेश ऐसी परिस्थिति में थे कि जिंदगी की ठोकरें उन्हें अंतिम दौर से मुखातिब करा रही थीं, लेकिन एक आश्रय ने उन्हें अनूठी मोहब्बत बख्श दी। इसे हम एक कहानी मान सकते हैं या संताप कर सकते हैं कि हमारा सामाजिक चेहरा कितना विद्रूप हो रहा है। कल तक मंडी के कन्हैया लाल अपनों से चोट खाए दर-दर घूम रहे थे। अपनी ही संपत्ति से खारिज यह व्यक्ति देवली वृद्धाश्रम की शरण लेता है, तो उसे सिर्फ चंद निवाले और एक सुरक्षित छत चाहिए थी। यहां एडवोकेट प्रकाश चंद बंसल के प्रश्रय में चल रहे वृद्धाश्रम का पूरे समाज को एहसानमंद होना चाहिए कि वह बूढ़ों की वीरान जिंदगी में फूलों से भरी कहानी लिख रहे हैं। वृद्धाश्रम को चंद ईंटों की गवाही से दूर वह समाज की कांटों से भरी बेडियों से मुक्ति दिला रहे हैं। कन्हैया लाल की जिंदगी अपनी उम्र की इबारत को बदल रही है। एक 75 साल के अक्षम बूढ़े को वृद्धाश्रम में आकर मेहबूबा मिल रही है, तो यह मनोविज्ञान की एक पाठशाला भी है। कहानी की दूसरी पात्र 63 वर्षीया सबीना भी राख पर अंगारों को लांघ कर देवली वृद्धाश्रम के बागीचे में आई है। पश्चिम बंगाल से किन्हीं कारणों के बोझ में यह महिला शिमला पहुंच जाती है, जहां मानसिक विकृतियों से घायल सबीना को पुलिस बचाती है। इन दोनों कहानियों का सुखांत बिलासपुर के वृद्धाश्रम में होता है। दोनों पंछी अपने टूटे पंखों को संवारते हुए अगर आज शादी कर रहे हैं, तो यह कोई फिल्मी कथा नहीं, ऐसा उपचार है, जिसे एक वृद्धाश्रम ने अपने माहौल, सेवा, संकल्प और ईमानदारी से निभाया है। जो अपने घरों में ही दूर बैठे थे, उन्हें गैरों ने नजदीक ला दिया। सबसे बड़ी बात तो यह कि वृद्धाश्रम में प्रेम के बीज अंकुरित हुए और बूढ़ों की छत के नीचे कई दौर निकल आए। यानी अगर देवली का वृद्धाश्रम न होता तो न जाने कितनी कब्रें और कितने श्मशानघाट पैदा हो जाते। कल तक जिन्हें होश न था, वे आज अगर एक दूसरे को समझकर शादी रचा रहे हैं, तो यह सामाजिक आंदोलन है। दुनिया का कोई भी अस्पताल उपेक्षित, लावारिस या घर से निकाले गए बूढ़ों का न शारीरिक और न ही मानसिक उपचार कर सकता है, लेकिन समाज के हाथ अगर सहारा बनें, तो जिंदगी फिर से आबाद हो सकती है। कल तक दर्द के एहसास में जी रहे दो बूढ़े, अगर अब जिंदगी को आगे बढ़ता हुआ देख रहे हैं, तो एडवोकेट प्रकाश चंद बंसल का संकल्प सम्मानित हो रहा है। जिंदगी 75 वर्ष बाद भी बसंत से भर सकती है, बशर्ते समाज सेवा के बागीचे फूलों से भरे हों। पश्चिम बंगाल से आई सबीना का विश्वास लौटा या कन्हैया लाल का एहसास जिंदगी को सक्रिय कर रहा है, तो यह करिश्मा वृद्धाश्रम के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यहां केवल छत या खाने को कुछ कौर नहीं, बल्कि जिंदगी को जीने की उम्मीदें पल्लवित हो रही हैं। हिमाचल में इस कहानी के कई पात्र हो सकते हैं, लेकिन समाज के आईने हर वृद्धाश्रम में आकर टूटते हैं। कल तक हम जिनके प्रश्रय में जीवन के मजमून पढ़ते थे, वे आज इतने कायर क्यों हो रहे हैं कि बूढ़ों का अंतिम प्रवास ऐसी छतें ढूंढने लगा है। मानसिक तनाव की कई कहानियां और मानव सभ्यता का इतिहास अगर आज रो रहा है, तो ये वृद्धाश्रम अब सामाजिक जरूरतों का विद्रूप अध्याय हैं। बहरहाल सबीना और कन्हैया लाल को जिंदगी का एक अनूठा छोर मिल रहा है। यहां हर सांस को आस है और फूलों में बसंत का इजहार है। मानवीय संवेदनाओं के कई खाने अब वृद्धाश्रमों में पूरे हो रहे हैं, तो इन कहानियों में हम अपने कत्र्तव्य के अलावा कई रिश्ते खोज सकते हैं।

कल तक मंडी के कन्हैया लाल अपनों से चोट खाए दर-दर घूम रहे थे। अपनी ही संपत्ति से खारिज यह व्यक्ति देवली वृद्धाश्रम की शरण लेता है, तो उसे सिर्फ चंद निवाले और एक सुरक्षित छत चाहिए थी। यहां एडवोकेट प्रकाश चंद बंसल के प्रश्रय में चल रहे वृद्धाश्रम का पूरे समाज को एहसानमंद होना चाहिए कि वह बूढ़ों की वीरान जिंदगी में फूलों से भरी कहानी लिख रहे हैं। वृद्धाश्रम को चंद ईंटों की गवाही से दूर वह समाज की कांटों से भरी बेडियों से मुक्ति दिला रहे हैं। कन्हैया लाल की जिंदगी अपनी उम्र की इबारत को बदल रही है। एक 75 साल के अक्षम बूढ़े को वृद्धाश्रम में आकर मेहबूबा मिल रही है, तो यह मनोविज्ञान की एक पाठशाला भी है। कहानी की दूसरी पात्र 63 वर्षीया सबीना भी राख पर अंगारों को लांघ कर देवली वृद्धाश्रम के बागीचे में आई है। पश्चिम बंगाल से किन्हीं कारणों के बोझ में यह महिला शिमला पहुंच जाती है, जहां मानसिक विकृतियों से घायल सबीना को पुलिस बचाती है। इन दोनों कहानियों का सुखांत बिलासपुर के वृद्धाश्रम में होता है। दोनों पंछी अपने टूटे पंखों को संवारते हुए अगर आज शादी कर रहे हैं, तो यह कोई फिल्मी कथा नहीं, ऐसा उपचार है, जिसे एक वृद्धाश्रम ने अपने माहौल, सेवा, संकल्प और ईमानदारी से निभाया है। जो अपने घरों में ही दूर बैठे थे, उन्हें गैरों ने नजदीक ला दिया। सबसे बड़ी बात तो यह कि वृद्धाश्रम में प्रेम के बीज अंकुरित हुए और बूढ़ों की छत के नीचे कई दौर निकल आए। यानी अगर देवली का वृद्धाश्रम न होता तो न जाने कितनी कब्रें और कितने श्मशानघाट पैदा हो जाते। कल तक जिन्हें होश न था, वे आज अगर एक दूसरे को समझकर शादी रचा रहे हैं, तो यह सामाजिक आंदोलन है। दुनिया का कोई भी अस्पताल उपेक्षित, लावारिस या घर से निकाले गए बूढ़ों का न शारीरिक और न ही मानसिक उपचार कर सकता है, लेकिन समाज के हाथ अगर सहारा बनें, तो जिंदगी फिर से आबाद हो सकती है। कल तक दर्द के एहसास में जी रहे दो बूढ़े, अगर अब जिंदगी को आगे बढ़ता हुआ देख रहे हैं, तो एडवोकेट प्रकाश चंद बंसल का संकल्प सम्मानित हो रहा है।

कुछ अलग

प्रतिभा के उन्नायक

दीनबंधु सर छोटू राम अविभाजित पंजाब में राजस्व एवं विकास मंत्री थे। वे बेहद सादगी से रहते थे और अपने वेतन का एक बड़ा हिस्सा 'किसान कल्याण कोष' के माध्यम से गरीब और मेधावी छात्रों की शिक्षा के लिए दान कर देते थे। एक बार झंग (अब पाकिस्तान में) के एक गरीब परिवार का एक होनहार किशोर आगे की पढ़ाई के लिए आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। जब यह बात सर छोटू राम तक पहुंची, तो उन्होंने बिना किसी सिफारिश या जाति-धर्म भेदभाव के उस बालक की प्रतिभा को परखा और अपने कोष से उसके लिए छात्रवृत्ति स्वीकृत कर दी। यही छात्र भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा सम्मान 'नोबेल पुरस्कार' जीतने वाला पहला पाकिस्तानी और मुस्लिम वैज्ञानिक बना—डॉ. अब्दुस सलाम। वर्षों बाद, जब डॉ. अब्दुस सलाम भारत आए, तो उन्होंने बेहद भावुक होकर इस घटना को याद किया।

दृष्टि कोण

बाजार के युग में मानवीय मूल्यों का संकट

क्या दुनिया के सभी देशों के शासक ईश्वरीय तथा प्राकृतिक सद्गुणों के साथ अपने-अपने देशों का शासन चला रहे हैं? यह प्रश्न स्वयं में धूमिल हो गया है। गिनती के कुछ संवेदनशील व्यक्तियों को छोड़ दें, तो विश्व के अधिसंख्य व्यक्तियों को इस प्रश्न का साक्षात एवं स्वप्निल आभास भी नहीं रहा। भारत के बारे में प्रचलित है कि यहां सनातन, वैदिक व हिंदू ध



मैट हेनरी ने डफी को बताया शानदार गेंदबाज, बोले- टीम के लिए बदलते हैं अपनी रणनीति

क्राइस्टचर्च

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने जैकब डफी का समर्थन करते हुए उन्हें शानदार गेंदबाज और टीम को सबसे पहले रखने वाली मानसिकता का खिलाड़ी बताया है।

वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट में डफी ने 201 रन देकर एक विकेट लिया था। हालांकि, हेनरी ने उनके प्रदर्शन का बचाव करते हुए कहा कि बेसिन रिजर्व की पिच पर गेंद मुश्किल से ही स्लिप तक पहुंच रही थी और डफी को अपनी गेंदबाजी के आंकड़ों की परवाह किए बिना बाउंसर डालने की जिम्मेदारी दी गई थी।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में दूसरे टेस्ट से पहले हेनरी ने पत्रकारों से कहा, उन्होंने पिछले कई वर्षों में दिखाया है कि वह एक शानदार गेंदबाज हैं और उनके लिए टीम सबसे पहले है। इसलिए जब हम उनसे कहते हैं कि यहां बाउंसर डालने की योजना अपनाई जा सकती है, तो उन्हें अपने व्यक्तिगत आंकड़ों की चिंता नहीं होती। वह खेल पर प्रभाव डालने की कोशिश करते हैं। उस समय उनकी भूमिका ऐसी थी, जिसमें उन्हें काफी सपाट पिच पर अधिक आक्रामक होना पड़ा। ऐसे में उनका टीम को पहले रखने वाली मानसिकता के साथ इस योजना को स्वीकार करना बेहद प्रभावशाली है।

हेनरी ने कहा, उनकी कौशल क्षमता पर कोई सवाल नहीं है। हमारे लिए कुछ ऐसे मौके थे, जब हमें किसी खिलाड़ी से अलग रणनीति अपनाने की जरूरत थी और वह इसके लिए तैयार थे। मेरे विचार से यही हमारी टीम की खासियत है। हम परिणाम की चिंता करने के बजाय इस बात पर ध्यान देते हैं कि खेल पर किस तरह प्रभाव डाला जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों में यह देखने को मिला है कि उनकी इसी सोच के कारण टीम को कई मैच जिताने वाले प्रदर्शन मिले हैं। इसलिए हमें इस मामले में बिल्कुल भी चिंता नहीं है।

न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन टेस्ट के अंतिम दिन बल्लेबाजी करते हुए मैच ड्रा करा दिया था, जिससे भारतीय टीम को निराशा हुई। हेनरी ने कहा कि इस मुकाबले के ड्रा होने के बाद मेजबान टीम के पास नकारात्मक पहलुओं की तुलना में सकारात्मक बातें अधिक हैं।

हेनरी ने कहा, गेंदबाजी करते समय हमने जिस तरह धैर्य बनाए रखा और सही क्षेत्रों में गेंदबाजी की, उससे हमें नियंत्रण के लिहाज से कुछ शानदार संकेत मिले। इसके बाद थके हुए पैरों और थके हुए दिमाग के साथ बल्लेबाजी करना काफी मुश्किल होता है। मुझे लगता है कि हमारे खिलाड़ियों ने शुरुआती दबाव का जिस तरह सामना किया और शानदार ड्रा हासिल करने तक डटे रहे, वह बेहद प्रभावशाली था।

उन्होंने कहा, यह हमारी बल्लेबाजी की दृढ़ता के लिए एक और उपलब्धि की तरह था। आप जानते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में हमेशा चीजें आपके पक्ष में नहीं होतीं। ऐसे में कुछ समय तक दबाव झेलने और फिर ऐसे मौके तलाशने की क्षमता जरूरी होती है, जब आप विपक्षी टीम पर दोबारा दबाव बना सकें। पिछले मैच में हमें काफी समय तक दबाव झेलना पड़ा, लेकिन यह ठीक है। मुझे लगता है कि हमने इसे अच्छी तरह संभाला और मैच ड्रा कराने में सफल रहे। इससे हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा है।

मैच के अंतिम अनिवार्य ओवर पूरे होने से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों के हाथ मिलाकर मुकाबला समाप्त करने के फैसले पर पूछे जाने पर हेनरी ने इसे ज्यादा महत्व नहीं दिया। उन्होंने कहा कि डैरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने जिस तरह बल्लेबाजी की, वह काफी दृढ़ता भरी थी। साथ ही गेंदबाज भी उस समय तक काफी मेहनत कर चुके थे और उन पर काम का भारी दबाव था। हेनरी ने कहा, मुझे लगता है कि डैरिल और जीपी (ग्लेन फिलिप्स) ने जिस तरह बल्लेबाजी की, वह काफी दृढ़ता भरी थी। जब आप ऐसी स्थिति में होते हैं और गेंदबाज भी वहां तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत कर चुके होते हैं, तो उन पर काम का भारी दबाव होता है। आगे एक बड़ी सीरीज है और अभी काफी क्रिकेट खेला जाना बाकी है। इसलिए देखिए, हम यही खेल खेलते हैं। मैदान पर हाथ मिलाने का फैसला लिया गया और मैंने इस पर बहुत ज्यादा विचार नहीं किया। घरेलू क्रिकेट में कैंटरबरी के लिए खेलने वाले हेनरी हेगले ओवल में वापसी से खुश हैं, क्योंकि वह इस मैदान से अच्छी तरह परिचित हैं। हालांकि, उन्होंने पिच के व्यवहार को लेकर कोई अनुमान लगाने से बचने की बात कही।

न्यूज ब्रीफ

इंग्लैंड से करारी हार के बाद आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को तलाशने होंगे नए जवाब

गोल्ड कोस्ट में इंग्लिश बल्लेबाजों ने की छक्कों की बरसात, ब्रिस्बेन में शुक्रवार को तीसरा टी20 मुकाबला



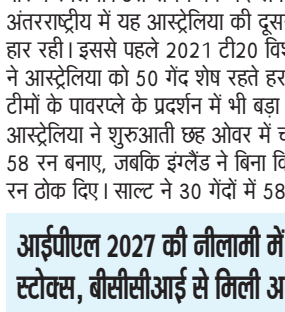
गोल्ड कोस्ट। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में करारी हार के बाद आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करना होगा। खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट और एनेरिन डोनाल्ड ने छक्कों की बरसात करते हुए आस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हराया और पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। अब शुक्रवार को ब्रिस्बेन में तीसरा मुकाबला खेला जाएगा। डोनाल्ड ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 32 गेंदों में 85 रन बनाए। उनकी पारी में नौ छक्के शामिल रहे। इस दौरान वह इंग्लैंड की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक के साल्ट के रिकार्ड को भी चुनौती देते नजर आए। साल्ट ने 39 गेंदों में यह रिकार्ड बनाया था। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने केवल 10 ओवर में 151 रन की साझेदारी कर आस्ट्रेलियाई गेंदबाजी की धज्जियां उड़ा दीं। इस साझेदारी के सामने आस्ट्रेलिया का आठ विकेट पर 184 रन का स्कोर बौना साबित हुआ। इंग्लैंड ने 14वें ओवर की पहली गेंद पर अपना 16वां छक्का लगाते हुए आस्ट्रेलिया का स्कोर पार कर लिया। उस समय 41 गेंदें शेष थीं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में यह आस्ट्रेलिया की दूसरी सबसे तेज हार रही। इससे पहले 2021 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 50 गेंद शेष रहते हराया था। दोनों टीमों के पावरप्ले के प्रदर्शन में भी बड़ा अंतर रहा। आस्ट्रेलिया ने शुरुआती छह ओवर में चार विकेट पर 58 रन बनाए, जबकि इंग्लैंड ने बिना विकेट गंवाए 79 रन ठोक दिए। साल्ट ने 30 गेंदों में 58 रन बनाए।

आईपीएल 2027 की नीलामी में उतरेंगे बेन स्टोक्स, बीसीसीआई से मिली अनुमति

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज आलराउंडर बेन स्टोक्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 की नीलामी के लिए अपना पंजीकरण कराया है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, स्टोक्स 16 दिसंबर को गोवा में होने वाली मिनी नीलामी में शामिल होंगे। आईपीएल के नियमों के अनुसार, मेगा नीलामी में हिस्सा नहीं लेने वाले खिलाड़ियों को अगले मिनी आक्शन में पंजीकरण कराने की अनुमति नहीं थी। इस नियम के चलते स्टोक्स 2027 से पहले नीलामी प्रक्रिया में वापसी नहीं कर सकते थे। हालांकि, भारतीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 35 वर्षीय स्टोक्स को आगामी नीलामी में शामिल होने की विशेष अनुमति दे दी है। स्टोक्स ने इसी साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने आखिरी बार 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से आईपीएल में हिस्सा लिया था। आईपीएल में अब तक पांच सत्र खेल चुके स्टोक्स ने 45 मुकाबलों में 935 रन बनाने के साथ 28 विकेट भी हासिल किए हैं।

घुटने की सर्जरी के बाद छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे जेवियर बार्टलेट

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट के टेस्ट टीम में जगह बनाने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। बाएं घुटने की सर्जरी कराने के बाद वह करीब छह सप्ताह तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। इस चोट के कारण वह आगामी बिग बैश लीग के शुरुआती मुकाबलों में भी नहीं खेल पाएंगे। बार्टलेट को इस टूर्नामेंट में ब्रिस्बेन हीट की ओर से खेलना है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बुधवार को उक्त जानकारी दी। बार्टलेट को पिछले सप्ताह होबार्ट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मुकाबले के दौरान क्षेत्ररक्षण करते हुए बाएं घुटने में चोट लगी थी। इस मुकाबले में आस्ट्रेलिया को हार का सामना करना पड़ा था और टीम ने श्रृंखला भी गंवा दी थी। चोट के कारण मैदान छोड़ने के बावजूद बार्टलेट दोबारा गेंदबाजी करने लौटे और तीन ओवर किए। उन्होंने सात ओवर में 66 रन देकर एक विकेट लिया। इसके बाद उन्हें पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर कर दिया गया। बाद में उनके घुटने की दूरबीन विधि से सर्जरी की गई। बार्टलेट पहली बार आस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल थे। उन्होंने शेफील्ड शील्ड के मौजूदा सत्र की शुरुआत क्वींसलैंड की ओर से शानदार प्रदर्शन करते हुए की थी। उन्होंने दो मैचों में 16 विकेट हासिल किए थे। आस्ट्रेलिया का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की मेजबानी करनी है और इसके बाद पांच मैचों की श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करना है। इसके बाद आस्ट्रेलिया मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ क्रिकेट के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर खेले जाने वाले विशेष टेस्ट मुकाबले में हिस्सा लेगा।



लगातार पांच बड़े टूर्नामेंट, फिर भी नहीं थमी भारत की रफ्तार, लालरेमसियामी ने खोला सफलता का राज

एक साल में पांच बड़ी प्रतियोगिताओं में उतरी भारतीय टीम, खिलाड़ियों की फिटनेस और चोटों के प्रबंधन में सहयोगी स्टाफ की अहम भूमिका

भोपाल

भारतीय महिला हाकी टीम के लिए वर्ष 2026 उपलब्धियों के साथ-साथ शारीरिक और मानसिक मजबूती की भी बड़ी परीक्षा रहा है। विश्व कप क्वालीफायर से शुरू हुआ टीम का सफर नेशंस कप, विश्व कप और एशियाई खेलों से होता हुआ इन दिनों भोपाल में जारी एशियाई चैंपियंस ट्राफी तक पहुंचा है। लगातार बड़े टूर्नामेंट खेलने के बावजूद टीम ने न सिर्फ अपना प्रदर्शन बेहतर किया, बल्कि विश्व रैंकिंग में भी अब तक का सर्वश्रेष्ठ पांचवां स्थान हासिल कर लिया है।



भारतीय टीम ने मार्च में विश्व कप क्वालीफायर के जरिए विश्व कप में जगह बनाई। जून में नेशंस कप का खिताब जीतकर अगले सत्र की प्रो लीग में पदोन्नति हासिल की। इसके बाद विश्व कप में पांचवां स्थान प्राप्त किया, जो 1974 के बाद इस प्रतियोगिता में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। टीम ने एशियाई खेलों में भी 1982 के बाद पहली बार स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। अब भोपाल में उसकी नजर लगातार तीसरी बार एशियाई चैंपियंस ट्राफी का खिताब जीतने पर है।

इन उपलब्धियों के बीच खिलाड़ियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती लगातार मैच खेलने के बावजूद अपनी फिटनेस और प्रदर्शन का स्तर बनाए रखना है। मुख्य कोच श्योर्ड मारिन ने पांचों प्रतियोगिताओं के लिए टीम के मुख्य खिलाड़ियों पर भरोसा कायम रखा। कुल 11 खिलाड़ी ऐसी रहीं, जिन्होंने इस साल इन सभी पांचों टूर्नामेंट में हिस्सा लिया।

अनुभवी फारवर्ड लालरेमसियामी भी इस समूह का हिस्सा हैं। वह इस साल अब तक खेले गए 28 मुकाबलों में से 26 में मैदान पर उतरी हैं। एशियाई चैंपियंस ट्राफी के बाकी मुकाबलों में उनके पास अपने मैचों की संख्या बढ़ाने का अवसर है। वह अब तक 11 गोल कर चुकी हैं। इनमें चीन के खिलाफ एशियाई खेलों के फाइनल में किया गया निर्णायक गोल भी शामिल है। इसी गोल ने भारत को स्वर्ण पदक दिलाने के साथ 2028 ओलंपिक का टिकट भी पक्का किया था।

चीन के खिलाफ 6-2 की जीत के बाद लालरेमसियामी ने लगातार बड़े टूर्नामेंट खेलने की चुनौती को स्वीकार किया।

उन्होंने मैच के बाद प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, यह हमारे लिए बहुत कठिन है। हमें एक साल में इतने सारे बड़े टूर्नामेंट खेलने पड़ते हैं। मानसिक और शारीरिक, दोनों रूप से यह काफी चुनौतीपूर्ण है।

हालांकि, उन्होंने टीम के प्रदर्शन और ऊर्जा को बनाए रखने में पर्दे के पीछे काम करने वाले सहयोगी स्टाफ की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। लालरेमसियामी के मुताबिक, खिलाड़ियों की फिटनेस, अभ्यास के बोझ और चोटों को संभालने के लिए स्टाफ लगातार योजना के साथ काम कर रहा है।

उन्होंने कहा, लेकिन हमारे पास अच्छा सहयोगी स्टाफ है। हमारे साथ शारीरिक प्रशिक्षक वेन लोम्बार्ड हैं। विलियम रोडेट, लारेन सियारा और फिजियो राधिका चौधरी तथा मुंशी प्रत्याक्षी भी हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैं कहना चाहती हूं कि इन सभी ने हमारा बहुत अच्छे से ध्यान रखा है। सभी खिलाड़ी व्यक्तिगत रूप से भी इतनी परिपक्व हैं कि अपने शरीर का ख्याल रख सकें। वेन, रोडेट और सियारा ने हमारा बहुत अच्छी तरह मार्गदर्शन किया है। इसी वजह से हम लगातार मेहनत कर पा रहे हैं और खुद को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित रहते हैं।

लालरेमसियामी ने बताया कि सहयोगी स्टाफ को टीम के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी रहती है और उसी के अनुसार खिलाड़ियों पर पड़ने वाले शारीरिक दबाव को नियंत्रित किया जाता है।

उन्होंने कहा, उन्हें पता होता है कि हमारा अगला कार्यक्रम क्या होने वाला है। वे जानते हैं कि खिलाड़ियों पर पड़ने वाले शारीरिक दबाव को किस तरह बनाए रखना है और किसी खिलाड़ी की चोट का प्रबंधन कैसे करना है।

इस साल की सफलता के पीछे टीम की एकजुटता और हर प्रतियोगिता के लिए अलग लक्ष्य तय करने की रणनीति भी रही है। लालरेमसियामी ने कहा कि पिछले दो-तीन वर्षों में टीम ने काफी संघर्ष किया था। इसलिए खिलाड़ियों ने एक समय में एक ही प्रतियोगिता पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया।

उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर और एक टीम के रूप में हम जानते हैं कि पिछले दो-तीन वर्षों में हमने काफी संघर्ष किया है। इसलिए टीम के तौर पर हमने फैसला किया कि सबसे पहले नेशंस कप पर ध्यान देंगे। हमने सिर्फ नेशंस कप पर अपना ध्यान केंद्रित किया, क्योंकि हमें प्रो लीग के लिए क्वालीफाई करना था। हम इसमें सफल रहे।

उन्होंने आगे कहा, जब विश्व कप का समय आया, तो हमारा ध्यान इस बात पर था कि यूरोपीय टीमों के खिलाफ किस तरह खेलना है, क्योंकि वे शारीरिक रूप से बहुत मजबूत होती हैं। ऐसे में हम अपनी शारीरिक क्षमता को किस तरह बनाए रख सकते हैं, यह हमारे लिए अहम था। इसके बाद हम एशियाई खेलों में पहुंचे।

लालरेमसियामी ने कहा कि टीम की सफलता में खिलाड़ियों की व्यक्तिगत और सामूहिक प्रतिबद्धता ने अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि एक खिलाड़ी और एक टीम के रूप में हमारी भूख, समर्पण, एकता और टीम भावना ने बहुत अच्छी तरह एक साथ काम किया है। लास एंजिलिस ओलंपिक की तैयारी के दौरान भी हम इसी तरह आगे बढ़ते रहेंगे।

खेल पंचाट न्यायालय ने सेनेगल को घोषित किया अफ्रीका कप आफ नेशंस 2025 का विजेता



लुसाने

मोरक्को को चैंपियन बनाने का सीएएफ अपील बोर्ड का फैसला रद्द, सेनेगल की 1-0 की जीत बहाल

खेल पंचाट न्यायालय ने सेनेगल को अफ्रीका कप आफ नेशंस 2025 का विजेता घोषित कर दिया। न्यायालय ने अफ्रीकी फुटबाल परिसंघ (सीएएफ) के अपील बोर्ड के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें मोरक्को को चैंपियन घोषित किया गया था। इसके साथ ही सीएएफ की अनुशासन समिति का मूल फैसला बहाल हो गया और फाइनल में सेनेगल की 1-0 की जीत को बरकरार रखा गया।

स्विट्जरलैंड स्थित खेल पंचाट न्यायालय ने अपने फैसले में कहा, खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) ने सेनेगल फुटबाल महासंघ (एफएसएफ) की ओर से अफ्रीकी फुटबाल परिसंघ (सीएएफ) और रायल मोरक्कन फुटबाल महासंघ (एफआरएमएफ) के खिलाफ दायर अपील स्वीकार कर ली है। यह अपील अफ्रीका कप आफ नेशंस मोरक्को 2025 के फाइनल से संबंधित थी। सीएएफ अपील बोर्ड का फैसला रद्द किया जाता है और सीएएफ अनुशासन समिति का फैसला बहाल किया जाता है।

न्यायालय ने आगे कहा, परिणामस्वरूप, अफ्रीका कप आफ नेशंस 2025 के फाइनल के अंत में प्राप्त नतीजे की पुष्टि की जाती है। सेनेगल ने यह मुकाबला 1-0 से जीता था। सेनेगल ने अफ्रीकी फुटबाल परिसंघ के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें जनवरी में रबात में खेले गए फाइनल में मेजबान मोरक्को को चैंपियन घोषित किया गया था। सेनेगल ने अतिरिक्त समय में मोरक्को को 1-0 से हराया था, लेकिन बाद में सीएएफ के फैसले के कारण उससे खिताब छिन गया था। फाइनल के नियमित समय के अंतिम क्षणों में सेनेगल के खिलाफ पेनाल्टी दिए जाने के बाद टीम के खिलाड़ियों ने विरोध जताते हुए मैदान छोड़ दिया था। कुछ खिलाड़ी विरोध में ड्रेसिंग रूम तक चले गए थे। करीब 14 मिनट तक खेल रुका रहा, जिसके बाद सेनेगल की टीम दोबारा मैदान पर लौटी और मुकाबला शुरू हुआ। मोरक्को पेनाल्टी को गोल में बदलने में नाकाम रहा। इसके बाद मैच अतिरिक्त समय में पहुंचा, जहां सेनेगल ने निर्णायक गोल कर जीत हासिल की।

बुमराह-अर्शदीप की जोड़ी मुम्बई के लिए एक्स फैक्टर साबित होगी : अभिनव मुकुंद



मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद ने कहा है कि इस बार आईपीएल में मुम्बई इंडियंस की टीम खिताब जीतने पूरा प्रयास करेगी। फ्रेंचाइजी का मुख्य लक्ष्य अपनी कमजोरियों को दूर करते हुए बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।। इसी को देखते हुए टीम मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ ही अर्शदीप सिंह से गेंदबाजी की शुरुआत करायेगी। टीम को उम्मीद रहेगी कि बुमराह और अर्शदीप की जोड़ी उसके लिए मुकाबलों में अंतर पैदा कर सकती है। अभिनव के अनुसार बुमराह और अर्शदीप की जोड़ी मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी आक्रमण को अभेद्य बना सकती है। उन्होंने कहा पहले की खिताबी जीतों को याद करें तो उसमें मुंबई के गेंदबाजी संयोजन की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा, जब मुंबई ने खिताब जीते, तब उनके पास लसिथ मलिंगा जैसा धारदार गेंदबाज था। इसके बाद मलिंगा और बुमराह ने एक साथ मिलकर विरोधी बल्लेबाजी को धवस्त किया। फिर कुछ समय तक बुमराह को मिच मैकक्लेनेघन का साथ मिला। टीम के पास हमेशा एक मुख्य गेंदबाज के साथ उसका बखूबी साथ निभाने वाला दूसरा गेंदबाज मौजूद रहा है।

आईएलटी20 : शमर जोसेफ की घातक गेंदबाजी से गल्फ जायंट्स की लगातार दूसरी जीत

एमआई अमीरात को 91 रन पर समेटा, इब्राहिम जादरान ने नाबाद अर्धशतक लगाकर दिलाई छह विकेट से जीत

दुबई

शमर जोसेफ की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और इब्राहिम जादरान के नाबाद अर्धशतक की बदौलत गल्फ जायंट्स ने डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के पांचवें सत्र में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम ने दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एमआई अमीरात को छह विकेट से हराया।

पहले गेंदबाजी करते हुए गल्फ जायंट्स ने एमआई अमीरात को 19.3 ओवर में 91 रन पर समेट दिया। यह लीग में एमआई अमीरात का अब तक का सबसे कम स्कोर और दुबई में लीग इतिहास का संयुक्त रूप से दूसरा सबसे कम स्कोर है।

डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 में पदार्पण कर रहे शमर जोसेफ ने 9 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि डेविड वीज ने 19 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। अल्जारी जोसेफ ने 14 रन देकर एक, अजमतुल्लाह उमरजई ने 19 रन देकर एक और हैदर रज्जाक ने 14 रन देकर एक विकेट लिया। इसके बाद इब्राहिम जादरान ने 35 गेंदों में नाबाद 50 रन बनाकर टीम को 13.5 ओवर में ही



जीत दिला दी। गल्फ जायंट्स ने 37 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी गल्फ जायंट्स को पहले ही ओवर में झटका लगा। जार्डन थाम्पसन ने रहमानुल्लाह गुरबाज को पांच गेंदों पर बिना खाता खोले आउट कर दिया। दूसरे ओवर में फजलहक फारूकी ने लियाम लिविंगस्टोन को चार गेंदों में एक रन के निजी स्कोर पर बोल्ड कर दिया।

पांचवें ओवर में अजमतुल्लाह उमरजई 11 गेंदों में छह रन बनाकर आउट हुए। आठवें ओवर में ध्रुव पाराशर (12 गेंदों में 15 रन) को राशिद खान ने अपना एकमात्र शिकार बनाया। इस समय गल्फ जायंट्स का स्कोर चार विकेट पर 50 रन था और टीम मुश्किल में दिखाई दे रही थी।

इसके बाद हेनरिक क्लासेन और जादरान ने नाबाद 43 रन की साझेदारी कर टीम को जीत तक पहुंचाया। जादरान ने पांच चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 50 रन बनाए। क्लासेन ने 16 गेंदों में 16 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल था।

इससे पहले, बल्लेबाजी करने उतरी एमआई अमीरात की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी की तीसरी गेंद पर ही अजमतुल्लाह उमरजई ने मुहम्मद वसीम को तीन गेंदों में चार रन के स्कोर पर बोल्ड कर दिया। चौथे ओवर में शमर जोसेफ ने लगातार दो विकेट लेकर एमआई अमीरात को बड़ा झटका दिया। उन्होंने कुसल परेरा (नौ गेंदों में छह रन) और संजय कृष्णमूर्ति (दो गेंदों में शून्य) को आउट किया। इससे टीम का स्कोर तीन विकेट पर 19 रन हो गया।

पावरप्ले के आखिरी ओवर में शमर ने शेरफेन रदरफोर्ड (सात गेंदों में एक रन) को बोल्ड कर अपना तीसरा विकेट हासिल किया। इस समय तक उन्होंने एक भी रन खर्च नहीं किया था और एमआई अमीरात का स्कोर चार विकेट पर 22 रन था।

इसके बाद कीरोन पोलार्ड और निकोलस पूरन ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों के बीच 29 रन की साझेदारी हुई, लेकिन 12वें ओवर में डेविड वीज ने पूरन को आउट कर दिया। पूरन ने 34 गेंदों में 23 रन बनाए। टीम का स्कोर पांच विकेट पर 51 रन हो गया। 13वें ओवर में हैदर रज्जाक ने पोलार्ड का महत्वपूर्ण विकेट हासिल किया। एमआई अमीरात के कप्तान 18 गेंदों में 13 रन बनाकर आउट हुए। इसके तुरंत बाद 15वें ओवर में राशिद खान (पांच गेंदों में सात रन) भी पवेलियन लौट गए।

जहीर खान की नई पहल इक्वल से क्रिकेट में आएगा बड़ा बदलाव, एक ही टीम में खेलेंगे महिला और पुरुष खिलाड़ी

अगस्त 2027 में जर्मनी में होगा पांच टीमों की मिश्रित टी20 लीग का पहला संस्करण, हर एकादश में छह महिला और पांच पुरुष खिलाड़ी होंगे शामिल

मुंबई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज और 2011 विश्व कप विजेता जहीर खान को नई मिश्रित टी20 क्रिकेट लीग इक्वल की अपार संभावनाओं पर पूरा भरोसा है। यह महत्वाकांक्षी पहल क्रिकेट के पारंपरिक प्रारूप को चुनौती देते हुए महिला और पुरुष खिलाड़ियों को एक ही एकादश में खेलने का अवसर देगी। इस पहल की परिकल्पना एंकर स्पोर्ट्स ने की है, जिसके सह-मालिक जहीर खान और सूचना प्रौद्योगिकी उद्यमी नागेंद्र सिद्धौताम हैं। इसे जर्मन क्रिकेट महासंघ के साथ साझेदारी में विकसित किया जा रहा है।

पहली बार इस तरह की मिश्रित महिला-पुरुष क्रिकेट लीग शुरू करने की तैयारी है। इक्वल में पेशेवर महिला और पुरुष क्रिकेटर एक साथ मैदान पर उतरेंगे। इससे टी20 प्रारूप को एक नया और समावेशी स्वरूप मिलेगा। पुरुष और महिला क्रिकेट के अलग-अलग टूर्नामेंटों की परंपरा से हटकर इस प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ी एक ही लीग में हिस्सा लेंगे। इसमें एक ही अंकतालिका होगी और एक ही टीम चैंपियन बनेगी।

प्रस्तावित प्रारूप के अनुसार, पहले संस्करण में पांच टीमें कुल 12 टी20 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। प्रत्येक टीम में 18 खिलाड़ी होंगे। हर मैच की एकादश में छह महिला और पांच पुरुष खिलाड़ी शामिल होंगे। टी20 क्रिकेट के मौजूदा नियमों को बरकरार रखते हुए इस प्रारूप



में खेलने के स्पष्ट नियम, खिलाड़ियों की सुरक्षा के उपाय और स्थानापन्न खिलाड़ियों से जुड़े प्रावधान भी शामिल किए जाएंगे, ताकि प्रतियोगिता को व्यवस्थित और प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके।

एंकर स्पोर्ट्स के सह-मालिक जहीर खान ने कहा, क्रिकेट में लोगों को एकजुट करने की ताकत है। खासकर यूरोप जैसे उभरते बाजारों में इस खेल का विकास इस बात पर निर्भर करेगा कि हम इसे कितने व्यापक दर्शक वर्ग के लिए सुलभ बना पाते हैं। इक्वल जैसी पहल इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। यह सभी लिंगों के लोगों को खेल में हिस्सा लेने, योगदान देने और क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनने का अवसर देती है।

उन्होंने कहा, 2028 में क्रिकेट की ओलंपिक खेलों में वापसी के साथ इस खेल को नए समुदायों तक पहुंचाने और इसकी वैश्विक पहुंच बढ़ाने का अवसर है। इक्वल को खास बनाने वाली बात यह है कि इसमें एक महिला और एक पुरुष क्रिकेटर एक साथ मैदान पर उतरेंगे और एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक लैंगिक अंतर रिपोर्ट 2026 के अनुसार, जर्मनी 145 अर्थव्यवस्थाओं में नौवें स्थान पर है। यह रिपोर्ट 16 सितंबर 2026 को प्रकाशित हुई थी। इसमें बताया गया है कि जर्मनी ने लैंगिक अंतर का 81.7 प्रतिशत पाट लिया है। इस पहल का उद्देश्य केवल नए प्रारूप को पेश करना नहीं, बल्कि क्रिकेट में भागीदारी, प्रतिभा विकास और प्रशंसकों की सहभागिता के लिए नए रास्ते तैयार करना भी है। महिला और पुरुष खिलाड़ियों को एक साझा व्यवस्था में लाकर यह पहल क्रिकेट के विकास के लिए समावेशी, टिकाऊ और प्रतिस्पर्धी माडल तलाशना चाहती है।

जर्मन क्रिकेट महासंघ के अध्यक्ष सेवरिन वाइस ने कहा, जर्मनी में पहले से ही महिला और पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों का एक बड़ा समुदाय मौजूद है। हमें ऐसे मंच तैयार करने की अपार संभावनाएं दिखाई देती हैं, जो इन समुदायों को अधिक व्यवस्थित और प्रतिस्पर्धी माहौल में एक साथ ला सकें। इक्वल हमें मौजूदा आधार को मजबूत करने, अधिक लोगों को खेल से जोड़ने, स्थानीय समुदायों तक क्रिकेट पहुंचाने और व्यापक दर्शक वर्ग के सामने इस खेल को पेश करने का अवसर देता है। जर्मन क्रिकेट महासंघ के उपाध्यक्ष डा. विग्नेश संकरन ने कहा, जर्मनी में क्रिकेट अपनी मजबूत जड़ें जमा रहा है और विभिन्न समुदायों के बीच इस खेल को लेकर रुचि तथा भागीदारी बढ़ रही है। इक्वल को खास बनाने वाली बात यह है कि यह अपने नए प्रारूप के जरिए इस गति को आगे बढ़ा सकता है।



देश के 3 बड़े बैंक डूबे तो देश की वित्तीय व्यवस्था और अर्थव्यवस्था हिल जाएगी

आरबीआई ने एसबीआई, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक को डी-सिब्स का दिया तमगा

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को देश के सबसे बड़े बैंकों यानी डोमेस्टिक सिस्टमेटिकली इंपार्टेंट बैंक्स की लिस्ट जारी कर दी है। ये वह बैंक हैं यदि इनमें से किसी एक पर भी संकट आया या यह डूबा, तो पूरे देश की वित्तीय व्यवस्था और अर्थव्यवस्था बुरी तरह बिगड़ सकती है। आरबीआई ने वर्ष 2026 के लिए भारतीय स्टेट बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को डी-सिब्स बैंक का तमगा दिया है। ये तीनों बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अहम हैं इन्हें टू बिग टू फेल यानी इतने बड़े कि डूब नहीं सकते माना गया है।

डी-सिब फ्रेमवर्क के तहत भारतीय रिजर्व बैंक देश के उन बैंकों की पहचान करता है, जिनका आकार, कारोबार और बैंकिंग सिस्टम में दखल इतना बड़ा है कि उनके विफल होने से पूरी अर्थव्यवस्था पर संकट आ सकता है। ऐसे बैंकों को सुरक्षित रखने के लिए आरबीआई उन पर सामान्य बैंकों के मुकाबले ज्यादा सख्त निगरानी रखता है। केंद्रीय बैंक ने 22 जुलाई 2014 को यह फ्रेमवर्क लागू किया था। इस सूची में सबसे पहले 2015 में एसबीआई को शामिल किया गया था। 2016 में आईसीआईसीआई बैंक और 2017 में एचडीएफसी बैंक को डी-सिब बैंक का दर्जा मिला।

इन तीनों बैंकों को किसी भी आपातकालीन आर्थिक संकट या नुकसान से बचाने के लिए आरबीआई ने इनके लिए कैपिटल कंजर्वेशन बफर के अलावा कुछ अतिरिक्त पूंजी अपने पास सुरक्षित रखना अनिवार्य किया है। 31 मार्च 2026 तक के आंकड़ों के आधार पर तय नई श्रेणी में इन बैंकों की स्थिति पिछले साल जैसी ही रखी गई है।

सिब (बकेट-4): देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक को बकेट-4 में रखा गया है। इसके तहत एसबीआई को अपनी रिस्क वेटेड एसेट्स के 0.80फीसदी के बराबर अतिरिक्त पूंजी बनाए रखनी होगी।

एसबीएफसी बैंक (बकेट-2): निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक को बकेट-2 में बरकरार रखा गया है, जिसके लिए 0.40फीसदी अतिरिक्त केट1 पूंजी रखना अनिवार्य है।

आईसीआईसीआई बैंक (बकेट-1): इसे बकेट-1 में रखा गया है और इसे अपनी जोखिम-भारित परिसंपत्तियों के 0.20फीसदी के बराबर एक्स्ट्रा पूंजी सुरक्षित रखनी होगी। आरबीआई ने इन बैंकों के सिस्टम इंपार्टेंस स्कोर के आधार पर कुल पांच बकेट तय किए हैं।

इन बकेट्स के तहत बैंकों को 0.20फीसदी से लेकर 1फीसदी तक अतिरिक्त पूंजी रखनी होती है। बैंक जिस ऊंचे बकेट में होगा, उसे उतना ही ज्यादा एक्स्ट्रा पैसा रिजर्व रखना पड़ेगा। हालांकि, 2026 की सूची में किसी भी बैंक को बकेट-3 या बकेट-5 में शामिल नहीं किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

कोका-कोला या पेप्सी नहीं आजकल लोग का भा रहा लाहौरी जीरा, मसालों से है भरपूर



नई दिल्ली। आजकल कोल्ड ड्रिंक्स कोका-कोला और पेप्सी की जगह लाहौरी जीरा तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। लोग इसे एक स्वस्थ विकल्प के रूप में देख रहे हैं, क्योंकि यह सोडा-आधारित होने के साथ-साथ जीरा और मसालों से भरपूर है, जो पाचन के लिए फायदेमंद है। इस देसी ड्रिंक की बढ़ती मांग ने बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा खड़ी कर दी है। लाहौरी जीरा की कहानी 2017 में पंजाब के तीन चचेरे भाइयों, सौरभ मुंजाल, निखिल डोडा और सौरभ भूटना की एक साधारण रसोई के प्रयोग से शुरू हुई। निखिल डोडा ने घर पर ही जीरे और मसालों से एक ठंडी, मसालेदार ड्रिंक बनाई, जिसका स्वाद तीनों भाइयों को इतना पसंद आया कि उन्होंने इसे व्यावसायिक रूप देने का फैसला किया। परिवार से शुरुआती आर्थिक मदद मिलने के बाद, उनका यह छोटा सा प्रयोग करीब नौ सालों में एक बड़े ब्रांड में बदल गया। लाहौरी जीरा की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण इसकी किफायती कीमत भी है, क्योंकि इसकी एक बोतल सिर्फ 10 रुपए की है। यह देसी स्वाद और सोडा का अनूठा मिश्रण प्रदान करता है, जो उन उपभोक्ताओं को आकर्षित कर रहा है जो कोल्ड ड्रिंक में कुछ अलग चाहते हैं। कम कीमत और देसी स्वाद के कारण यह छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े बाजारों तक अपनी जगह बना रहा है। कंपनी के सीईओ सौरभ मुंजाल के मुताबिक पिछले साल कंपनी ने अपना उत्पादन दोगुना करके रोजाना 12 लाख बोतल कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद वह ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा नहीं कर पा रही है। कंपनी को उम्मीद है कि इस साल उसका सालाना कारोबार 115 से 120 मिलियन डालर यानी करीब 1,112 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है।

चावल निर्यात पर 20 फीसदी ड्यूटी की तैयारी, घरेलू कीमतें होंगी स्थिर



नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई और चावल की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार एक बड़ा कदम उठाने पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार सरकार चावल की कुछ विशेष किस्मों, खासकर टूटे चावल और महंगी गैर-बासमती चावल किस्मों के निर्यात पर 20 फीसदी तक एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाने की तैयारी में है। इस संभावित फैसले का मुख्य उद्देश्य घरेलू बाजार में चावल की कीमतों को स्थिर करना और उपभोक्ताओं पर पड़ रहे आर्थिक बोझ को कम करना है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत में खाने-पीने की चीजों के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं, जिससे आम जनता पर काफी आर्थिक बोझ पड़ा है। दाल, चावल और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है। जानकारों के मुताबिक, देश के कुछ हिस्सों, विशेषकर दक्षिणी राज्यों में प्रीमियम गैर-बासमती चावल की कीमतों में उछाल आया है और इसकी उपलब्धता भी घटी है। इसके अलावा, टूटे चावल के दाम बढ़ने से पोल्ट्री और पशु चारे से जुड़े उद्योगों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सरकार का लक्ष्य है कि निर्यात पर अंकुश लगाकर घरेलू बाजार में चावल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिससे स्थानीय कारोबारियों और उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

बजाज पल्सर आरएस200 को नए अपडेट्स के साथ उतारा



नई दिल्ली। भारतीय बाजार में बजाज पल्सर आरएस200 को नए अपडेट्स के साथ उतारा गया है। नई पल्सर आरएस200 में अब इलेक्ट्रानिक थ्राटल बाडी, मल्टीपल राइड मोड्स, ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम और क्विकशिफ्टर जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलती हैं। कंपनी ने इस स्पोर्ट्स बाइक में कई महत्वपूर्ण तकनीकी और फीचर संबंधी बदलाव किए हैं, जिससे राइडिंग अनुभव और भी बेहतर होने का दावा किया जा रहा है। नए अपडेट्स से न केवल बाइक का प्रदर्शन बेहतर होता है, बल्कि विभिन्न ड्राइविंग परिस्थितियों में चालक को अधिक नियंत्रण और सुरक्षा भी मिलती है। इसके अलावा, बाइक में 5 इंच का नया टीएफटी इंस्ट्रूमेंट कंसोल दिया गया है, जो पुराने कलर एलसीडी डिस्प्ले की जगह लेता है। यह नया डिस्प्ले गूगल मैप्स मिररिंग सुविधा के साथ आता है।

2027 तक सोने का अंतर्राष्ट्रीय भाव 4,650 डालर प्रति ट्राय औंस तक पहुंच सकता है

गोल्डमैन सैक्स ने सोने की इस संभावित तेजी के पीछे तीन प्रमुख वजहें बताई

नई दिल्ली

प्रमुख वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने सोने की कीमतों को लेकर एक बड़ा अनुमान जताया है। बैंक का मानना है कि वर्ष 2027 के आखिर तक सोने का अंतर्राष्ट्रीय भाव 4,650 डालर प्रति ट्राय औंस तक पहुंच सकता है। गोल्डमैन सैक्स ने सोने की इस संभावित तेजी के पीछे तीन प्रमुख वजहें बताई हैं, जिनमें सेंट्रल बैंकों की बढ़ती खरीदारी, चीन द्वारा अपने सोने के भंडार में हिस्सेदारी बढ़ाने की योजना और भविष्य में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना शामिल है।

मीडिया रिपोर्ट में बैंक के मुताबिक दुनिया भर के सेंट्रल बैंक लगातार सोने की खरीदारी कर रहे हैं, जिसका एक बड़ा कारण रूस के विदेशी मुद्रा भंडार को फ्रीज किया जाना रहा है। इस घटना के बाद कई देशों ने अपने रिजर्व में सोने को ज्यादा महत्व देना शुरू किया है। गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि 2028 तक सेंट्रल बैंक हर महीने औसतन 60 टन सोना खरीद सकते हैं, जबकि 2022 से पहले यह औसत मात्र 17 टन प्रति माह था।

दूसरी वजह चीन की बढ़ती मांग है। चीन की अर्थव्यवस्था दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी है और उसके कुल विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी करीब 11.8 फीसदी है। गोल्डमैन सैक्स का मानना है कि चीन भविष्य में इसे बढ़ाकर 20 फीसदी तक कर सकता है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग और मजबूत होगी। तीसरी प्रमुख वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले हैं। बैंक का अनुमान है कि दिसंबर 2026 और मार्च 2027 में ब्याज दरों में 0.25-0.25 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद जब ब्याज दरों में कटौती का दौर शुरू होगा, तो पश्चिमी देशों के निवेशकों की सोने में दिलचस्पी फिर से बढ़ेगी, जिससे कीमतों को और मजबूती मिलेगी।

गोल्डमैन सैक्स ने चांदी के मुकाबले सोने को ज्यादा मजबूत समर्थन मिलने का भी अनुमान लगाया है, क्योंकि सेंट्रल बैंक बड़े पैमाने पर सोने की खरीदारी करते हैं, जो चांदी को संस्थागत स्तर पर नहीं मिलता। बैंक ने 2028 के अंत तक सोने का भाव 5,600 डालर प्रति ट्राय औंस तक पहुंचने का अनुमान है।



ट्रंप के दबाव में दोबारा सीईओ नहीं बना, बोर्ड ने गहन जांच के बाद लिया फैसला, एनवीडिया के जेन्सेन हुआंग ने वापसी को लेकर चल रही खबरों का किया खंडन

नई दिल्ली। एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग ने कंपनी में अपनी वापसी को लेकर चल रही अटकलों पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने उन सभी खबरों का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में उन्हें दोबारा सीईओ बनाया गया है। जेन्सेन हुआंग ने साफ किया कि कंपनी के बोर्ड ने सभी तथ्यों और परिस्थितियों की गहन जांच के बाद यह फैसला लिया और उनकी वापसी कंपनी और उसके शेयरधारकों के हित में थी। कर्मचारियों के साथ अपनी पहली बैठक में जेन्सेन हुआंग ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी गलतियों को स्वीकार करते हुए माफी भी मांगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि उनके व्यवहार से उनकी पत्नी लोरी, बच्चों और कंपनी के कर्मचारियों को दुख पहुंचा है। उन्होंने अपनी बेवफाई की बात कबूल की और बताया कि वे अपनी गलतियों को सुधारने के लिए प्रतिदिन 90 मिनट की थेरेपी ले रहे हैं। हुआंग ने इस बात पर जोर दिया कि कंपनी पूरी तरह राजनीति से दूर है, हालांकि उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की एनवीडिया के प्रति प्रशंसा की सराहना की। इस बैठक में जेन्सेन ने कर्मचारियों को कंपनी के कोड आफ कंडक्ट का कड़ाई से पालन करने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि उनकी वापसी का यह मतलब नहीं है कि किसी को भी नियमों को तोड़ने की छूट मिल गई है, और कंपनी के नियमों का उल्लंघन किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक जेन्सेन हुआंग की वापसी के बाद एनवीडिया के शेयर 31फीसदी तक उछले थे, लेकिन अगले ही कारोबारी दिन इनमें करीब 7फीसदी की गिरावट आ गई। इस गिरावट का असर व्यापक अमेरिकी शेयर बाजार पर भी पड़ा। एआई उद्योग को लेकर बढ़ती चिंताएं और अमेरिका द्वारा नए टैरिफ लगाने की आशंका के कारण नैस्डैक 100 इंडेक्स कारोबार के दौरान 3फीसदी तक टूट गया और अंत में 2फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि एसएंडपी 500 में भी 0.5फीसदी की कमजोरी दर्ज की गई।

नहीं बढ़े घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम, उपभोक्ताओं को राहत



नवंबर की शुरुआत में कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में हुई थी बढ़ोतरी

नई दिल्ली

बुधवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई नया बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, नवंबर की शुरुआत में तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की थी।

दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू गैस सिलेंडर अब भी 942 रुपए में मिल रहा है, जबकि 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़कर 2,820 रुपए हो गई है। कमर्शियल सिलेंडर के दाम में नवंबर की शुरुआत में दिल्ली में 10 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी, जबकि मुंबई में 10.50, कोलकाता में 17 और चेन्नई में 11.50 रुपए का इजाफा हुआ था।

कमर्शियल सिलेंडर का इस्तेमाल मुख्य रूप से होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों जैसी व्यावसायिक जगहों पर होता है। ऐसे में इनकी कीमतों में बढ़ोतरी से कारोबारियों की लागत बढ़ती है, जिसका सीधा असर बाहर खाना खाने वाले ग्राहकों की जेब पर पड़ सकता है।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बड़ी बढ़ोतरी मार्च 2026 में हुई थी, जब 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर के दाम में 60 रुपये का इजाफा किया गया था। इसके बाद जून में भी कीमतों में बदलाव हुआ और दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942 रुपए का हो गया। नवंबर में घरेलू गैस के दाम स्थिर रखे गए हैं, जिससे फिलहाल घरों में इस्तेमाल होने वाले सिलेंडर के लिए ग्राहकों को पिछले महीने जितनी ही कीमत चुकानी पड़ रही है।

देश के कई शहरों में एलपीजी सिलेंडर के दाम में अंतर देखने को मिलता है। दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 939.50 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 2,820 रुपए में उपलब्ध है। मुंबई में घरेलू सिलेंडर 941.50 रुपए, जबकि कमर्शियल सिलेंडर 2,774.50 रुपए का है। इसी तरह, पटना में घरेलू सिलेंडर 1,031.50 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 3,110.50 रुपए का है। लखनऊ में घरेलू सिलेंडर 979.50 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर 2,932.50 रुपए में मिल रहा है। उपभोक्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपने शहर के ताजा रेट की जानकारी के लिए तेल कंपनियों की वेबसाइट देखें।

सीतारमण ने व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विशेषज्ञों के साथ की बैठक



नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई दिल्ली में स्कूली शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और खेल क्षेत्रों के विशेषज्ञों तथा हितधारकों के साथ बुधवार को केंद्रीय बजट 2027-28 को लेकर चर्चा की। वित्त मंत्रालय के मुताबिक नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में हुई 12वीं पूर्व-बजट परामर्श बैठक में स्कूली शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और खेल क्षेत्रों के विशेषज्ञों तथा हितधारकों के साथ चर्चा की गई। अगामी केंद्रीय बजट 2027-28 के लिए आयोजित बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, और स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिवों; खेल विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों तथा भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने भी भाग लिया, ताकि बजट बनाते समय देश की प्रमुख आर्थिक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए नीति निर्माण किया जा सके। वित्त मंत्रालय प्रत्येक वर्ष केंद्रीय बजट से पहले उद्योग जगत, अर्थशास्त्रियों, विशेषज्ञों, राज्य सरकारों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ कई दौर की बजट पूर्व परामर्श बैठकें करता है, ताकि बजट में विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों के सुझावों को शामिल किया जा सके।

क्विक-कामर्स डिलीवरी बाय ने पहले महीने में ही कमाए 39,000, सुनकर सब हैरान

नई दिल्ली

क्विक-कामर्स प्लेटफार्म्स के जरिए 10 मिनट में सामान आप तक पहुंचाने वाले डिलीवरी बायज की कमाई को लेकर अक्सर चर्चा होती है। हाल ही में चंडीगढ़ के एक ब्लिंकिट डिलीवरी पार्टनर ने अपने पहले महीने की कमाई का खुलासा करके लोगों को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने पहले महीने में करीब 39,000 रुपए कमाए हैं, जो कि कई पारंपरिक नौकरियों से ज्यादा है। यह डिलीवरी पार्टनर, जिन्होंने अपनी पहचान गोपनीय रखी, उन्होंने एक सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपना अनुभव साझा किया।

उन्होंने बताया कि पहले महीने की नौकरी का अनुभव काफी अच्छा रहा और उन्हें कोई बड़ी समस्या नहीं आई। आमतौर पर वह सप्ताह के दिनों में करीब 12 घंटे काम करते हैं, लेकिन सप्ताहांत में ग्राहकों के आर्डर बढ़ जाने के कारण उनकी शिफ्ट करीब 16 घंटे तक खिंच जाती है। इस कमाई में डिलीवरी शुल्क के साथ-साथ ग्राहकों से मिलने वाली टिप भी शामिल है। डिलीवरी पार्टनर ने उन लोगों को कुछ अहम सलाह भी दी है, जो डिलीवरी बाय बनने के बारे में सोच रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने सुझाव दिया कि यदि आप इस काम में उतरने की योजना बना रहे हैं, तो सबसे पहले एक इलेक्ट्रिक बाइक खरीद लें। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ जैसे विकसित और संपन्न शहर में, जहां अच्छी खासी टिप मिलती है, इलेक्ट्रिक बाइक से काम करना काफी आसान हो जाता है और ईंधन का खर्च भी बचता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह काम शारीरिक रूप से काफी थका देने वाला हो सकता है। 12 से 16 घंटे की लंबी शिफ्ट उन लोगों के लिए मुश्किल हो सकती है जो शारीरिक रूप से अक्षम हैं।

यह मामला क्विक-कामर्स प्लेटफार्म पर काम करने वाले डिलीवरी पार्टनर्स की आय और उनके काम की परिस्थितियों पर नई रोशनी डालता है, साथ ही गिग इकोनामी में अवसरों और चुनौतियों को भी दर्शाता है।



बान्ड बाजार में उतार-चढ़ाव: छोटी अवधि का पैसा कहां लगाएं, जानें सही रास्ता

निवेश से पहले सावधान, एग्जिट लोड और क्रेडिट जोखिम को समझें

नई दिल्ली

हाल के दिनों में बान्ड बाजार में जारी उतार-चढ़ाव ने निवेशकों के लिए छोटी अवधि के निवेश विकल्प चुनने की चुनौती बढ़ा दी है। जिन निवेशकों के पास अगले तीन महीने से एक साल तक के लिए अतिरिक्त फंड है, वे अक्सर बैंक एफडी और विभिन्न डेट म्यूचुअल फंड जैसे लिक्विड, अल्ट्रा शार्ट ड्यूरेशन या मनी मार्केट फंड के बीच असमंजस में रहते हैं। ऐसे माहौल में यह समझना महत्वपूर्ण है कि आपकी जरूरत और निवेश की अवधि के हिसाब से कौन सा विकल्प सबसे उपयुक्त है। बान्ड बाजार में उतार-चढ़ाव और निवेश पर असर पिछले कुछ महीनों में बान्ड यील्ड में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है।

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 10 साल के सरकारी बान्ड की यील्ड 24 जुलाई को 6.84 फीसदी थी, जो 23 अक्टूबर तक बढ़कर 7.52 फीसदी पहुंच गई और 13 नवंबर को घटकर 7.34 फीसदी रह गई। बान्ड यील्ड बढ़ने से पहले से जारी बान्ड की कीमतें गिरती हैं, जिसका सीधा असर डेट फंडों के रिटर्न पर पड़ता है। वहीं, डेट म्यूचुअल फंड में निवेश का ट्रेंड भी अस्थिर रहा है, अक्टूबर में 1.13 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया, जबकि सितंबर में 1.83 लाख करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। ऐसे में निवेशकों को सोच-समझकर फैसला लेना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार अगर आप एक से तीन महीने के लिए पैसा लगाना चाहते हैं, तो लिक्विड फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इनमें ब्याज दरों में बदलाव का असर आमतौर पर कम होता है और पैसा निकालने की सुविधा भी मिलती है। ये फंड अधिकतम 91 दिनों की मैच्योरिटी वाले साधनों में निवेश करते हैं, जिससे अपेक्षाकृत स्थिर रिटर्न की संभावना रहती है।



हालांकि, इनमें शुरुआती छह दिनों में पैसा निकालने पर एग्जिट लोड लग सकता है और ओवरनाइट फंड के मुकाबले थोड़ा क्रेडिट जोखिम हो सकता है क्योंकि ये कमर्शियल पेपर और सर्टिफिकेट आफ डिपाजिट जैसे साधनों में भी निवेश करते हैं। वहीं बहुत कम अवधि, खासकर अगर आपको एक हफ्ते के भीतर पैसों की जरूरत है, तो ओवरनाइट फंड सबसे उपयुक्त माने जाते हैं। इनमें जोखिम लगभग न के बराबर होता है, हालांकि रिटर्न लिक्विड फंड से थोड़ा कम हो सकता है। जानकारों का यह भी मानना है कि ब्याज दरें बढ़ने के माहौल में लिक्विड और ओवरनाइट फंड दोनों को फायदा मिल सकता है, क्योंकि इनके निवेश साधन जल्दी मैच्योर होते हैं और रकम नई, ऊंची ब्याज दरों पर दोबारा निवेश की जा सकती है। निवेशकों को अपनी जोखिम लेने की क्षमता और सटीक निवेश अवधि के आधार पर ही इन विकल्पों का चुनाव करना चाहिए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 26 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

नशामुक्त भारत के लिए किशन रेड्डी ने की पदयात्रा

अभियान को हैदराबाद में मिला व्यापक जनसमर्थन





नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के नेतृत्व में आयोजित तीन दिवसीय पदयात्रा का अंबरपेट में भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर तेलंगाना बीजेपी प्रवासी प्रकोष्ठ के संयोजक सुभाष अग्रवाल, उमेश शर्मा एवं सुरेश शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हैदराबाद, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के नेतृत्व में बुधवार को अंबरपेट से तीन दिवसीय 'हैदराबाद वॉक्स फॉर नशामुक्त भारत' पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। इसमें हजारों विद्यार्थियों, शिक्षकों, फिल्मी हस्तियों, धार्मिक नेताओं एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

अभिनेता वेंकटेश ने अंबरपेट स्थित महाकाली मंदिर से पदयात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। केंद्र सरकार के नशामुक्त भारत मिशन के अंतर्गत आयोजित यह अभियान 27 नवंबर तक जारी रहेगा। पदयात्रा फिल्म नगर से होते हुए जुबली हिल्स में संपन्न होगी।

सभा को संबोधित करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि नशामुक्त भारत कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के 140 करोड़ नागरिकों का जनआंदोलन है। उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों, शिक्षकों, अभिभावकों, स्वयंसेवी संगठनों एवं राजनीतिक दलों से विद्यार्थियों को नशे की लत से बचाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की 25 प्रतिशत से अधिक आबादी विद्यार्थी वर्ग की है और उनकी सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि असामाजिक तत्व शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों एवं आवासीय क्षेत्रों के आसपास चॉकलेट और बिस्कुट जैसे उत्पादों के रूप में नशीले पदार्थों का प्रलोभन देकर विद्यार्थियों को नशे की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं।

किशन रेड्डी ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश के युवाओं को नशे से बचाना जरूरी है। उन्होंने घोषणा की कि नशीले पदार्थों के निर्माण, आपूर्ति एवं बिक्री में शामिल लोगों को न्याय के कटघरे में लाने तक यह अभियान जारी रहेगा। उन्होंने अभियान में विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों का आभार व्यक्त किया।

पहले दिन विद्यार्थियों ने हाथों में नशाविरोधी संदेश लिखी तख्तियां लेकर तथा नशे के खिलाफ नारे लगाते हुए पदयात्रा में भाग लिया। पदयात्रा उस्मानिया विश्वविद्यालय, आर्ट्स कॉलेज, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय और गांधी अस्पताल से होकर गुजरी तथा मुशीराबाद स्थित कशिश फंक्शन हॉल में संपन्न हुई। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान एक दिन का कार्यक्रम न होकर निरंतर चलने वाला सामाजिक आंदोलन बनना चाहिए। उन्होंने इस पहल को भाजपा का समर्थन देने का आश्वासन देते हुए नागरिकों से राजनीतिक विचारधारा से ऊपर उठकर इसमें भाग लेने की अपील की। भाजपा विधायक दल के नेता एवं निर्मल विधायक ए. महेश्वर रेड्डी ने कहा कि देश माओवाद, नक्सलवाद एवं आतंकवाद जैसी चुनौतियों का सामना कर चुका है और अब उसे नशीले पदार्थों तथा नार्को आतंकवाद की चुनौती से निपटना होगा।

युवाओं से नशे के खिलाफ नेतृत्व की अपील

उस्मानिया विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने उनसे नशे के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने का आह्वान किया। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि नशामुक्त तेलंगाना का लक्ष्य हासिल करना नशामुक्त भारत के उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक है। अभिनेता वेंकटेश ने युवाओं से नशे से दूर रहने और साथियों के दबाव में गलत रास्ता न अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा, नशे को ना कहें और जीवन को हां कहें। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, कौशल विकास एवं अपने करियर के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

अभिनेता निखिल सिद्धार्थ एवं अभिनेत्री पायल राजपूत ने भी अभियान को समर्थन दिया। पायल राजपूत ने आर्ट्स कॉलेज में आयोजित सभा में भाग लिया। धार्मिक नेताओं आत्माराम महाराज, योगेश प्रभु, शिव स्वामी, कृष्णा चामुंडेश्वरी माहेश्वरी, गिरि स्वामी एवं शंकर स्वामी ने चिलकलगुड़ा चौराहे पर पदयात्रा में भाग लिया।

अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल शाखा का दीपावली स्नेह मिलन व अन्नकूट महाप्रसादी संपन्न



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल शाखा के तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन, भव्य अन्नकूट महाप्रसादी एवं डांडिया कार्यक्रम हर्षोल्लास और भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

अग्रवाल समाज अत्तापुर सेंट्रल शाखा की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में मंत्री राजेशकुमार अग्रवाल ने बताया कि रविवार, 22 नवंबर 2026 को रात 7 बजे से कोकापेट स्थित नारसिंगी गौशाला, हैदराबाद में भव्य अन्नकूट महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में श्री जगन्नाथ मठ, सितारामबाग के महंत अच्युत रामानुजाचार्य तथा सम्माननीय अतिथि के रूप में भागवत कथावाचक डॉ. अमिताचार्य, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के अध्यक्ष जसमतभाई पटेल एवं जागीरदार फाउंडेशन के मंत्री रिद्धीश जागीरदार आदि ने सहभागिता की।

शाखा अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने पधारे सभी समाजबंधुओं का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्याम बाबा एवं महाराजा अग्रसेन की तस्वीरों पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात श्याम बाबा की आरती की गई। उपस्थित अतिथियों एवं सहयोगियों का समाज की ओर से अभिनंदन किया गया। मंत्री राजेश अग्रवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने अग्रवाल समाज की केंद्रीय शाखा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विशेष रूप से वीरेंद्र अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, रामकिशन अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, प्रशांत गुप्ता, सुरेश बंसल तथा केंद्रीय शाखा के सभी सदस्यों की सेवाओं की सराहना की। उन्होंने उन सेवाभावी लोगों के प्रति भी धन्यवाद व्यक्त किया, जो सदस्य नहीं होते हुए भी आयोजन में सेवा प्रदान कर रहे थे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न डांडिया प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित प्रतिभागियों को चांदी के सिक्के प्रदान कर सम्मानित किया गया। दीपावली स्नेह मिलन एवं अन्नकूट महाप्रसादी के अवसर पर समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष रामकिशन अग्रवाल, मंत्री राजेशकुमार अग्रवाल, सहमंत्री सुरेश बंसल, कोषाध्यक्ष वीरेंद्रकुमार अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य एवं उपाध्यक्ष नवीन अग्रवाल तथा प्रशांत गुप्ता, सुशांत अग्रवाल, राजकुमार गोयल, कमलेश सरावगी, गोपाल अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, विनय अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

निस्वार्थ अन्नसेवा ही सच्ची मानव सेवा: जगत नारायण अग्रवाल



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे सेवाभाव, श्रद्धा और समर्पण के साथ जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया। स अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का एक महत्वपूर्ण अंग है। हमारे धर्मशास्त्रों में अन्नदान को श्रेष्ठ दान माना गया है, क्योंकि अन्न से ही जीवन का आधार जुड़ा हुआ है। किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराकर उसके चेहरे पर संतोष और मुस्कान लाना अपने आप में सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि सच्ची सेवा वही है, जिसमें किसी प्रकार का स्वार्थ, अपेक्षा या दिखावा न हो, बल्कि दूसरों के दुख-दर्द को समझते हुए उनके प्रति प्रेम और संवेदना का भाव रखा जाए।

जगत नारायण अग्रवाल ने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल अन्नदान करना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत बनाना भी है। सेवा किसी जाति, धर्म, वर्ग अथवा अमीरी-गरीबी का भेद नहीं करती। जरूरतमंद की सहायता करना और प्रत्येक जीव के प्रति दया एवं करुणा रखना ही सच्चे अर्थों में धर्म का पालन है। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग मिलकर निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करते हैं, तब एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण होता है और दूसरों को भी अच्छे कार्यों के लिए प्रेरणा मिलती है।

उन्होंने सभी सदस्यों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में सेवा को एक संस्कार के रूप में अपनाएं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहें। मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है। यदि हमारा छोटा-सा प्रयास किसी भूखे के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है, तो इससे बड़ा संतोष और सौभाग्य कुछ नहीं हो सकता। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल धरशुवाले, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल एवं वेंकट राव सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर अन्नदान सेवा में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से सेवा, समर्पण और मानवता का संदेश दिया गया।

तुलसी विवाह एवं अन्नकूट प्रसादी का आयोजन संपन्न



हैदराबाद, 23 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल समाज एवं राजस्थानी ब्राह्मण सभा के कर्मठ कार्यकर्ता श्री रतन लाल दामोदर लाल जोशी परिवार की ओर से श्री रामदरबार पंचायती बाड़ा में तुलसी विवाह एवं अन्नकूट प्रसादी का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भगवान की बारात निकाली गई। विधिवत तुलसी विवाह संपन्न होने के पश्चात आरती की गई तथा अन्नकूट महाप्रसादी प्रारंभ हुई। इस धार्मिक आयोजन में स्वजातीय बंधुओं एवं इष्ट-मित्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर नंदलाल जोशी, गणपत जोशी, राधेश्याम जोशी, महेश जोशी (चिंटू), अंश जोशी, वंश जोशी, रामकिशोर जोशी, नर्सिंग जोशी, रामेश्वरलाल जोशी (एलआईसी), रामरतन तिवारी, रामप्रकाश तिवारी, रामकिशोर तिवारी, पवन तिवारी, पारस व्यास (नवोड़ा), रामदेव नागला, भगवान व्यास (निंबेडा), रंगलाल ओझा, मुरलीधर तिवारी, भगवान व्यास (बिलाल), राजेश ओझा, चंपालाल ओझा, कन्हैयालाल उपाध्याय, रामदेव व्यास, विनोद व्यास, कमलनारायण उपाध्याय, कन्हैयालाल ओझा, नर्सिंग उपाध्याय, रामदेव उपाध्याय (भक्तुर बावरी), पवन व्यास (बावरा), मनोज व्यास (निंबेडा), सतवीर उपाध्याय, कन्हैयालाल उपाध्याय (जैतारण) एवं अज्जू गुरु वैष्णव सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु एवं इष्ट-मित्र उपस्थित रहे।

मोतीलाल दामोदर लाल जोशी एवं समस्त जोशी परिवार, पिपलिया खुर्द ने आयोजन में शामिल होकर स्नेह एवं सहयोग प्रदान करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा सभी को जय श्री कृष्ण कहकर शुभकामनाएं दीं।

महाकालेश्वर मंदिर में भव्य अन्नकूट महोत्सव संपन्न



हैदराबाद, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मीरालममंडी स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में अन्नकूट महोत्सव मंगलवार, 24 नवंबर को भव्य रूप से श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ।

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर भगवान शिव पंचायतजी, श्री महाकालेश्वरी, श्री गिरिराजजी एवं श्री हनुमानजी का भव्य श्रृंगार किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह 9 बजे सामूहिक श्री सत्यनारायण स्वामी व्रत कथा, दोपहर 12:30 बजे गौमाता पूजा, 1 बजे तुलसी पूजा, शाम 5:30 बजे सहस्रदीप अलंकरण एवं आकाशदीप, 6:30 बजे महाअन्न पूजा तथा 7 बजे पंचआरती एवं सामूहिक आरती का आयोजन किया गया।

रात 8:15 बजे से महाअन्नकूट एवं प्रसाद वितरण प्रारंभ हुआ।

अन्नकूट महोत्सव में लगभग 6,000 से अधिक भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों एवं मंदिर समिति के सदस्यों की उपस्थिति रही।

भाग्यनगर कावड़ सेवा संघ की महिला अध्यक्ष रूबी मिश्रा, पंकज वर्मा, महामंत्री कमल किशोर मालानी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, घांसी बाजार डिवीजन अध्यक्ष नितेश कुमार अग्रवाल, वेंकटेश प्रसन्न, अनिल बजाज, संतोष, धनराज, संजय बजाज, प्रेम अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मंदिर समिति के अध्यक्ष गाजुला अंजैय्या ने अन्नकूट महोत्सव को भव्यता प्रदान करने तथा आयोजन में उपस्थित होकर भगवान के दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण करने वाले सभी भक्तों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। संबंधियों से आपको सहायता प्राप्त होगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। काम को मनोरंजन के साथ न मिलाएँ। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर टहलना पसंद करेंगे। ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। जो लोग आपके क़रीब हैं, वे आपका ग़लत फ़ायदा उठा सकते हैं। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। जिसे आप चाहते हैं, उसके साथ आपका तल्ख़ स्वैया आपके रिश्ते में दूरी बढ़ा सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको हर कोई गंभीरता से सुनेगा। आप ख़ुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफ़ी ख़ाली समय मिलने की संभावना है। ख़ाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफ़ा होगा। बहन की शादी की ख़बर आपके लिए ख़ुशी का सबब लेकर आएगी। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज धार्मिक कामों में आप अपना ख़ाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। जल्दबाज़ी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। अपने बच्चों के साथ एक दोस्ताना रिश्ता विकसित करें। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे आने वाले अच्छे वक़्त की ओर देखें। आपकी कोशिशें फलदायी रहेंगी। क्योंकि आप किसी ख़ास के साथ की कमी महसूस कर रहे हैं। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। यात्रा करना फ़ायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अनचाहा कोई महमान आज आपके घर आ सकता है जिसके आने से आपको घर के उन समानों पर भी खर्चा करना पड़ सकता है जिनको आपने अगले महीने पर टाला हुआ था। जिनसे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आपका प्रिय आज रोमांटिक मूड में होगा। चीज़ें कार्यक्षेत्र में बेहतर नज़र आती हैं। पूरे दिन आपका मिज़ाज बढ़िया रहेगा। ख़ाली समय में आज आप कोई उपन्यास अथवा कोई धार्मिक ग्रन्थ पढ़ के वांस्थित को दूर कर सकते हैं। आपका जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ़ करेगा और आप पर बहुत स्नेह उड़ेलेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। आज आप नए दोस्त बनाने में सफल साबित होंगे। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से कारोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। वकील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा चिंता और तनाव की आदत आपकी सेहत बर्बाद कर सकती है। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आपका ऐसा व्यवहार न केवल आपके परिवार को दुःखी कर सकता है, बल्कि संबंधों में दूरी भी पैदा कर सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है। इस राशि के विवाहित जातकों को आज ससुराल पक्ष से धन लाभ होने की संभावना है। अपने मेहमानों से ख़राब बर्ताव न करें। आज हो सकता है कि पहली नज़र में ही आपको कोई पसंद कर ले। अगर आप सेमिनार और व्याख्यान आदि में शिरकत करेंगे, तो कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज सोच-समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है- जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी। लेकिन इस काम में आप ख़ुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपका लापरवाह रवैया आपके माता-पिता को दुःखी कर सकता है। कोई भी नयी परियोजना शुरू करने से पहले उनकी राय भी जान लें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 26 नवंबर 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया दोपहर 01:17 तक
नक्षत्र : मृगशिरा सायं 05:48 तक
योग : सिद्ध प्रातः 07:50 तक
करण : गर दोपहर 01:17 तक
चन्द्रराशि : वृषभ प्रातः 07:12 तक
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 11:31 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

महावीर इंटरनेशनल और लायंस क्लब द्वारा 254 विद्यार्थियों की नेत्र एवं दंत जाँच



हैदराबाद, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद एवं लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में साधु राम आई हॉस्पिटल के सहयोग से सोमवार को जीबीएचएस बी.आर. स्कूल, बोलारम, रिसाला बाजार में मेगा निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर में कुल 254 विद्यार्थियों की आँखों की जाँच की गई, जिनमें से 4 विद्यार्थियों में आँखों से संबंधित समस्याएँ पाई गईं। बच्चों की समय पर जाँच कर उन्हें उचित चिकित्सा मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल रही।

इसी अवसर पर विद्यालय परिसर में मल्ला रेड्डी वूमेन्स कॉलेज की मोबाइल डेंटल बस के माध्यम से दंत जाँच शिविर भी आयोजित किया गया। डॉ. सुष्मिता एवं उनकी चिकित्सकीय टीम ने 254 विद्यार्थियों के दाँतों की जाँच की तथा उन्हें दाँतों की स्वच्छता एवं देखभाल के संबंध में आवश्यक जानकारी प्रदान की।

इस सेवा कार्य में श्री कानमलजी, श्रीमती सुवा बाई, श्रीमती अंजू देवी, श्री सुरेशजी, श्री रमेशजी, श्री अशोकजी, वीर विनोद संचेती एवं अंश संचेती का विशेष सहयोग एवं योगदान रहा।

इस अवसर पर वीर विनोद संचेती, वीर शील कुमार जैन, वीर अनिल बोहरा, वीर अशोक खींचा, वीर अनिल कत्रेला, सुरेशजी सा, वीरा कल्पना बरलोटा, संजयजी सा, धर्मेंद्र बोहरा एवं अंचल बोहरा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान सभी प्रायोजकों, संचेती परिवार, सुरेशजी सा, वीर विनोद संचेती, विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं चिकित्सकों को क्षेत्रीय सचिव वीर शील कुमार जैन द्वारा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके सहयोग, समर्पण एवं समाजसेवा के प्रति योगदान के लिए कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से किया गया।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद के चेयरमैन वीर विनोद संचेती ने सफल आयोजन के लिए सभी सहयोगियों, प्रायोजकों, चिकित्सकों एवं विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त किया।

यह पहल बच्चों के स्वास्थ्य, जागरूकता एवं बेहतर भविष्य के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। नेत्र एवं दंत चिकित्सा जैसी आवश्यक सुविधाएँ बच्चों तक निःशुल्क पहुँचाना वास्तव में सराहनीय सेवा कार्य है।

महावीर इंटरनेशनल का उद्देश्य मानव सेवा, करुणा और समर्पण के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य एवं सेवा सुविधाएँ पहुँचाना है।

स्वस्थ आँखें, स्वस्थ मुस्कान – उज्ज्वल भविष्य की पहचान।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप ने किया अन्नदान



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्न-सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ जरूरतमंदों को अन्नदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित सुभाष अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल पुण्य का कार्य ही नहीं, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन भी है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही समाज में प्रेम, सद्भाव और अपनत्व की भावना को मजबूत बनाती है।

भंवरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्यों ने पूरे सेवाभाव के साथ कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। सदस्यों ने कहा कि ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी जाति, धर्म और भेदभाव के जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाना है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा संचालित अन्नसेवा केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से समाज में परोपकार, करुणा और मानवीय संवेदनाओं को जागृत करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रुप के सदस्यों ने संकल्प व्यक्त किया कि मानव सेवा के इस पुनीत अभियान को निरंतर जारी रखते हुए अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ा जाएगा।

संगम पर दीपदान एवं देव दीपावली महोत्सव



हैदराबाद, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लंगर हाउस स्थित श्री रामचंद्र मठ में संगम पीठाधीश्वर महंत राहुल दास जी के सानिध्य में पूरे कार्तिक माह दीपदान का आयोजन किया गया। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रातः 4 बजे श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाकर स्नान किया।इसके पश्चात दिनभर देव दीपावली अनुष्ठान, दीपदान एवं महाप्रसादी का आयोजन हुआ। महंत राहुल दास जी ने आकाशदीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर आचार्य सुनील पांडेय, महंत चेतन गिरि, मंदिर के गोविंदा ग्रुप के सभी सदस्य तथा हजारों श्रद्धालुओं ने दीपदान कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।



श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री तुलसी महारानी विवाह एवं देव दीपावली (दीप महोत्सव) का आयोजन श्री राम दरबार पंचायती बाड़ा में किया गया। इस अवसर पर मुरलीधर तिवारी, रामदेव नागला, भगवान व्यास (निंबेडा), अनिल जायलवाल, गोपाल कृष्ण तिवारी, सतवीर उपाध्याय, मनोज व्यास, नितेश व्यास, उपाध्याय, अजू वैष्णव सहित समाज के बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष

15% बढ़े...

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सरसों तेल की थोक कीमत में 15.85 प्रतिशत और सोया तेल में 15.95 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सूरजमुखी तेल 15.70 प्रतिशत और पाम तेल 13.91 प्रतिशत महंगा हुआ है। एक महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो सरसों तेल की खुदरा कीमत में सबसे ज्यादा 4.42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, इसी दौरान सूरजमुखी तेल 0.22 प्रतिशत और पाम तेल 1.23 प्रतिशत सस्ता भी हुआ है।

दालों की कीमतों में भी बढ़ोतरी

दालों की कीमतों में भी पिछले एक साल में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, चना दाल का खुदरा भाव 86.85 रुपये से बढ़कर 96.13 रुपये प्रति किलो हो गया है। इसमें 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। तुअर दाल की कीमत 115 रुपये से बढ़कर 136 रुपये प्रति किलो पहुंच गई है। इस तरह एक साल में इसके दाम करीब 18 प्रतिशत बढ़े हैं। मसूर दाल की कीमतों में भी 15 प्रतिशत से अधिक का इजाफा बताया गया है।

आलू और टमाटर ने दी थोड़ी राहत

महंगाई के बीच आलू और टमाटर की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, आलू का औसत खुदरा भाव 27.07 रुपये से घटकर 23.40 रुपये प्रति किलो रह गया है। यानी इसकी कीमत 13.56 प्रतिशत कम हुई है। टमाटर के दाम भी 51.12 रुपये से घटकर 38.55 रुपये प्रति किलो हो गए हैं। इसमें 24.59 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस तरह प्याज की बढ़ती कीमतों के बीच आलू और टमाटर ने उपभोक्ताओं को कुछ राहत दी है।

महंगाई बढ़ने के पीछे क्या हैं वजहें?

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे कमजोर मानसून, फसलों पर असर, किसानों की बढ़ती लागत और पशुओं के चारे की महंगाई जैसे कारण बताए जा रहे हैं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और पश्चिम एशिया में तनाव का असर भी घरेलू बाजार पर पड़ सकता है। भारत अपनी जरूरत का आधे से अधिक खाद्य तेल आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने का असर देश में भी दिखाई देता है। कुल मिलाकर, प्याज, चीनी, दाल और खाद्य तेल जैसी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने रसोई का बजट बढ़ा दिया है। आलू और टमाटर सस्ते जरूर हुए हैं, लेकिन दूसरी जरूरी चीजों की महंगाई से आम आदमी पर खर्च का दबाव बना हुआ है।

1.20 लाख...

चांदी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में 38 डॉलर पर समर्थन है। इस स्तर से नीचे लगातार गिरने पर 36 डॉलर तक गिरावट का रास्ता खुल सकता है। ऊपर की तरफ 42 डॉलर और 43 डॉलर पर प्रतिरोध दिखाई दे रहा है।

एमसीएक्स चांदी के लिए 1,42,000 रुपये महत्वपूर्ण समर्थन है, जबकि 1,52,000 रुपये मुख्य प्रतिरोध स्तर है।

प्रत्यर्पण नहीं ...

उन्होंने कहा कि इस मामले पर चर्चा भारत के साथ होगी।

ढाका में सचिवालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हसीना की संभावित वापसी से जुड़े सवाल पर रहमान ने कहा कि उनके प्रत्यर्पण में कोई कानूनी बाधा नहीं है और इस विषय पर भारत के साथ बातचीत की जाएगी।

गिरफ्तारी, जेल या हत्या का खतरा

'प्रथम आलो' के मुताबिक, रहमान ने कहा कि शेख हसीना और उनके सहयोगी भारत में हैं तथा उन्हें न्याय का सामना कराने के लिए वापस लाने के मुद्दे पर भारत से चर्चा होगी। इस महीने की शुरुआत में शेख हसीना ने कहा था कि गिरफ्तारी, जेल या हत्या का खतरा उन्हें बांग्लादेश लौटने से नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा था कि वह अपने लोगों से दूर रहने के बजाय अपनी मातृभूमि में मरना पसंद करेंगी।

जहाँ राम...

लोवी इंस्टीट्यूट ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में सांस्कृतिक प्रभाव का आकलन सांस्कृतिक प्रसार, सूचना प्रवाह और लोगों के आपसी आदान-प्रदान जैसे पैमानों के आधार पर किया है। इसमें सांस्कृतिक निर्यात एवं विरासत, मीडिया संस्थानों और विश्वविद्यालयों की क्षेत्रीय लोकप्रियता, अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी, प्रवासी समुदाय, प्रवास और यात्रा से जुड़े संबंध शामिल हैं।यह महत्वपूर्ण अंतर है, क्योंकि भारत का सांस्कृतिक प्रभाव बढ़ रहा है, लेकिन रिपोर्ट यह नहीं बताती कि इस सुधार के लिए कोई एक विशेष सांस्कृतिक निर्यात या ऐतिहासिक परंपरा जिम्मेदार है। मूल्यांकन में संकेतकों का व्यापक दायरा शामिल है, जो दर्शाता है कि किसी देश की संस्कृति, सूचना और लोग शेष एशिया से किस प्रकार जुड़े हैं।

रक्षा एवं सांस्कृतिक संबंध बदल रहे शक्ति समीकरण

ब्रह्मोस समझौते और भारत की सांस्कृतिक पहुंच प्रभाव बढ़ाने के दो अलग-अलग तरीके दर्शाते हैं। रक्षा निर्यात रणनीतिक संबंधों को गहरा कर सकता है, जबकि सांस्कृतिक जुड़ाव लोगों की सोच को आकार देने और आपसी संबंध बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। दोनों ही भारत को पड़ोसी देशों से आगे संबंध स्थापित करने में सहायता करते हैं।लोवी इंस्टीट्यूट के निष्कर्ष इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इस सूचकांक में भारत का आर्थिक प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। रुपये की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा अर्थव्यवस्थाओं को मापने के तरीकों में बदलाव के कारण भारत का 'आर्थिक क्षमता' स्कोर 0.7 अंक गिरकर 26.4 पर आ गया। हालांकि, बेहतर आर्थिक पूर्वानुमानों के चलते भारत का 'भविष्य के संसाधन' स्कोर बढ़कर 56.2 हो गया।

भारत का कुल पावर स्कोर 40.5

भारत का कुल पावर स्कोर 40.5 रहा, जिससे वह सूचकांक में तीसरे स्थान पर बना हुआ है। रक्षा नेटवर्क और सांस्कृतिक प्रभाव में बढ़त के साथ-साथ आर्थिक संबंधों तथा भविष्य के संसाधनों में भी सुधार देखने को मिला। इन बदलावों की मदद से भारत ने 2023 के बाद पहली बार अपने 'पावर यील्ड' के अंतर को कम किया है। पावर यील्ड का अर्थ संसाधनों से अपेक्षित शक्ति और वास्तव में देश द्वारा हासिल प्रभाव के बीच का अंतर है। रिपोर्ट भारत और चीन के बीच शक्ति के अंतर में कमी का श्रेय केवल ब्रह्मोस या सांस्कृतिक प्रभाव को नहीं देती, बल्कि इन उदाहरणों के माध्यम से दर्शाती है कि भारत अपनी क्षमताओं एवं संपर्कों का इस्तेमाल कर क्षेत्रीय स्तर पर प्रभाव बढ़ा रहा है।

चीन अब भी बेहद शक्तिशाली

चीन अभी भी काफी अधिक शक्तिशाली है और कई पैमानों पर उसे बढ़त हासिल है। लेकिन भारत की बढ़ती रक्षा साझेदारियां और सांस्कृतिक पहुंच यह दर्शाती हैं कि एशिया में भारत के प्रभाव को अब केवल आर्थिक विकास या सैन्य ताकत के नजरिए से नहीं मापा जा रहा है। भारत की मिसाइलों के खरीदार मिल रहे हैं और सांस्कृतिक संबंध सीमाओं के पार पहुंच रहे हैं। ये सब मिलकर ऐसे देश की तस्वीर पेश करते हैं, जो क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में बड़ी भूमिका निभाना चाहता है।

फिलीपींस बना ब्रह्मोस का पहला विदेशी खरीदार

फिलीपींस 2022 में ब्रह्मोस का पहला विदेशी खरीदार बना। उसने तट आधारित जहाज रोधी मिसाइल बैटरी की तीन इकाइयों के लिए 375 मिलियन डॉलर का समझौता किया था। इनकी आपूर्ति 2024 में शुरू हुई। यह समझौता महत्वपूर्ण था, क्योंकि इससे भारत को फिलीपींस के तटीय रक्षा आधुनिकीकरण कार्यक्रम में प्रवेश मिला। उस समय मनीला को दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ बढ़ते समुद्री तनाव का सामना करना पड़ रहा था। फिलीपींस अब अपनी खरीद बढ़ाने पर विचार कर रहा है। नवंबर की शुरुआत में रॉयटर्स ने रिपोर्ट दी कि भारत और मनीला के बीच लगभग पांच और प्रणालियों तथा करीब 60 मिसाइलों के संभावित अतिरिक्त ऑर्डर को लेकर अंतिम चरण की बातचीत चल रही है। इस सौदे की कीमत 700 से 800 मिलियन डॉलर के बीच हो सकती है। यह प्रस्तावित खरीद मूल समझौते की तुलना में काफी बड़ी होगी।

वियतनाम ने भी किया ब्रह्मोस खरीदने का समझौता

वियतनाम ने भी भारत से ब्रह्मोस मिसाइलें खरीदने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने मई 2026 में इसकी पुष्टि की थी। रॉयटर्स के अनुसार, संभावित सौदे की कीमत लगभग 629 मिलियन डॉलर हो सकती है, जिसमें प्रशिक्षण और रसद सहायता भी शामिल है। ये समझौते इसलिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इससे भारत के रक्षा निर्यात बाजार का विस्तार होने के साथ-साथ प्रशिक्षण, रखरखाव, रसद सहायता और निरंतर सैन्य संपर्क के माध्यम से दीर्घकालिक संबंध भी स्थापित हो सकते हैं। भारत के लिए यह उन देशों के साथ रक्षा संबंध गहरे करने का अवसर है, जो अपनी समुद्री सुरक्षा मजबूत करना चाहते हैं।

इंडोनेशिया बना तीसरा खरीदार

इंडोनेशिया ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली खरीदने के लिए समझौता करने वाला तीसरा दक्षिण-पूर्व एशियाई देश बन गया है। उसके रक्षा मंत्रालय ने मार्च 2026 में समझौते की पुष्टि करते हुए कहा कि यह सैन्य उपकरणों के आधुनिकीकरण और समुद्री रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा है। लोवी इंस्टीट्यूट के अनुसार, भारत के 'डिफेंस नेटवर्क्स' स्कोर में वृद्धि का कारण क्षेत्रीय रक्षा संपर्कों का बढ़ना और दक्षिण-पूर्व एशिया को ब्रह्मोस मिसाइलों की बिक्री है। भारत का स्कोर बढ़कर 18.6 हो गया है, जिससे वह सूचकांक में दो स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर आ गया है। यह महत्वपूर्ण सुधार है, हालांकि रक्षा नेटवर्क अभी भी भारत के कमजोर क्षेत्रों में से एक बना हुआ है।

एशिया में ब्रह्मा और भारत की सांस्कृतिक छाप बढ़ रही

यदि ब्रह्मोस भारत की सैन्य एवं रणनीतिक ताकत का प्रतीक है, तो 'ब्रह्मा' देश के व्यापक सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत प्रभाव को दर्शाता है। दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ भारत के सांस्कृतिक संबंध आधुनिक रक्षा साझेदारियों की तुलना में कहीं अधिक पुराने हैं।

पैंटसिर...

पैंटसिर-एस1एम कम दूरी की वायु रक्षा प्रणालियों में शामिल है। रूस पहले भी भारत को इस प्रणाली की खरीद और संयुक्त उत्पादन का प्रस्ताव दे चुका है। इस प्रणाली को भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा व्यवस्था में शामिल किया जा सकता है। भारत की इस व्यवस्था में पहले से रूस की एस-400 ट्रायम्फ लंबी दूरी की वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली मौजूद है।

पैंटसिर-एस1एम को दुश्मन के विमानों, हेलीकॉप्टरों, क्रूज मिसाइलों, निर्देशित बमों और ड्रोन जैसे हवाई खतरों से सुरक्षा के लिए विकसित किया गया है।

इस प्रणाली में मिसाइलों और स्वचालित तोपों का संयोजन है। इसमें 30 मिलीमीटर की स्वचालित तोप भी लगी होती है।

प्रणाली में लगी मिसाइल, रडार एवं अन्य तकनीकी क्षमताओं के माध्यम से हवाई खतरों की पहचान और उनसे निपटने का प्रावधान है।

कांग्रेस का...

अब पार्टी के जिला प्रमुखों को संविधान के मुताबिक ईमानदारी से काम करना चाहिए। डोटासरा ने दावा किया कि कांग्रेस को चुनाव में 43.40 प्रतिशत वोट मिले, जबकि भाजपा को 37.79 प्रतिशत वोट मिले। उन्होंने कहा कि जिला परिषद के 1,275 वार्डों में कांग्रेस को 65.43 प्रतिशत और भाजपा को 28.15 प्रतिशत वार्ड मिले। डोटासरा के अनुसार, भाजपा का वोट प्रतिशत 2015 के 48.22 प्रतिशत से घटकर 37.79 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस करीब ढाई प्रतिशत वोटों से पीछे थी, लेकिन अब ग्रामीण जनता ने भाजपा को नकार दिया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने भाजपा के पुराने गढ़ों में भी जिला प्रमुख बनाए हैं। 13 पुराने जिलों में से 10 और आठ नए जिलों में से छह में कांग्रेस के जिला प्रमुख चुने गए हैं।

मुख्यमंत्री पर भी साधा निशाना

डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने हार की जिम्मेदारी लेने की बात कही, लेकिन मुख्यमंत्री ने अब तक इसकी नैतिक जिम्मेदारी नहीं ली है। उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों, राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) और सरकारी आयोगों में खाली पदों को लेकर भी सवाल उठाए। डोटासरा ने भरतपुर चुनाव में वोट खरीदने के आरोप भी लगाए। उन्होंने दावा किया कि तीन वोटों के लिए 60 से 70 लाख रुपये देने की चर्चा थी।

ट्रंप की टैरिफ...

इसके तहत संबंधित पक्षों को अपनी राय और आपत्तियां रखने का मौका मिलेगा। इसके बाद ही अमेरिकी प्रशासन आगे का फैसला करेगा। यह कदम ट्रंप की उस व्यापार नीति का हिस्सा है, जिसके तहत अमेरिका दूसरे देशों पर अमेरिकी सामान की खरीद बढ़ाने और कंपनियों को अमेरिका में उत्पादन करने के लिए दबाव डाल रहा है।

ब्राजील पर भी अलग से टैरिफ लगाने का प्रस्ताव

अमेरिका ने ब्राजील के खिलाफ भी अलग से टैरिफ कार्रवाई का प्रस्ताव रखा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) ने ब्राजील के कुछ सामानों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की बात कही है। इनमें विमान भी शामिल हैं।

अमेरिका का आरोप है कि ब्राजील ने उसकी व्यापार संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं।

दिसंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले बढ़ी हलचल

टैरिफ से जुड़े ये प्रस्ताव ऐसे समय आए हैं, जब दिसंबर में मियामी में जी-20 शिखर सम्मेलन होने वाला है। इस बैठक में ट्रंप कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं की मेजब

हिंदी महाविद्यालय में 'पिकि के स्वर' काव्य-संग्रह का लोकार्पण

हैदराबाद, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी साहित्य भारती, तेलंगाना इकाई के तत्वावधान में डॉ. सुरभि दत्त की कृति 'सुरभि के कलम से - पिकि के स्वर' नामक काव्य-संग्रह का लोकार्पण समारोह हिंदी महाविद्यालय के प्रांगण में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय के परामर्शदाता, तेवरी आंदोलन के प्रवर्तक एवं आलोचक प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने की। केंद्रीय हिंदी निदेशालय, हैदराबाद के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भास्कर कृष्णा ठुबे मुख्य अतिथि, साहित्यकार एवं विदुषी डॉ. सुमन लता विशिष्ट अतिथि तथा कवयित्री एवं लेखिका डॉ. रमा द्विवेदी और अनुवादक डॉ. टी.सी. वसंता सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। हिंदी मिलाप के सह-संपादक एम.एफ. सलीम भी कार्यक्रम में मौजूद थे।



कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। डॉ. श्रीदेवी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। श्रीमती शिल्पी भटनागर ने कुशल संचालन करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ. कामेश्वरी ने स्वागत संबोधन के माध्यम से उपस्थित साहित्यकारों एवं श्रोताओं का परिचय देते हुए उनका अभिनंदन किया।

डॉ. सुरभि दत्त का परिचय अर्चना पांडेय ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात डॉ. राजीव सिंह नयन ने पुस्तक का विस्तृत परिचय देते हुए कहा कि 'पिकि के स्वर' अनुभूति, जीवन-दर्शन, राग और रंग से युक्त काव्य-संग्रह है। इसमें संस्मरणात्मक सुगंध भी समाहित है, जो इसे विशिष्ट बनाती है। यह कृति जीवन के अनेक रंगों, प्रश्नों, स्मृतियों और संकल्पों को अपने भीतर समेटे हुए है। डॉ. सुरभि दत्त उन रचनाकारों में हैं, जो अपने समय के सुख-दुःख और त्रासदियों से आंखें नहीं मूंदतीं। वे आदर्श सृजनकार के प्रत्येक दायित्व का निर्वहन बड़ी संजीदगी से करती हैं।

लेखिका डॉ. सुरभि दत्त ने अपने लेखकीय अनुभव साझा करते हुए लेखन यात्रा में परिवार, विद्यालय और समाज, विशेषकर अपने पति के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। संगीतज्ञ शुभ्रा महंतों ने लेखिका की कविता को मधुर स्वर प्रदान किया।

इस अवसर पर हिंदी साहित्य भारती, तेलंगाना इकाई की ओर से हैदराबाद की विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उपस्थित सदस्यों का सम्मान किया गया।

सम्मानित अतिथि डॉ. टी.सी. वसंता तथा डॉ. रमा द्विवेदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि इस काव्य-संग्रह की सभी कविताएं जीवन के अनुभवों से उपजी यथार्थवादी रचनाएं हैं। कविताओं की सरसता पाठकों को आकर्षित करेगी।

विशिष्ट अतिथि डॉ. आर. सुमनलता ने कहा कि डॉ. सुरभि दत्त भारतीय संस्कृति को साहित्य की धरोहर मानती हैं। यही कारण है कि उन्होंने अपने इस काव्य-संग्रह को ज्ञान परंपरा के मंत्रपुष्पों से सुसज्जित किया है।मुख्य अतिथि डॉ. भास्कर कृष्णा ठुबे ने साहित्यिक सृजन एवं आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य समाज को बदलने की शक्ति रखने वाला सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस काव्य-संग्रह की रचनाएं पाठ्यक्रम में सम्मिलित होने योग्य हैं। इसमें हर आयु और वर्ग के लोगों को प्रेरित करने वाली कविताएं संकलित हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने कहा कि कविता अप्रस्तुत को प्रस्तुत करने की कला है, जिसे डॉ. सुरभि दत्त ने बड़ी खूबसूरती से निभाया है। उन्होंने देश एवं समाज के वातावरण को प्रभावित करने वाली घटनाओं पर रची गई कविताओं में सजग, सटीक और प्रभावी प्रस्तुति का उल्लेख करते हुए इसे कवयित्री की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कृति एवं आयोजन के संबंध में अपने सारगर्भित विचार भी व्यक्त किए। अंत में सरिता दीक्षित ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, आयोजकों, श्री प्रदीप कुमार दत्त तथा उपस्थितजनों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर साहित्य, समाज एवं शिक्षा जगत के अनेक विद्वान, साहित्यकार, हिंदी प्रेमी, मित्रगण और स्वजन उपस्थित रहे। हिंदी महाविद्यालय से उपाध्यक्ष श्याम सुंदर मूंदड़ा, डॉ. रेखा शर्मा, डॉ. अनुपमा, श्रुतिकांत भारती, सी.ए. पंकज त्रिवेदी, दिव्या, शुचि, डॉ. ज्योति नारायण, डॉ. आशा मिश्रा, देव प्रसाद मायला, किरण सिंह, डॉ. इंद्रजीत सिंह, सुहास भटनागर, दर्शन सिंह, डॉ. वैद, रक्षा मेहता, तरुणा, डॉ. रजनी धारी, वकील पांडेय, उमा देवी सोनी, सविता सोनी, कन्हैया, डॉ. पुष्पवल्ली, जयंती, अर्चना सिंह, दीपेश, शिवाजी, प्रेमलता नाथानी, रिबा, मनोहर रेड्डी, लाजवंती, ज्योति श्रीवास्तव सहित अनेक पूर्व एवं वर्तमान प्राध्यापक उपस्थित रहे। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

परिवीक्षाधीन डीएसपी ने की पुलिस आयुक्त से भेंट



पेद्दापल्ली, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्तालय में व्यावहारिक प्रशिक्षण के तहत तैनात चार परिवीक्षाधीन पुलिस उपाधीक्षकों (डीएसपी) ने बुधवार को पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा, आईपीएस, से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने उन्हें पुलिस सेवा में कर्तव्य निर्वहन, प्रशासनिक दक्षता, अनुशासन एवं जनसेवा के संबंध में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। डीएसपी प्रशिक्षण पूरा कर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सीएच. आदि शेषु रेड्डी, मोहम्मद ताजुद्दीन, बी. ऐश्वर्या एवं दुग्गीरड्डी हरिप्रिया ने पुलिस आयुक्त से मुलाकात की।

इंदिरम्मा बीमा योजना शुरू



मदनूर, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के बड़ा तड़गुर एवं हंडे केलूर गांवों में तेलंगाना सरकार की इंदिरम्मा परिवार जीवन बीमा योजना का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष दरसवार सायलु ने लाभार्थियों को योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत पात्र परिवारों के एक सदस्य को 5 लाख रुपये का जीवन बीमा प्रदान किया जाएगा। बीमा का प्रीमियम राज्य सरकार वहन करेगी तथा बीमित व्यक्ति की मृत्यु होने पर नामित व्यक्ति को बीमा राशि मिलेगी। कार्यक्रम में सरपंच शांता इरन्ना, पूर्व आत्मा समिति अध्यक्ष गंगाधर, मंडल विकास अध्यक्ष सायलु, केलूर सरपंच गड्डेम सायलु, सत्यनारायण सहित अन्य उपस्थित थे।

कपास हमालों की हड़ताल से किसान परेशान



मदनूर, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संयुक्त निजामाबाद जिले में कपास व्यापार में प्रथम स्थान रखने वाले मदनूर मंडल के स्थानीय कृषि बाजार में हमाल संघ द्वारा मजदूरी दर बढ़ाने की मांग को लेकर हड़ताल किए जाने से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हमाल संघ ने एक सप्ताह पूर्व कृषि बाजार समिति एवं कपास व्यापारियों को 3 से 100 रुपये तक हमाली दर बढ़ाने की मांग को लेकर आवेदन दिया था। मांग पर निर्णय नहीं होने के कारण मंगलवार मध्यरात्रि से हड़ताल शुरू कर दी गई। बुधवार को किसान रोजाना की तरह कपास बिक्री के लिए बाजार पहुंचे, लेकिन हड़ताल के कारण उन्हें कई घंटों तक इंतजार करना पड़ा।

धान खरीदी में देरी से किसान परेशान



बांसवाड़ा, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्याधिकारी पार्टी (टीआरपी) के बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र प्रभारी शेख कासिम ने धान खरीदी में देरी से किसानों को हो रही परेशानियों पर चिंता जताते हुए सरकार से तत्काल समाधान की मांग की। उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों पर महीनों से धान के ढेर पड़े हैं, लेकिन खरीदी नहीं होने से किसानों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बेमौसम बारिश से धान भीगने और अंकुरित होने के कारण किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों की लापरवाही की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि बिचौलिए कम कीमत पर धान खरीदकर किसानों का शोषण कर रहे हैं। शेख कासिम ने सरकार से खरीदी केंद्रों पर जमा धान की तत्काल खरीदी, किसानों को समर्थन मूल्य एवं बोनस देने और बारिश से प्रभावित धान को भी खरीदने की मांग की। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे उनके साथ राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) को ज्ञापन सौंपकर खरीदी में तेजी लाने की मांग करें। उन्होंने चेतावनी दी कि किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होने पर टीआरपी पार्टी आंदोलन करेगी और किसानों को न्याय मिलने तक उनके साथ खड़ी रहेगी।

पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की पहचान

वर्ष 2027 के लिए 'डेस्टिनेशन ऑफ द ईयर' सम्मान को आवक पर्यटन के लिए निर्णायक अवसर बताया



हैदराबाद, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। होटल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एचएआई) ने वर्ष 2027 के लिए भारत को 'डेस्टिनेशन ऑफ द ईयर' घोषित किए जाने का स्वागत करते हुए इसे देश के आवक पर्यटन (इनबाउंड टूरिज्म) को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण अवसर बताया है। एसोसिएशन के अनुसार, इस सम्मान से वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान मजबूत होगी तथा देश को प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। एचएआई ने कहा कि यह सम्मान प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पर्यटन को सतत रूप से विकसित करने तथा विकसित भारत के लक्ष्य में पर्यटन को प्रमुख योगदानकर्ता बनाने के प्रयासों की सराहना है। पर्यटन मंत्रालय एवं विभिन्न राज्यों के पर्यटन बोर्डों द्वारा भारत को अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने के प्रयासों को भी इससे प्रोत्साहन मिलेगा।

भारत की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति, विरासत, आध्यात्मिकता, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा पर्यटन तथा सामुदायिक पर्यटन जैसे विविध आकर्षण विश्वभर के पर्यटकों तक पहुंचेंगे।

अरुंधति भट्टाचार्य से विशेष मुलाकात

सूर्यदत्त के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. संजय बी. चोरडिया ने किया सम्मानित



पुणे/मुंबई, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुणे स्थित सूर्यदत्त एजुकेशन फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया एवं उपाध्यक्ष श्रीमती सुषमा चोरडिया ने सेल्सफोर्स की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरुंधति भट्टाचार्य से सौजन्य भेंट कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इंडियन मर्चेंट्स चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आईएमसी चेंबर) के 120वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर मुंबई में आयोजित विशेष कार्यक्रम के दौरान यह मुलाकात हुई। इस अवसर पर सूर्यदत्त की ओर से अरुंधति भट्टाचार्य को सम्मानित भी किया गया।

समारोह में उद्योग, व्यवसाय एवं शिक्षा जगत की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित थीं। इस दौरान प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने आईएमसी के अध्यक्ष प्रो. महेंद्र कुमार चौहान एवं महानिदेशक अजीत मंगरुलकर से भी संवाद किया। भारतीय व्यापार, वाणिज्य एवं उद्योग जगत के विकास में आईएमसी चेंबर का लंबे समय से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। समारोह में उद्योग जगत के भविष्य, नवाचार, प्रौद्योगिकी तथा भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार व्यावसायिक व्यवस्थाओं जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अरुंधति भट्टाचार्य ने 'विकसित भारत के निर्माण में उद्योगों की भूमिका' विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। भारत की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में क्षमताओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी क्रांति के इस दौर में भारत के पास केवल इसका हिस्सा बनने की ही नहीं, बल्कि इसका नेतृत्व करने और नई दिशा देने की भी क्षमता है। इस अवसर पर प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया एवं श्रीमती सुषमा चोरडिया को अरुंधति भट्टाचार्य के साथ विशेष संवाद करने का अवसर मिला। इससे पूर्व वर्ष 2016 में, जब भट्टाचार्य भारतीय स्टेट बैंक की अध्यक्ष थीं, तब ईशा फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'ईशा इनसाइट्स' कार्यक्रम में भी प्रो. डॉ. चोरडिया की उनसे मुलाकात हुई थी।

इस मुलाकात के दौरान प्रो. डॉ. संजय बी. चोरडिया ने अरुंधति भट्टाचार्य को सूर्यदत्त परिसर आने तथा विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के साथ संवाद करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने निमंत्रण पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए सूर्यदत्त परिसर आने और विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से बातचीत करने की सहमति जताई।

आंगनवाड़ी में पोषण जागरूकता कार्यक्रम



बहलोलपुर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्मार्ट संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 'सेहत सही, लाभ कई' स्वास्थ्य पहल के अंतर्गत सलाम नमस्ते कम्युनिटी रेडियो 90.4 एफएम द्वारा ग्राम बहलोलपुर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में समुदाय आधारित नैरोकास्टिंग एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र पर उपस्थित महिलाओं के साथ सही पोषण, संतुलित आहार, पौष्टिक भोजन एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर संवाद किया गया। साथ ही बच्चों एवं महिलाओं के टीकाकरण के महत्व, टीकाकरण की समय-सारणी तथा इससे होने वाले लाभों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महिलाओं ने सक्रिय सहभागिता करते हुए अपने अनुभव साझा किए। विशेषज्ञों ने बताया कि जब प्रत्येक महिला पोषण के प्रति जागरूक होगी, तभी परिवार स्वस्थ होगा और स्वस्थ परिवारों से ही देश प्रगति एवं खुशहाली की ओर अग्रसर होगा।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समुदाय को जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति जागरूक करना तथा सही एवं आवश्यक जानकारी प्रत्येक घर तक पहुंचाना रहा।

1100 किलो अन्नकूट का भव्य भोग

पाण्डेश्वर वीर हनुमान धाम में अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया





पाली, (शुभ लाभ ब्यूरो)। टैगोर नगर स्थित पाण्डेश्वर वीर हनुमान मंदिर धाम में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य अन्नकूट महोत्सव हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हनुमानजी महाराज को 1100 किलो अन्नकूट प्रसादी का भव्य भोग अर्पित किया गया।

मंदिर धाम के संस्थापक अध्यक्ष नरेश पाण्डे ने बताया कि महोत्सव संत सान्निध्य में महर्षि जगदीशानन्दजी महाराज, चाणक्य आश्रम तथा साध्वी भूमिका पुरी, मुंडारा की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

महोत्सव की सेवा में भक्त सोहनलाल उपाध्याय, हीरालाल व्यास, गोपाल उपाध्याय, लखमीचंद नागला, विशाल पांडे, शैतान सिंह राठौड़, अभिषेक सिंह राजपुरोहित, जयंती मेवाड़ा, मंगलेश मालवीय एवं राजू सिंह सिसौदिया जुटे रहे।

सब्जी एवं फलों के लाभार्थी भीखीबाई, हितेश वागोरिया एवं अशोक प्रजापत रहे। हनुमानजी महाराज के बागा एवं छप्पन भोग के लाभार्थी गोपाल उपाध्याय रहे। बैनर, होर्डिंग एवं प्रचार-प्रसार की सेवा जयंती मेवाड़ा किराणा की ओर से की गई।

महिला मंडल एवं भक्तों ने भजन-कीर्तन कर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर किया। इसके साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। महाआरती के पश्चात अन्नकूट प्रसादी का वितरण किया गया।इस शुभ अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि ताराचंद मोंटू भाई, गोविंद हंस पिंटू भाई, अर्जुन सिंह राजपुरोहित, प्रकाश मेवाड़ा, नंदकिशोर सालापुर, डूंगरमल नागला, हरीश उपाध्याय, चन्द्र सिंह रांका जैन, विष्णु व्यास, राजू शर्मा, गोपीभाई उपाध्याय, कर्ण नागला, गजानंद उपाध्याय सहित पाली शहर के अनेक हनुमान भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से पंकज व मोहन लाल अग्रवाल ने की शिष्टाचार भेंट



हैदराबाद, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अखिल भारतीय अग्रवाल महासम्मेलन के कार्यकारिणी सदस्य मोहन लाल अग्रवाल (रायचूर) एवं हिंदू संरक्षण समिति-अशोक फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने भारत सरकार के केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक, सामाजिक एवं कानूनी विषयों पर विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श हुआ।

भेंट के दौरान विशेष रूप से कर्नाटक एवं तेलंगाना राज्यों की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, वक्फ बोर्ड कानून तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से संबंधित विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

पंकज कुमार अग्रवाल एवं मोहन लाल अग्रवाल ने संबंधित विषयों पर अपने विचार, सुझाव तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे मंत्री महोदय के समक्ष रखे। साथ ही समाज के हितों, सामाजिक सरोकारों एवं विभिन्न जनसमस्याओं पर भी चर्चा की गई।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दोनों प्रतिनिधियों के विचारों एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा विभिन्न विषयों पर संवाद किया।

यह शिष्टाचार भेंट समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श एवं सामाजिक हितों से जुड़े मुद्दों को जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण रही।

सद्गुरुदेव रामलालजी सियाग के 101वें अवतरण दिवस महोत्सव का आयोजन



जोधपुर/बीकानेर, 25 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अध्यात्म विज्ञान सत्संग केंद्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने समर्थ सद्गुरुदेव रामलालजी सियाग के सान्निध्य एवं उनके बताए ध्यान और मंत्र जाप से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे साधकों ने अपने जीवन में आए बदलावों एवं व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में जानकारी दी। अवसर था समर्थ सद्गुरुदेव रामलालजी सियाग के 101वें अवतरण दिवस महोत्सव का। कार्यक्रम में शिरकत करने वाले बीकानेर मीडिया प्रभारी जयसिंह चौहान ने बताया कि वक्ताओं ने कहा कि गुरुदेव का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना प्रत्येक साधक की जिम्मेदारी है। सोशल मीडिया, पेम्फलेट एवं अन्य माध्यमों से मिशन की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने साधकों से गुरुदेव के बताए मार्ग पर चलते हुए नियमित रूप से सुबह एवं शाम 15 मिनट ध्यान और मंत्र जाप करने की अपील की।



राजस्थान की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत निमाज की सरपंच आशा कुमावत का माला एवं शाल पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम, बुधराम होतवाल, ओमप्रकाश हांगर, ओमप्रकाश घोड़ावाड़, आणदाराम मनावत, महेंद्र दुबलदिया, गोविन्दराम बाकरेचा, चंपलाल एकलिया, शिवराम एकलिया, नौरतमल मनावत एवं सुरेशकुमार हड़ीवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

नामपल्ली में राधे-राधे ग्रुप ने किया अन्नदान



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने सेवा और समर्पण की भावना के साथ जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण अंग है। भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह बिना किसी भेदभाव और स्वार्थ के की जाए। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य भी इसी भावना के साथ समाज के जरूरतमंद लोगों तक सेवा पहुंचाना है। सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर की सच्ची आराधना है। समाज में प्रेम, सहयोग और परोपकार की भावना को मजबूत करना ही इस सेवा अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा शहर के विभिन्न सेवा केंद्रों पर नियमित रूप से अन्नसेवा की जा रही है। इसमें ग्रुप के सदस्य तन-मन-धन से सहयोग कर सेवा कार्य को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं।

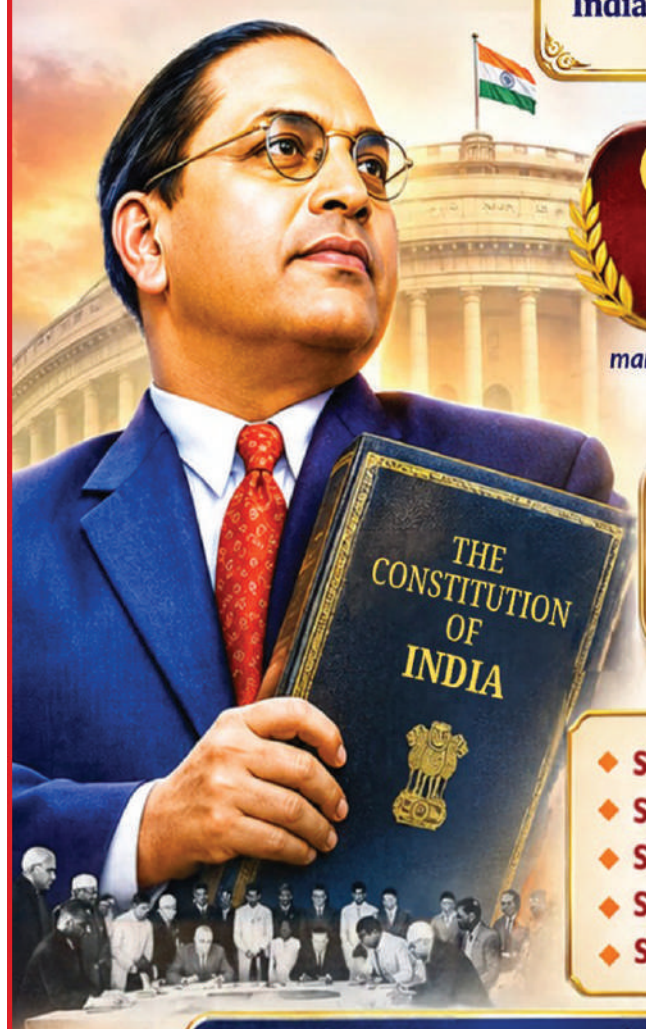


In commemoration of the invaluable contributions of the architects of the **Indian Constitution,** we cordially invite you to a special conference on the occasion of

CONSTITUTION PRIDE DAY

marking the historic adoption of the Constitution of India by the Constituent Assembly on 26 November 1949.

BJP



CHIEF GUEST



Shri Anurag Singh Thakur
Former Union Minister

GUESTS OF HONOUR

- **Shri N. Ramchander Rao** – President, BJP Telangana
- **Shri G. Kishan Reddy** – Union Minister of Coal and Mines
- **Shri Bandi Sanjay Kumar** – Union Minister of State for Home Affairs
- **Shri Aleti Maheshwar Reddy** – Leader of the BJP Legislature Party
- **Shri AVN Reddy** – Leader of the BJP Legislative Council Party

Thursday, **26 November 2026** | **3:00 PM** onwards | Exhibition Grounds, Nampally, Hyderabad

JAI BHIM JAI BJP

Organized by

Bharatiya Janata Party – Telangana

भारतीय जनता पार्टी – तेलंगाना की ओर से भारतीय संविधान के ऐतिहासिक अंगीकरण की स्मृति में आयोजित विशेष सम्मेलन में आपका सादर आमंत्रण है। इस अवसर पर डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर एवं भारतीय संविधान के निर्माताओं के अमूल्य योगदान को सम्मानपूर्वक याद किया जाएगा।

संविधान गौरव दिवस

मुख्य अतिथि:

श्री अनुराग सिंह ठाकुर जी
पूर्व केंद्रीय मंत्री

दिनांक : गुरुवार, 26 नवंबर 2026
समय : दोपहर 3 बजे से
स्थान : प्रदर्शनी मैदान, नामपल्ली, हैदराबाद

आइए, हम सब मिलकर भारतीय संविधान का सम्मान करें तथा भारतीय लोकतंत्र की गौरवशाली भावना का उत्सव मनाएं।

JAI BHIM JAI BJP



सुभाष अग्रवाल
State Convenor
Pravasi Cell
BJP Telangana

तेलंगाना प्रवासी समाज
वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन (TPSWO) की ओर से
नशा मुक्त भारत अभियान

TELANGANA PRAVASI SAMAJ WELFARE ORGANIZATION TPSWO



हैदराबाद पदयात्रा 2026 में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रण।



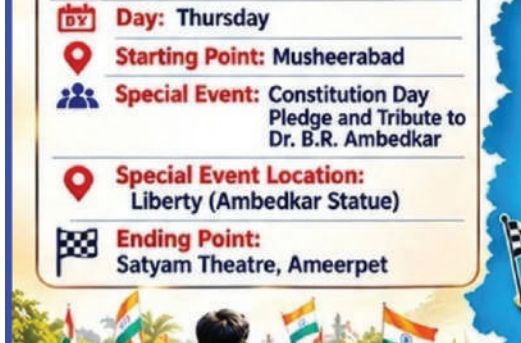
Shri G. Kishan Reddy
Hon'ble Union Minister of Coal and Mines
Government of India

DAY 2 – PADAYATRA DETAILS

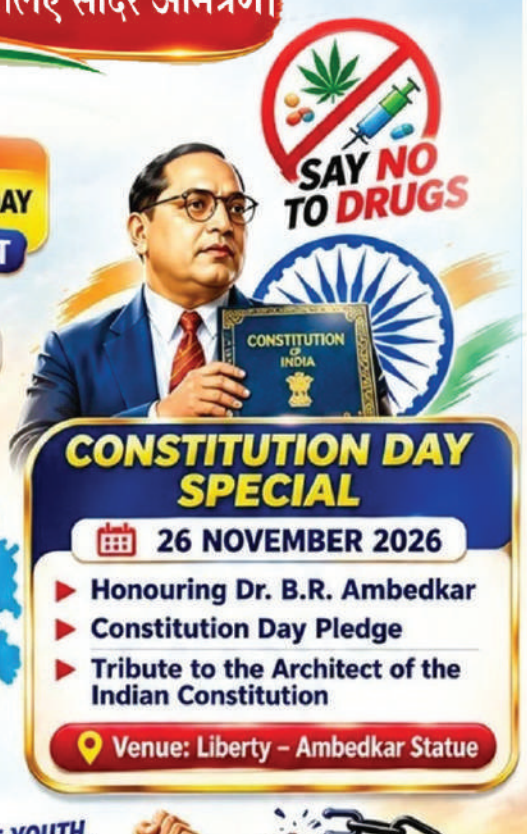
- **Date:** 26 November 2026
- **Day:** Thursday
- **Starting Point:** Musheerabad
- **Special Event:** Constitution Day Pledge and Tribute to Dr. B.R. Ambedkar
- **Special Event Location:** Liberty (Ambedkar Statue)
- **Ending Point:** Satyam Theatre, Ameerpet

DAY 2
26 NOVEMBER 2026 | THURSDAY
MUSHEERABAD TO AMEERPET





SAY YES TO LIFE
CHOOSE HEALTH, NOT ADDICTION
DRUG-FREE YOUTH, STRONGER INDIA
TOGETHER FOR A NASHA MUKT TELANGANA



CONSTITUTION DAY SPECIAL
26 NOVEMBER 2026

- Honouring Dr. B.R. Ambedkar
- Constitution Day Pledge
- Tribute to the Architect of the Indian Constitution

Venue: Liberty – Ambedkar Statue

* दूसरे दिन की पदयात्रा *

दिनांक : आज गुरुवार, दि. 26 नवंबर 2026
प्रारंभ स्थल : मुशीराबाद
समापन स्थल : सत्यम थिएटर, अमीरपेट

पदयात्रा मार्ग
मुशीराबाद से आरटीसी एक्स रोड्स, अशोक नगर, हिमायतनगर, लिबर्टी, खैरताबाद से होते हुए अमीरपेट पहुंचेगी।

संविधान दिवस विशेष
लिबर्टी स्थित **डॉ. बी.आर. अंबेडकर** की प्रतिमा पर संविधान दिवस की शपथ एवं श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

इस प्रेरणादायी अभियान का नेतृत्व
श्री जी. किशन रेड्डी जी
(केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री) करेंगे।

नशे को ना कहें – जीवन को हाँ कहें!

CHIEF CONVENOR | **SUBHASH AGARWAL**
TELANGANA PRAVASI SAMAJ WELFARE ORGANIZATION

तेलंगाना प्रवासी समाज का नारा! नशा मुक्त हो तेलंगाना हमारा!

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.